CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 31-12-2025 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAHFP User: cci Time: 12-31-2025 00:13 Color:

नई दिल्ली > बुधवार, 31 दिसंबर 2025 > पौष 10, शक संवत 1947, पौष शुक्ल एकादशी, विक्रम संवत 2082
WATCH GOD WATCHDOG
वर्ष 79, संख्या 311 > पेज 16 > मूल्य ₹5.00 या ₹10.00* द टाइम्स ऑफ इंडिया सहित www.nbt.in

2025 बाय-बाय

NBT नवभारत टाइम्स

वेलकम 2026

एनबीटी में विज्ञापन देने के लिए 18001205474 पर कॉल करें। नवभारत टाइम्स का अंक प्राप्त करने के लिए 18001200004 पर कॉल करें या subscribe.timesofindia.com पर जाएं।

आज जश्न के बीच होम डिलिवरी बड़ी चुनौती

गिग वर्कर्स NCR में कई जगह हड़ताल कर सकते हैं

AI Image

कंपनियों पर मनमानी का आरोप लगा रहे होम डिलिवरी करने वाले वर्कर्स।

■ NBT न्यूज, गुड़गांव

नए साल के जश्न से ठीक पहले बुधवार यानी आज दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में गिग वर्कर्स हड़ताल पर जाने वाले हैं। इससे फूड और ई-कॉमर्स से जुड़ी होम डिलिवरी पर असर हो सकता है। दिल्ली में वर्कर्स हड़ताल करेंगे या नहीं, इसपर संशय बरकरार है। इससे पहले 25 दिसंबर को भी गुड़गांव में गिग वर्कर्स ने काम बंद कर दिया था।

वर्कर्स का कहना है कि उन्हें काम के हिसाब से पैसा नहीं मिलता है, जबकि कंपनियां मोटी कमाई करती हैं। फूड और ई-कॉमर्स से जुड़े गिग वर्कर्स सामान घर तक लाने की अहम कड़ी हैं, ऐसे में अगर हड़ताल हुई तो बड़ी दिक्कत होने वाली है। घर सामान मंगाना तो मुश्किल होगा ही, साथ ही इस हड़ताल के चलते कंपनियों को भी बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है। गुड़गांव और गौतमबुद्ध नगर में इस हड़ताल का सबसे ज्यादा असर बड़ी सोसायटियों में रहने वाले उन परिवारों पर पड़ेगा, जो रोजमर्रा की जरूरतों से लेकर खाने-पीने तक के लिए ऑनलाइन सेवाओं पर निर्भर हैं। हड़ताल ने हजारों सोसायटियों में रहने वाले लोगों की चिंता बढ़ा दी है कि जश्न की रात कहीं ऑनलाइन ऑर्डर न मिलने से मजा फीका न हो जाए।

वर्कर्स बोले, हमें काम के हिसाब से नहीं मिलता उचित पैसा

रेस्टोरेंट मालिकों से लेकर आम लोगों तक को सताने लगी चिंता

कई डिलिवरी पार्टनर्स साफ कह रहे हैं कि कंपनी से बातचीत और उचित वेतन की मांग के बिना पीछे हटना मुश्किल है। वहीं, हड़ताल की खबर ने रेस्टोरेंट संचालकों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं, लेकिन कंपनियों से वह भी खुश नहीं हैं। रेस्टोरेंट संचालकों का आरोप है कि कंपनियां जहां डिलिवरी बॉय को लेकर सख्त है वहीं रेस्टोरेंट्स से भी ज्यादा कमिशन ले रही है। हड़ताल से उनके कारोबार पर सीधा असर पड़ेगा, साल के आखिरी दिन ही सबसे ज्यादा ऑर्डर आते हैं। लोगों का कहना है कि अगर 25 दिसंबर जैसा हाल रहा तो हाउसवाइव्स, सीनियर सिटिजंस और कामकाजी लोगों को बड़ी परेशानी होगी।

इन मांगों के लिए हड़ताल का ऐलान

इकॉनमिक्स टाइम्स (ET) के मुताबिक इंडियन फेडरेशन ऑफ ऐप-बेस्ड ट्रांसपोर्ट वर्कर्स और तेलंगाना गिग एंड प्लैटफॉर्म वर्कर्स यूनियन ने नौकरी की सुरक्षा, ज्यादा सैलरी, सुरक्षित काम करने की स्थिति और सोशल सिक्योरिटी बेनिफिट्स की मांग को लेकर 25 और 31 दिसंबर को हड़तालों का आह्वान किया था। क्रिसमस पर लगभग 40,000 राइडर्स ने अचानक हड़ताल और बाइक रैलियां कीं, जिससे यूनियनों के मुताबिक 50% से 60% ऑर्डर में देरी हुई।

बिजनेस पर होगा असर, कंपनियां चुप

ET के मुताबिक करीब 100,000-150,000 राइडर्स ने हड़ताल प्लान की है। न्यू ईयर कंपनियों के लिए सबसे बिजी दिनों में से एक है। ऐसे में बिजनेस प्रभावित हो सकता है। मगर Zomato, Swiggy, Instamart, Blinkit, Zepto, Flipkart Minutes और Amazon Now ने अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

नहीं रहीं बांग्लादेश की पहली प्रधानमंत्री खालिदा जिया

File

जिया तीन बार प्रधानमंत्री रहीं और बीएनपी की अध्यक्ष थीं।

सैन्य शासन के बाद लोकतंत्र की बहाली में भूमिका महत्वपूर्ण रही

■ **पीटीआई, ढाका:** बांग्लादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री खालिदा जिया का मंगलवार तड़के लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह 80 वर्ष की थीं। जिया तीन बार प्रधानमंत्री रहीं और बांग्लादेश नैशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष थीं। बीएनपी के कार्यवाहक अध्यक्ष और उनके बड़े बेटे तारिक रहमान ने निधन की पुष्टि की। सैन्य शासन के बाद लोकतंत्र की बहाली में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। तीन दिन के राजकीय शोक और एक दिन के आम अवकाश की घोषणा की गई। जिया का राजनीतिक सफर चार दशकों से अधिक लंबा और उतार-चढ़ाव भरा रहा।

बांग्लादेश में दो हफ्ते में तीसरे हिंदू की हत्या

■ **NBT रिपोर्ट:** बांग्लादेश में एक और हिंदू व्यक्ति की गोली मारकर हत्या का मामला सामने आया है। दो हफ्तों में बांग्लादेश में हिंदू की हत्या की यह तीसरी घटना है। ANI के अनुसार, मृतक की पहचान 40 वर्षीय बजेंद्र बिस्वास के रूप में हुई है। घटना के वास्तविक कारण का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है।

SC ने जल्द न्याय के लिए SOP जारी की

■ **पीटीआई, नई दिल्ली:** सुप्रीम कोर्ट ने एक स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (SOP) जारी किया है, जिसमें उसके सामने पेश होने वाले वकीलों द्वारा बहस और लिखित नोट्स जमा करने के लिए टाइमलाइन तय की गई है। सुप्रीम कोर्ट के इस कदम का मकसद कोर्ट मैनेजमेंट में सुधार करना और न्याय मिलने में तेजी लाना है।

NBT प्रगतिशील इंडियन ऑफ द ईयर 2025

NBT प्रगतिशील इंडियन ऑफ द ईयर कौन? अभी वोट करें

जिन लोगों ने जज्बे, मेहनत और काबिलियत से देश की प्रगति को नई दिशा दी, NBT ने पांच उन हस्तियों को चुना है। अब आपका वोट तय करेगा NBT प्रगतिशील इंडियन ऑफ द ईयर। देश में पैराएथलीट के योगदान को देखते हुए B ऑप्शन में शीतल देवी और सुमित अंतिल को रखा है। तो उठाइए मोबाइल और वोट कीजिए।

A हरमनप्रीत कौर (महिला क्रिकेट टीम की कप्तान)
2 नवंबर को इतिहास रचकर हरमन की कप्तानी में भारत ने पहला ICC वर्ल्ड कप जीता। ऑस्ट्रेलिया को हराया।

B देश के पैराएथलीट (शीतल देवी-सुमित अंतिल)
बिना हाथों के जन्मी पैरा एथलीट शीतल ने नियमित (एबल-बॉडी) वर्ग की टीम में जगह बनाई। पैरा जैवलिन थ्रोअर सुमित ने कई पैरा एथलेटिक्स में रेकॉर्ड गोल्ड मेडल जीता।

C दिव्या देशमुख (ग्रैंडमास्टर)
19 साल की दिव्या ने जॉर्जिया में FIDE विमिंस वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम किया। ग्रैंडमास्टर खिताब भी हासिल किया।

D कर्नल सोफिया कुरैशी, विंग कमांडर व्योमिका सिंह
ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी दुनिया के सामने रखी और ऑपरेशन का चेहरा बन गईं। सोफिया आर्मी की सिग्नल कोर में हैं। व्योमिका एयरफोर्स में हेलिकॉप्टर पायलट हैं।

E शुभांशु शुक्ला (ग्रुप कैप्टन, एयरफोर्स)
इंटरनैशनल स्पेस स्टेशन (ISS) जाने वाले पहले और अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे भारतीय बने।

कैसे करें वोट: जो NBT प्रगतिशील इंडियन ऑफ द ईयर लगता है, उसका ऑप्शन **9220747220** पर वट्सऐप करें। मसलन, अगर आपकी चॉइस हरमनप्रीत हैं तो मेसेज में A लिखकर भेज दें। » देखें पेज 16

2026 नई उम्मीद

झारएंडर की सीरीज में आज मिलिए 2025 के उन 'साइलेंट हीरोज' से, जिन्होंने बिना किसी शोर-शराबे के दिल्ली को बेहतर बनाया। मुफ्त इलाज करने वाले डॉक्टर, कचरे को पेड़ों में बदलने वाले युवाओं और बिना छुट्टी ड्यूटी करने वाले पुलिस अफसर- इन नायकों ने निस्वार्थ भाव से शहर की तस्वीर बदली।

देखें पेज 8

पंजाब एण्ड सिंध बैंक
कार लोन
7.30%* वार्षिक
ब्याज दर
8879840089 पर मिस्ड कॉल दें

₹ काम की खबरें

RailOne ऐप से बुकिंग में मिलेगा 3% डिस्काउंट

भारतीय रेलवे ने RailOne) ऐप से जनरल टिकट बुक करने पर किराये में 3% का डिस्काउंट देने का ऐलान किया।

CBSE एग्जाम डेट बदली

CBSE ने 3 मार्च के बोर्ड एग्जाम को क्लास 10 के लिए 11 मार्च और क्लास 12 के लिए 10 अप्रैल किया।

NDMC का सुविधा कैंप

NDMC शनिवार को अगला सुविधा कैंप पालिका केंद्र के कन्वेंशन सेंटर में सुबह 10:30 से 12:30 बजे तक करेगी। यह शिकायत समाधान का हिस्सा है।

फ्लाइट लेट तो यात्रियों को खाना दें: मंत्रालय

File

■ NBT रिपोर्ट

घने कोहरे और कम दृश्यता के बीच उड़ान परिचालन प्रभावित होने के मद्देनजर नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एयरलाइंस के लिए सख्त एडवाइजरी जारी की है। TOI की रिपोर्ट के अनुसार, मंत्रालय ने सभी एयरलाइंस को यात्रियों की सुविधा से जुड़े नियमों का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया है। एडवाइजरी में कहा गया है कि यात्रियों को उड़ानों की समय पर जानकारी दी जाए, देरी की स्थिति में खाने की व्यवस्था हो, उड़ान रद्द होने पर रीबुकिंग या रिफंड उपलब्ध कराया जाए और समय पर चेक-इन करने के बावजूद बोर्डिंग से इनकार न किया जाए। इसके अलावा सामान से जुड़ी मदद और शिकायतों का तुरंत निपटारा भी जरूरी होगा।

कोहरे से 118 उड़ानें रद्द, 26 ट्रेनें हो गईं लेट

घने कोहरे के कारण मंगलवार को दिल्ली एयरपोर्ट पर 118 उड़ानें रद्द की गईं। इसके अलावा 18 उड़ानों को डायवर्ट किया गया, जबकि करीब 200 उड़ानें देरी से चलीं। कोहरे का असर ट्रेनों पर भी दिखा। उत्तर भारत में 26 ट्रेनें हुईं लेट, 36 ट्रेन री-शेड्यूल हुईं।

अश्लील कंटेंट पर केंद्र ने दी सख्त चेतावनी

■ **पीटीआई, नई दिल्ली:** केंद्र सरकार ने ऑनलाइन प्लैटफॉर्म, विशेषकर सोशल मीडिया कंपनियों को अश्लील, आपत्तिजनक, पोर्नोग्राफिक, बाल यौन शोषण से जुड़े और अन्य अवैध कंटेंट पर सख्ती से कार्रवाई करने की चेतावनी दी है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने सोमवार को जारी एडवाइजरी में कहा कि अगर प्लैटफॉर्म ने नियमों के तहत निर्धारित दायित्वों का पालन नहीं किया तो उन्हें कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। यह भी कहा गया है कि अदालत के आदेश या सरकार से सूचना मिलने पर अवैध सामग्री को तय समयसीमा के भीतर हटाना होगा।

कहा, नियमों को तोड़ने पर होगी कानूनी कार्रवाई

प्रियंका गांधी के बेटे ने की सगाई, राजस्थान में आज से सेलिब्रेशन

File

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी और उद्योगपति रॉबर्ट वाड्रा के बेटे रेहान वाड्रा ने अपनी लंबे समय से गर्लफ्रेंड रहीं अवीवा बेग से सगाई कर ली है। यह सगाई सोमवार को दोनों परिवारों की मौजूदगी में हुई, जहां रेहान ने अवीवा को प्रपोज किया और उन्होंने प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। शादी आने वाले महीनों में होने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार, सगाई के बाद एक बड़ा समारोह बुधवार को राजस्थान के रणथंभौर में आयोजित होगा। नए साल पर गांधी परिवार वहीं रहेगा। रेहान वाड्रा एक विजुअल आर्टिस्ट और फोटोग्राफर हैं। 2021 में उन्होंने नई दिल्ली के बीकानेर हाउस में अपनी पहली एकल प्रदर्शनी 'डार्क परसेप्शन' आयोजित की थी, जिसमें रचनात्मक स्वतंत्रता जैसे विषयों को केंद्र में रखा गया था।

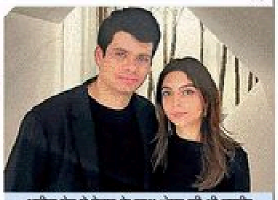

अवीवा बेग ने रेहान के साथ शेयर की थी तस्वीर

आखिर कौन हैं अवीवा बेग?

अवीवा बेग ने पेशे से इंटीरियर डिजाइनर हैं। फोटोग्राफी और प्रोडक्शन से भी जुड़ी हुई हैं। पिता इमरान बेग व्यवसायी हैं और मां नंदिता बेग इंटीरियर डिजाइनर हैं। नंदिता बेग प्रियंका गांधी की दोस्त भी हैं। कांग्रेस के नए दफ्तर के डिजाइन का काम नंदिता ने ही किया था।

छोटे नियमों का उल्लंघन अपराध नहीं, बिल मंजूर

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** दिल्ली सरकार ने कैबिनेट की बैठक में 'दिल्ली जन विश्वास (प्रावधानों का संशोधन) विधेयक, 2026' को मंजूरी दे दी है। सीएम रेखा गुप्ता के मुताबिक, इसका उद्देश्य छोटे, तकनीकी और नियम उल्लंघनों को अपराध की श्रेणी से बाहर करना है। इसके लागू होने पर एफआईआर, कोर्ट केस और जेल की आशंका खत्म होगी और जगह नागरिक दंड, प्रशासनिक जुर्माना और अपील की व्यवस्था होगी। इससे आम नागरिक, दुकानदार और छोटे कारोबारी कानूनी झंझटों से बचेंगे और अदालतों का बोझ भी कम होगा। जुर्माने में हर तीन साल में 10% वृद्धि होगी। विधेयक को विधानसभा के सत्र में पेश किया जाएगा।

रेखा गुप्ता

इंडियन विमिंस ने T20 सीरीज तीसरी बार 5-0 से जीती

तिरुवनंतपुरम में मंगलवार को **इंडियन विमिंस** ने श्रीलंका को 5वें T-20 में 15 रन से हराकर सीरीज 5-0 से जीत ली। टीम ने तीसरी बार 5-0 के अंतर से टी-20 सीरीज जीती। इससे पहले टीम वेस्टइंडीज और बांग्लादेश को भी इसी अंतर से हरा चुकी है। » पेज 12

₹ अर्थसार

सेंसेक्स	84,675.08 (-20.46)
निफ्टी	25,938.85 (-3.25)
रु/यूएस डॉलर	89.63 (-0.12)
रु/यूरो	102.83 (-0.30)

सर्राफा

सोना स्टैंडर्ड (99.5 शुद्धता) प्रति 10 ग्राम	
दिल्ली	₹1,39,000 (-2,800)
चांदी .999 टंच प्रति किलो	
दिल्ली	₹2,41,000 (+1,000)

मौसम

अधिकतम तापमान 21.5°
9.4° न्यूनतम तापमान
सूर्यास्त बुधवार 5:35 | सूर्योदय गुरुवार 7:14

कश्मीर में बर्फबारी की संभावना, ऊपरी इलाकों की सड़कें बंद।

PM मोदी ने जताई चिंता रूस ने दावा किया है कि यूक्रेन ने पुतिन के घर पर ड्रोन से हमला किया

पूतिन के घर पर हुए ड्रोन हमले की खबर से भारत और चीन चिंतित, कहा- संयम बरतें

File

■ आईएएनएस, नई दिल्ली

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के सरकारी आवास को निशाना बनाए जाने की खबरों पर भारत, चीन और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने गहरी चिंता जताई है। उन्होंने सभी पक्षों से संयम बरतने और कूटनीतिक समाधान की अपील की है। यह प्रतिक्रिया रूस के उस आरोप के बाद सामने आई है, जिसमें उसने यूक्रेन पर राष्ट्रपति पुतिन के सरकारी आवास को ड्रोन हमले से निशाना बनाने का दावा किया है। TOI की रिपोर्ट के अनुसार, रूसी अधिकारियों के अनुसार, नोवगोरोड क्षेत्र में स्थित राष्ट्रपति आवास के पास 91 लंबी दूरी के ड्रोन को हवा में ही नष्ट कर दिया गया। मॉस्को ने इसे 'राज्य प्रायोजित आतंकवाद' बताते हुए चेतावनी दी है कि इसका जवाब दिया जाएगा। वहीं, यूक्रेन ने इन आरोपों को पूरी तरह खारिज करते हुए इसे 'मनगढ़ंत और भ्रामक' करार दिया है। चीन और भारत ने बातचीत के जरिए तनाव कम करने पर जोर दिया। पीएम मोदी ने एक्स पर शांति की अपील करते हुए कहा कि किसी भी तरह के विवाद का समाधान केवल कूटनीतिक माध्यमों से ही संभव है।

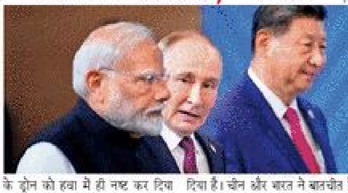

बैटल ऑफ गलवान से चीन में नाराजगी

सलमान खान की फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' के टीजर पर चीनी मीडिया की आलोचना पर भारत के सरकारी सूत्रों ने कहा कि सिनेमा अभिव्यक्ति की स्वतंत्र कला है। इसपर रोक नहीं लगाते। फिल्म 2020 गलवान संघर्ष पर बेस्ड है। चीन के सरकारी मीडिया ग्लोबल टाइम्स ने कहा, तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया है।

दुनिया भारत की ओर देख रही: PM

■ **पीटीआई, नई दिल्ली:** पीएम मोदी ने सोशल नेटवर्किंग मंच लिंक्डइन पर कहा, भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में अगली पीढ़ी के सुधारों के माध्यम से प्रगति की गति बढ़ाई है। नवोन्मेषी लोगों के कारण भारत वैश्विक ध्यान का केंद्र बन गया, दुनिया भारत को उम्मीद और भरोसे से देख रही है।

'जापान पीछे, भारत चौथी बड़ी इकॉनमी'

■ **भाषा, नई दिल्ली:** भारत ने एक और बड़ी आर्थिक उपलब्धि हासिल की है। 4.18 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की इकॉनमी के साथ भारत ने जापान को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा हासिल कर लिया है। ये जानकारी सरकार ने दी है। » पेज 15

एंट्री फीस 20 हजार से 2 लाख रुपये तक थी

मथुरा में विरोध के बाद सनी लियोनी का शो रद्द

■ NBT न्यूज, मथुरा

नए साल के अवसर पर मथुरा के मंडी चौराहे स्थित ट्रंक होटल में सनी लियोनी के डीजे नाइट्स कार्यक्रम का आयोजन प्रस्तावित था। 300 दर्शकों के लिए तैयारियां थीं। एंट्री फीस 20 हजार से 2 लाख रुपये तक निर्धारित थी। कार्यक्रम की खबर फैलने के बाद साधु-संत और सामाजिक संगठनों ने आयोजन का विरोध किया और डीएम को ज्ञापन सौंपा। विरोध बढ़ने पर सोमवार देर शाम होटल प्रबंधन ने कार्यक्रम रद्द कर दिया। होटल मालिक ने कहा कि साधु-संत और ब्रजवासियों की भावनाओं का सम्मान करते हुए यह फैसला लिया गया।

चर्च निर्माण पर विवाद

गुड़गांव के सेक्टर-56 टीकली गांव में चर्च निर्माण स्थल पर कुछ असामाजिक तत्वों ने तोड़फोड़ की। केयरटेकरों को धमकाया। पुलिस जांच कर रही है। ग्रामीणों ने निर्माण बंद करने की मांग भी की है।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 31-12-2025 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH08 User: cci Time: 12-30-2025 23:10 Color:

फटाफट खबरें

NGT पर दखल दे SC: जयराम रमेश

■ पीटीआई, नई दिल्ली: कांग्रेस ने मंगलवार को कहा कि अरावली पहाड़ियों के मामले में आदेश के बाद अब सुप्रीम कोर्ट NGT के विषय पर भी हस्तक्षेप करना चाहिए ताकि यह संस्था बिना किसी भय या पक्षपात के और कानून के अनुरूप स्वतंत्र रूप से काम कर सके। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि पिछले एक दशक में NGT की शक्तियों को पूरी तरह से कमजोर कर दिया गया है। पर्यावरण से जुड़े दूसरे महत्वपूर्ण मुद्दे पर कोर्ट स्वतः संज्ञान ले।

जयराम रमेश

6 को आएगी UP की ड्राफ्ट लिस्ट

■ पीटीआई, लखनऊ: उत्तर प्रदेश में चल रही SIR प्रक्रिया में चुनाव आयोग ने बदलाव किया है। अब प्रदेश की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट 6 जनवरी 2026 को जारी की जाएगी, जबकि अंतिम लिस्ट 6 मार्च 2026 को प्रकाशित होगी। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने मंगलवार को जारी बयान में बताया कि संशोधित कार्यक्रम के अनुसार 6 जनवरी से 6 फरवरी तक मतदाता सूची को लेकर दावे और आपत्तियां ली जाएंगी।

पूर्व BRS विधायक जर्मन, ले रहे पेंशन

■ NBT रिपोर्ट: तेलंगाना हाई कोर्ट की ओर से यह घोषित किए जाने के एक साल बाद भी कि पूर्व BRS विधायक चेन्नामनेनी रमेश भारतीय नागरिक नहीं है, वह अब भी पूर्व विधायक के रूप में हर महीने 60,000 रुपये पेंशन ले रहे हैं। TOI के मुताबिक, कांग्रेस विधायक आदि श्रीनिवास ने विधानसभा सचिव से रमेश की पेंशन बंद करने की मांग की है।

सी. रमेश

घुसपैठियों को बाहर निकालेंगे: शाह
दिल्ली में ब्लास्ट कैसे हुआ: ममता

कोलकाता में गृह मंत्री ने कहा, मजबूत नेशनल ग्रिड बनाएंगे

■ पीटीआई, कोलकाता

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार चुनावी फायदे के लिए बांग्लादेशी घुसपैठ को बढ़ावा दे रही है। इससे पिछले कुछ वर्षों में राज्य की जनसांख्यिकी खतरनाक रूप से बदल गई है। शाह को जवाब देते हुए ममता बनर्जी ने पूछा कि अगर घुसपैठ सिर्फ पश्चिम बंगाल में हो रही थी तो पहलगाम आतंकी हमला और दिल्ली कार बम धमाका कैसे हुआ?

कोलकाता में प्रेस कॉन्फ्रेंस में शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल के लोग घुसपैठ को लेकर चिंतित हैं और BJP 2026 में राज्य में दो-तिहाई बहुमत से सत्ता में आने के बाद इसे समाप्त करेगी। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव अप्रैल में होंगे और देश से घुसपैठियों को बाहर निकालना मुख्य अजेंडा होगा। उन्होंने कहा, 'हम न केवल घुसपैठियों की पहचान करेंगे, बल्कि उन्हें बाहर भी निकालेंगे। बंगाल में घुसपैठ को समाप्त करने के लिए एक मजबूत नैशनल ग्रिड बनाया जाएगा।' शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से जरूरी जमीन उपलब्ध न कराए जाने के कारण केंद्र सरकार भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने का काम पूरा नहीं कर पाई है। उन्होंने कहा, 'ममता बनर्जी घुसपैठ रोकने में नाकाम रहने के लिए सीमा सुरक्षा बल (BSF) को दोषी ठहराती हैं। बांग्लादेश से सटे राज्यों में केवल यही राज्य सरकार है, जो सीमा पर बाड़ लगाने के लिए जमीन नहीं देती।' शाह ने कहा कि ममता बनर्जी को यह जवाब देना होगा कि BJP शासित असम, त्रिपुरा या देश के पश्चिमी राज्यों जैसे राजस्थान और गुजरात के अलावा पंजाब और कश्मीर की तुलना में पश्चिम बंगाल में घुसपैठ की समस्या अधिक गंभीर क्यों है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वोटर लिस्ट में बदलाव स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (SIR) प्रक्रिया से मतुआ समुदाय के लोगों को डरने की कोई जरूरत नहीं है। ममता बनर्जी भी मतुआ समुदाय को नुकसान नहीं पहुंचा सकतीं। तृणमूल ने भय और हिंसा की राजनीति में वामपंथियों को भी पीछे छोड़ दिया है। महिलाओं के लिए कोई सुरक्षा नहीं है।

शाह ने कहा, महिलाएं सुरक्षित नहीं

Photos: PTI

अमित शाह (दाएं) ने कहा, पश्चिम बंगाल की सरकार बॉर्डर पर बाड़ लगाने के लिए जमीन नहीं देती है।

प. बंगाल की CM का आरोप, AI से किया जा रहा SIR स्कैम

■ पीटीआई/आईएएनएस, कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को वोटर लिस्ट में बदलाव की प्रक्रिया यानी स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (SIR) पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि यह आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (AI) की मदद से किया जा रहा एक बड़ा घोटाला है।

बनर्जी ने कहा कि अगर वोटर लिस्ट से किसी एक भी वैध वोटर का नाम हटाया गया तो तृणमूल कांग्रेस दिल्ली में चुनाव आयोग के ऑफिस का घेराव करेगी। उन्होंने बांकुड़ा जिले में एक रैली में कहा कि SIR के नाम पर राज्य के लोगों को प्रताड़ित किया जा रहा है। इसके कारण करीब 60 लोगों की मौत हो गई है। बुजुर्गों को दस्तावेज वेरिफिकेशन की सुनवाई के लिए बुलाया जा रहा है।

बनर्जी ने कहा कि BJP चुनाव नजदीक आते ही 'सोनार बांग्ला' बनाने का वादा करती है, लेकिन हकीकत में जिन राज्यों में वह सत्ता में है वहां बांग्ला बोलने वालों की पिटाई की जाती है। ममता बनर्जी ने कहा कि आज आप कह रहे हैं कि पश्चिम बंगाल सरकार ने केंद्र सरकार की परियोजनाओं के लिए जमीन नहीं दी। अगर यही दावा है तो बोंगांव के पेट्रापोल और अंडाल में नए एयरपोर्ट के लिए जमीन किसने दी? रेलवे ट्रैक कैसे बने?

मंगलवार को पश्चिम बंगाल में एक कार्यक्रम के दौरान सीएम ममता बनर्जी।

आज TMC नेता मिलेंगे CEC से

तृणमूल कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल बुधवार को चीफ इलेक्शन कमिश्नर ज्ञानेश कुमार से मुलाकात करेगा। पार्टी ने कहा कि SIR के तहत वोटर लिस्ट में हो रही प्रक्रिया को लेकर अपनी चिंताएं दल आयोग के सामने रखेगा।

PM से मिले कांग्रेस के अधीर रंजन चौधरी

■ पीटीआई, नई दिल्ली: कांग्रेस के सीनियर नेता अधीर रंजन चौधरी ने मंगलवार को पीएम नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। उन्होंने BJP शासित राज्यों में बांग्ला भाषी लोगों पर हो रहे हमलों के मुद्दे और मतुआ समुदाय की समस्याओं को उनके सामने उठाया और दखल की मांग की।

इंडिगो मामले में रिपोर्ट मिली, DGCA से ले रहे राय: मंत्री

■ पीटीआई, बेंगलुरु: नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू ने मंगलवार को कहा कि मंत्रालय वर्तमान में उस समिति द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट का विश्लेषण कर रहा है जिसने इस महीने की शुरुआत में इंडिगो से जुड़ी व्यापक उड़ान व्यवधानों की जांच की थी। एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा, 'रिपोर्ट मंत्रालय को सौंप दी गई है। हम रिपोर्ट का विश्लेषण कर रहे हैं, नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) से राय ले रहे हैं और उसके आधार पर कार्रवाई करेंगे।' दूसरी ओर, देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने मंगलवार को कहा कि अधिकारियों ने उस पर 458 करोड़ रुपये से अधिक का GST जुर्माना लगाया है। एयरलाइन ने कहा कि वह इस फैसले को चुनौती देगी।

भारत सरकार
कार्पोरेट कार्य मंत्रालय
त्वरित कॉर्पोरेट प्रस्थान प्रसंस्करण केंद्र (सी-पेस),
आई.आई.सी.ए. बिल्डिंग, 7वां मंजिल,
प्लाट P-6,7,8, सै.-5, आई.एम.टी. मानेसर,
गुड़गांव, हरियाणा - 122050.
Email: roc.cpace@mca.gov.in

Government of India
Ministry of Corporate Affairs
Centre for Processing Accelerated Corporate Exit (C-PACE)
IICA Building, 7th Floor,
Plot P-6,7,8, Sector-5, IMT Manesar,
Gurgaon, Haryana - 122050.
Email: roc.cpace@mca.gov.in

सत्यमेव जयते

प्ररूप संख्या एसटीके-6
सार्वजनिक सूचना
(कम्पनी अधिनियम की धारा 248 की उपधारा (2) और उपधारा (4) और कम्पनी (कम्पनी रजिस्टर से कम्पनियों का नाम हटाना) नियम, 2016 के नियम 7 के अनुसरण में)

सार्वजनिक नोटिस : ROC/C-PACE/STK-3/248(2)/2025-26/1619   दिनांक: 19/12/2025

संदर्भ:
1. कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 248 (2) के तहत निम्नलिखित (30) कम्पनियों का नाम दिल्ली राज्य से हटाने के मामले में:

S.No	Work Item	CIN	Hindi Name
1	AB9323304	U45101DL2023PTC417603	आज़ाद मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड
2	AB9643996	U72900DL2019PTC350159	अल्टिमेक डिजिटल प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड
3	AB9775743	U70101DL2011PTC219604	वी एस रियल एस्टेट्स प्राइवेट लिमिटेड
4	AB9029308	U63040DL2002PTC116709	कर्मा फॉरेस्ट एंड ट्रैवल्स प्राइवेट लिमिटेड
5	AB9192588	U45500DL2020PTC365874	एवीके अर्बन इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड
6	AB9331792	U52399DL2013PTC253498	बंसल फायरवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड
7	AB9384445	U62099DL2024PTC426509	नोबिट टेक सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड
8	AB9697303	U74999DL2018PTC329129	कॉनस्टेशन वर्ल्डवाइड प्राइवेट लिमिटेड
9	AB9829525	U72900DL2022PTC400157	कारीगर इन्फ्रा हैटिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
10	AB8624583	U27205DL2021PTC376021	डिप्लू वेयर प्राइवेट लिमिटेड
11	AB8534265	U93090DL2019PTC356082	पीएचए डिजी टेलूस प्राइवेट लिमिटेड
12	AB9876454	U74994DL2018PTC334132	ब्रिकलिंग आर्टिसनशिप प्राइवेट लिमिटेड
13	AB9800966	U72900DL2011PTC213063	लाइफटाइमलाईट प्राइवेट लिमिटेड
14	AB9924744	U51393DL1990PLC039364	एस.एम.एच. इंडिया ट्रेडर्स लिमिटेड
15	AB9952513	U66301DL2024PTC432772	डिविडेंड एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड
16	AB9128440	U75110DL2016PTC299084	मून प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड
17	AB9546680	U70109DL2011PTC221791	उर्वी प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड
18	AB9201366	U65990DL2021PTC378782	अक्षत जैन इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड
19	AB9162143	U93000DL2019PTC351551	लेमनट्री डिजिटल प्राइवेट लिमिटेड
20	AB9172328	U51909DL2020PTC370271	जुबिली मेटल प्राइवेट लिमिटेड
21	AB9301756	U74999DL2015PTC278038	मुद्रा अर्बन कुकवेयर प्राइवेट लिमिटेड
22	AB9618314	U62099DL2023PTC417739	उजालियाह लैब्स प्राइवेट लिमिटेड
23	AB9399476	U06110DL1996PTC076339	सक्षम फिनलीज प्राइवेट लिमिटेड
24	AB9716556	U25209DL2020PTC361274	आईटीडी आइसोलेशन इंजरटेक प्राइवेट लिमिटेड
25	AB9492898	U25990DL2025PTC448015	नीलकमल स्टोरेज सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड
26	AB9649971	U74140DL2015PTC282248	एसआरवी बिजनेस सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड
27	AB9862061	U50300DL2021PTC384087	हेल्पी मोटो प्राइवेट लिमिटेड
28	AB8922169	U74999DL2018PTC335016	मिलमाइल इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड
29	AB8967260	U74999DL2018PTC329480	न्यू20एक्स ऑनलाइन कोचिंग प्राइवेट लिमिटेड
30	AB9128247	U63040DL2022OPC402715	राहुल ट्रेवल्स एंड लॉजिस्टिक्स (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड

2. इसके द्वारा यह सूचित किया जाता है कि कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 248 (2) के तहत कम्पनी रजिस्ट्रार को उपर्युक्त कम्पनियों के नाम कम्पनी रजिस्टर से इस आधार पर नाम हटाने का आवेदन प्राप्त हुआ है कि कम्पनी के निगमन के एक वर्ष के भीतर कारोबार आरंभ करने में विफल रहे हैं या इस आधार पर कि कम्पनी पूर्ववर्ती 2 वित्तीय वर्षों से कारोबार नहीं कर पाई है और इस अवधि के भीतर कम्पनी अधिनियम 2013 की धारा 455 के तहत निष्क्रिय कम्पनी की स्थिति प्राप्त करने का आदेश का आवेदन नहीं किया है या कम्पनी ने निष्क्रिय कम्पनी की स्थिति प्राप्त कर ली है, या वे कम्पनी के रूप में पंजीकरण नहीं रखना चाहते और अतः कम्पनी रजिस्ट्रार से अपना/अपने नाम हटाने का अनुरोध किया है।
3. तदनुसार, कम्पनी रजिस्ट्रार उपर्युक्त कम्पनियों के नामों को कम्पनियों के रजिस्टर से हटाने का प्रस्ताव करता है।
4. यदि किसी व्यक्ति/संस्था को कम्पनी को कम्पनी रजिस्ट्रार से कम्पनियों का नाम हटाने के प्रस्ताव से आपत्ति है तो वह व्यक्ति/संस्था इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 30 (तीस) दिनों के भीतर उपर्युक्त कार्यालय के पते पर अपनी आपत्ति भेज सकते हैं।

इरफान रिज़वी
उप-पंजीयक
त्वरित कॉर्पोरेट प्रस्थान प्रसंस्करण केंद्र

CBC 07123/11/0536/2526

पहचान की अपील

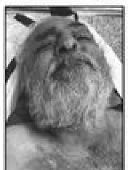

आम जनता को सूचित किया जाता है कि एक पुरुष जिसका नाम: नामालूम, पुत्र: नामालूम, पता: नामालूम, उम्र: लगभग 70 साल, कद: 5'6", लिंग: पुरुष, रंग: सांवला, चेहरा: लम्बा, शरीर: पतला, पहनावा: अर्धनग्न और नंगे पैर बरामदगी स्थल: पटरी, दिल्ली गेट मेट्रो स्टेशन गेट नंबर 3, आसफ अली रोड, दरियागंज, दिल्ली, मृतक के शव को पहचान के लिए मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज दिल्ली की मोर्चरी में सुरक्षित रखा गया है।

इस सम्बंध में DD No. 73A, दिनांक: 25.12.2025 पुलिस स्टेशन: दरियागंज, दिल्ली में दर्ज है। यदि इसके बारे में कोई सुराग या जानकारी मिले तो तुरंत इसकी सूचना निम्नलिखित पते पर दें।

थानाध्यक्ष
पुलिस स्टेशन: दरियागंज, दिल्ली
फोन: 011-23274683, 8285906093
8750870421

DP/17630/CD/2025

गुमशुदा/अपहृत की तलाश

अनुष्का

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि एक लड़की जिसका नाम: अनुष्का पुत्री मनोज पता: ग्राम झुलझुली, नई दिल्ली जो दिनांक: 24.12.2025 को सुबह लगभग 11:30 बजे से अपने घर से लापता/अपहृत है। इस बाबत FIR No: 152/2025, Dt. 25.12.2025, U/s: 137 (2) भारतीय न्याय संहिता–2023, थाना: जाफरपुर कलां, नई दिल्ली में दर्ज है। इसका शारीरिक ब्यौरा इस प्रकार से है:

उम्र: 15 वर्ष, कद: 5'2" रंग: गोरा, शरीर: सामान्य, चेहरा: गोल, पहनावा: ग्रे कलर की टी–शर्ट और लोअर, गुलाबी रंग की जैकेट और पैरों में सफेद रंग के जूते पहने हुए है। स्थानीय पुलिस द्वारा हर संभव कोशिश के बाद भी इस लापता लड़की के बारे में कुछ मालूम नहीं हो पाया है। अगर किसी को भी इस लापता लड़की के बारे में कोई जानकारी मिले तो कृपया निम्नलिखित पर सूचित करें।

फोन: 011-24368638, 24368641
वेबसाईट: http://cbi.nic.in
ई–मेल: cic@cbi.gov.in
फैक्स: 011-24368639
DP/17386/DW/2025

थानाध्यक्ष
थाना: जाफरपुर कलां, नई दिल्ली
फोन: 9560305022

गुमशुदा की तलाश

अपसाना खातून

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एक महिला जिसका नाम अपसाना खातून, पति: शंशा, पता: प्लॉट नं. 7/2ए और 8/1 पुराना 6/2 और 7/9 ब्लॉक–ड, गली नं. 3, विद्या पति नगर, इंदर एन्क्लेव, दिल्ली जोकि 25.12.2025 को सुबह 11:00 बजे अपने घर से गुमशुदा है। इस सन्दर्भ में DD No. 45 A, दिनांक 27.12.2025 पुलिस थाना प्रेम नगर, दिल्ली में रिपोर्ट दर्ज है। नीचे गुमशुदा महिला की पहचान दी गई है:

नाम: अपसाना खातून, उम्र: 30 वर्ष, कद: 5'3", रंग: गेहुँआ, शरीर: पतला, चेहरा: लंबा, पहनावा: काले रंग का बुर्का।

अगर किसी को इस गुमशुदा महिला के बारे में कोई जानकारी मिले कृप्या पुलिस थाना प्रेम नगर, दिल्ली को सूचित करने की कृपा करें।

वेबसाइट: http://cbi.nic.in, ई–मेल: cic@cbi.gov.in
फोन: 011–24368638/24368641, फैक्स: 011–24368639

थाना प्रभारी
पुलिस थाना प्रेम नगर, दिल्ली
फोन: 8750444404, 8750870322

DP/17606/RD/2025

कूड़े को सही तरीके से मैनेज करना जरूरी: एक्सपर्ट

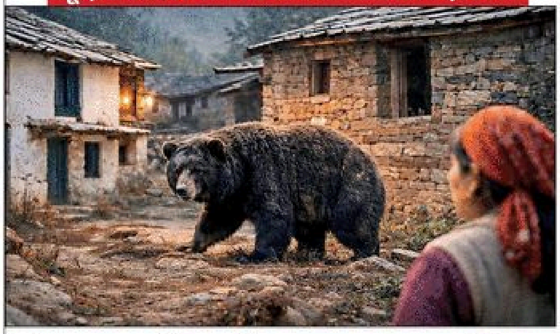

'कम सो रहे भालू, इसलिए लोगों पर कर रहे हैं हमला'

Poonam.Gaur@timesofindia.com

AI Images

■ नई दिल्ली: उत्तराखंड के उत्तरकाशी, पौड़ी, पिथौरागढ़, चमोली और रुद्रप्रयाग जैसे पहाड़ी जिलों में जंगली भालुओं के हमले चिंता का सबब हैं। कई गांवों में हर शाम भालू की दहशत की वजह से हालात कर्फ्यू जैसे हो जाते हैं। पिछले 25 वर्षों पर गौर करें तो भालुओं के हमले में उत्तराखंड में 71 लोगों की जान गई। 2 हजार से अधिक लोग घायल हुए। पिछले 5 वर्षों में हमले बढ़े हैं। साल 2025 तो सबसे आगे निकल गया। इस साल अब तक 80 के करीब हमले हो चुके हैं और आठ मौतें हो चुकी हैं। भालुओं के इस आक्रामक होते रवैये को लेकर पूरी जानकारी दे रहे हैं वाइल्डलाइफ इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया के पूर्व साइंटिस्ट और भालू एक्सपर्ट डॉ. एस. सत्याकुमार:

डॉ. एस. सत्याकुमार

NBT इंटरव्यू

Q उत्तराखंड में भालुओं के हमले बढ़ने की वजह क्या है?

इसके कई कारण हैं। सबसे बड़ी वजह जलवायु परिवर्तन है। अब हिमालयी क्षेत्रों में बर्फबारी कम हो रही है। इससे ठंड भी कम पड़ रही है। इस कारण ठंडे इलाकों में रहने वाले भालू का हाइबरनेशन (शीत निद्रा) का समय कम हो गया है। भालू हाइबरनेशन करते हैं ताकि सर्दियों के कठिन मौसम में जब भोजन कम हो तो निंद्रा रह सकें। मगर, उत्तराखंड के राजाजी नैशनल पार्क, कॉर्बेट से लेकर मिजोरम सहित हिमालय के नीचे के गर्म मैदानी जंगलों में काला भालू हाइबरनेशन नहीं कर रहा है। उन्हें भोजन की कमी नहीं होती। हाइबरनेशन न होने की वजह से भालुओं का हमला बढ़ रहा है।

Q क्या हाइबरनेशन (Hibernation) से जुड़ा कोई साइंटिफिक रिसर्च है?

कश्मीर में सात भालुओं पर एक चिप लगाकर रिसर्च की गई थी। यह रिसर्च 2009-10 और 2010-11 के दौरान हुई थी। इसमें पाया गया कि 2009-10 में भालुओं ने 40 से 77 दिन की शीत निद्रा ली। 2010-11 में 55 से 83 दिन शीत निद्रा ली। सामान्य तौर पर करीब 100 साल पहले इस हाइबरनेशन की अवधि 120 दिनों की होती थी। हाइबरनेशन की अवधि कम होने की वजह भालुओं को हर सीजन में खान मिलना और मौसम में हो रहे बदलाव हैं जिसकी वजह से भालुओं को अब सर्दियों में अधिक परेशानी नहीं हो रही।

Q भालू के हमलों से बचने के लॉन्ग टर्म प्लान क्या है? कैसे बच सकते हैं?

लॉन्ग टर्म प्लान वही है जो कई अन्य समस्याओं की जड़ है। कूड़े को हमें सही तरीके से मैनेज करना सीखना ही होगा। पर्यटकों की वजह से भी पहाड़ों पर कूड़ा बढ़ रहा है। 20 टन से ज्यादा कूड़ा अकेले केदार घाटी में है। भालू सड़ा कूड़ा पसंद करता है। जंगलों में इंसानी दखल को हमें कम करना होगा। सड़कें बनाने, प्रोजेक्ट के नाम पर जंगलों में लगातार काम चल रहा है। इसकी वजह से भालुओं के हैबिटेट काफी खराब हुए हैं।

Q भालू के इंसानों पर हमले की और क्या वजह है?

काला भालू हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम, जम्मू-कश्मीर, पश्चिम बंगाल के हिमालयी क्षेत्र के अलावा नॉर्थ-ईस्ट के सभी राज्यों में पाए जाते हैं। ये मांस खाते हैं, लेकिन कम खाते हैं। भालू को बीज, फल, जड़ी-बूटी, घास, बांस आदि अधिक पसंद हैं। वह जंगल में रहता है और इंसानों को नजरअंदाज करता है। मगर, कम ऊंचाई वाले पहाड़ी स्थानों पर कूड़ा बढ़ गया है, गांव के आसपास फूलों आदि की खेती हो रही है। भालुओं को यहां बिना किसी मेहनत के खाना हर समय मिल रहा है। ऐसे में वह निचले स्थानों की तरफ आ रहे हैं। गांव के आसपास आने की वजह से मानव-भालू संघर्ष बढ़ा है।

Q बचने के लिए क्या किया जा सकता है?

यह समझना होगा कि भालू को जो चीजें पसंद हैं, वही चीजें मानव के रिसोर्स भी हैं। यही संघर्ष की वजह है। भालू सेब के खेतों में खाने की तलाश में आता है और वहां यदि इंसान दिखता है तो बचने के लिए वह हमला कर देता है। उसे जब एनिमल प्रोटीन की जरूरत होती है तो गांव में लैंडफिल साइट पर पड़े सड़े मांसाहार को खाता है। इन सब में मानव और भालू के बीच की दूरी कम हो गई है। इस दूरी को बढ़ाना होगा। शॉर्ट टर्म प्लान में हम लैंडफिल साइटों को इस तरह कवर कर सकते हैं कि वहां भालू दाखिल न हो पाए। इसी तरह के इंतजाम हमें खेतों में भी करने होंगे।

Q क्या खेतों में भालू को दाखिल होने से रोकने की कोई तकनीक है?

आज हम तकनीक के मामले में बहुत स्ट्रॉन्ग हैं। सोलर फेंसिंग, सेंसर अलर्ट और AI इनेबल्ड सिस्टम हमारे पास मौजूद हैं। सोलर फेंसिंग कई जगहों पर खेतों में जंगली जानवरों की एंट्री रोकने के लिए लगाए गए हैं और सफल भी हुए हैं। हालांकि यह महंगे हैं और किसान इसे तब तक नहीं लगवाएंगे जब तक सरकारी मदद न मिले। सेंसर अलर्ट का इस्तेमाल हो रहा है। यह सोलर से चलता है और इसमें मोशन सेंसर होता है। यह अपनी रेंज में किसी भी तरह की हलचल पर अलार्म बजाकर अलर्ट कर देता है। इसके अलावा पैटर्न वाली फॉक्स लाइट का इस्तेमाल भी हो रहा है। यह अलग तरह की लाइटें जलाती है और इनकी रोशनी से भालू आबादी से दूर रहते हैं। हालांकि सेंसर अलर्ट की लोकेशन समय-समय पर बदलना और फॉक्स लाइट के पैटर्न चेंज करना जरूरी है। भालू काफी चालाक जानवर है। वह दूसरा रास्ता ढूंढ लेता है।

पंजाब विधानसभा में 'राम जी' ऐक्ट के खिलाफ प्रस्ताव पास

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज ने कहा, यह संविधान के खिलाफ

■ पीटीआई, चंडीगढ़/भोपाल

पंजाब की आम आदमी पार्टी (AAP) सरकार ने मंगलवार को राज्य विधानसभा में 'वीबी-जी राम जी' ऐक्ट के खिलाफ प्रस्ताव पेश किया, जिसे पास कर दिया गया। इसमें BJP के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर मनरेगा को खत्म करने की कोशिश का आरोप लगाया। ग्रामीण विकास और पंचायत मंत्री तरुणप्रीत सिंह सोंद ने विधानसभा के एक दिवसीय सत्र के दौरान सदन में चर्चा के लिए प्रस्ताव पेश किया। केंद्रीय कृषि और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को पंजाब विधानसभा में ऐक्ट के खिलाफ प्रस्ताव को संविधान और संघीय ढांचे की मूल भावना के विरुद्ध करार दिया और कहा कि संसद द्वारा पारित कानून को मानना राज्यों की संवैधानिक जिम्मेदारी है।

PTI

चर्चा के दौरान सीएम भगवंत मान।

सिद्धारमैया की पीएम से अपील, ऐक्ट लागू न करें: कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने पीएम नरेन्द्र मोदी से 'राम जी' ऐक्ट के क्रियान्वयन को निलंबित करने की अपील की। उधर, केंद्र सरकार को 350 एक्टिविस्ट्स ने ओपन लेटर लिखा और मनरेगा को रद्द न करने की अपील की। इसके कार्यान्वयन से जुड़ी समस्याओं को दूर करने की गुजारिश की।

काशी-तमिलनाडु के बीच संबंध ऐतिहासिक: VP

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने मंगलवार को रामेश्वरम में काशी तमिल संगमम 4.0 के समापन समारोह में कहा कि काशी और तमिलनाडु के बीच संबंध सिर्फ ऐतिहासिक नहीं है, बल्कि एक गहरा सभ्यतागत और आध्यात्मिक जुड़ाव है। इसने हजारों वर्षों से भारत को एकजुट रखा है। इस मौके पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपनी बात की शुरुआत तमिल में बोलकर की। उन्होंने कहा कि काशी और तमिलनाडु की सभ्यतागत धारा को जोड़ने वाला 'काशी तमिल संगमम' भारत की साझा सांस्कृतिक विरासत का उत्सव है।

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन (बाएं) और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान।

राकेश अग्रवाल को NIA DG का प्रभार

■ पीटीआई, नई दिल्ली: गृह मंत्रालय ने सीनियर आईपीएस अधिकारी राकेश अग्रवाल को NIA के महानिदेशक का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। यह प्रभार मौजूदा महानिदेशक सदानंद वसंत दाते के समय से पहले उनके मूल कैडर में वापस भेजे जाने के बाद दिया गया है। हिमाचल प्रदेश कैडर के 1994 बैच के IPS अधिकारी अग्रवाल वर्तमान में NIA के विशेष महानिदेशक के पद पर कार्यरत हैं। उधर, केंद्र सरकार की ओर से मंगलवार को किए गए एक बड़े नौकरशाही फेरबदल के तहत सीनियर ब्यूरोक्रेट लव अग्रवाल को विदेश व्यापार महानिदेशालय का प्रमुख नियुक्त किया गया है।

फटाफट खबरें

वंदे भारत स्लीपर का 180 पर स्पीड टेस्ट

■ NBT रिपोर्ट: केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर 'वंदे भारत स्लीपर ट्रेन' के ट्रायल रन का वीडियो शेयर किया, जिसमें ट्रेन कोटा-नागदा सेक्शन के ट्रैक पर 180 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से फर्राटा भरते हुए दिख रही है। ट्रेन की स्थिरता जांचने के लिए 'वाटर टेस्ट' भी किया गया।

अल्मोड़ा: खाई में गिरी बस, 7 की मौत

■ NBT रिपोर्ट, देहरादून: अल्मोड़ा जिले में भिकियासैंण-विनायक मोटर मार्ग पर एक बस खाई में गिर गई, जिससे उसमें सवार 7 यात्रियों की मौत हो गई। घटना के समय बस भिकियासैंण से रामनगर जा रही थी, उसमें करीब 19 यात्री थे। हादसे में कई यात्री घायल हो गए।

विदेश में बसे तीन कश्मीरियों को नोटिस

■ पीटीआई, श्रीनगर: NIA की विशेष अदालत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिये भारत सरकार के खिलाफ दुश्मनी भड़काने के आरोप में जम्मू-कश्मीर के तीन लोगों के खिलाफ नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने इन्हें भगोड़ा घोषित किया जा सकता है। ये हैं कश्मीर चैंबर ऑफ कॉमर्स ऐंड इंडस्ट्री (KCCI) के पूर्व अध्यक्ष मुबीन शाह, अब्दुल्ला हसन आशाई और रिफत वानी।

खुदकुशी केस: स्कूल की मान्यता वापस

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: 9 साल की स्टूडेंट की मौत के मामले में CBSE ने जयपुर के नीरजा मोदी स्कूल की मान्यता वापस ले ली है। बोर्ड ने स्कूल मैनेजर को भेजे आदेश में कहा कि मान्यता तुरंत प्रभाव से वापस ली जा रही है। हालांकि, क्लास 10वीं और 12वीं के स्टूडेंट्स को 2025-26 में उसी स्कूल से परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जाएगी। स्कूल में 1 नवंबर को क्लास 4 की स्टूडेंट ने चौथी मंजिल से छलांग लगा दी थी।

उत्तराखंड में त्रिपुरा के छात्र के मर्डर केस में मौत या उम्रकैद की मांग

एंजेल हत्या की जांच करेगी SIT, NHRC ने भी तलब की रिपोर्ट

NBT 3 मिनट में पढ़ें

■ भाषा, देहरादून, नई दिल्ली

उत्तराखंड में त्रिपुरा के छात्र एंजेल चकमा (24) की 9 दिसंबर को हुई हत्या मामले में चौतरफा दबाव के बीच देहरादून पुलिस ने मंगलवार को SIT गठित की। साथ ही कहा कि अब तक की जांच में नस्लीय दुर्व्यवहार का सबूत नहीं मिला है। वहीं, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) ने इस मामले में कथित नस्ली भेदभाव को लेकर देहरादून के जिला मैजिस्ट्रेट (DM) और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (SSP) को नोटिस जारी किया है। आयोग ने जांच रिपोर्ट 7 दिनों के भीतर देने के निर्देश दिए गए हैं।

देहरादून के एसएसपी अजय सिंह ने एक संवाददाता सम्मेलन में दावा किया कि पुलिस हत्याकांड में शामिल फरार मुख्य आरोपी नेपाल के यज्ञराज अवस्थी को पकड़ने के बहुत करीब पहुंच चुकी है और उसे जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उत्तराखंड पुलिस मुख्यालय ने अवस्थी पर घोषित 25 हजार रुपये के इनाम को बढ़ाकर एक लाख रुपये कर दिया है।

पुलिस अधिकारी ने कहा कि 9 दिसंबर को हुई इस घटना के संबंध में पुलिस ने सभी सीसीटीवी फुटेज एकत्रित कर लिए हैं। पूरी वारदात भीड़भाड़ वाली जगह पर शाम सात बजे के बाद 40-50 सेकेंड के भीतर हुई। उन्होंने कहा कि घटना के पीछे की पूरी सच्चाई जानने पर चाकू से वार करने वाले मुख्य आरोपी अवस्थी की गिरफ्तारी के बाद ही पता चल पाएगी। आरोपी और पीड़ित पक्ष एक-दूसरे को नहीं जानते थे। पूरी घटना 'इन द हीट ऑफ द मोमेंट' में हुई।

एसएसपी ने कहा कि जांच में सामने आया है कि आरोपियों का कोई आपराधिक इतिहास नहीं था। एसएसपी ने सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों पर प्रसारित खबरों में घटना को नस्लीय दुर्व्यवहार से जोड़े जाने को गलत बताया। एसएसपी ने कहा कि मामले में दर्ज प्राथमिकी में भी नस्लीय दुर्व्यवहार का कोई आरोप नहीं है।

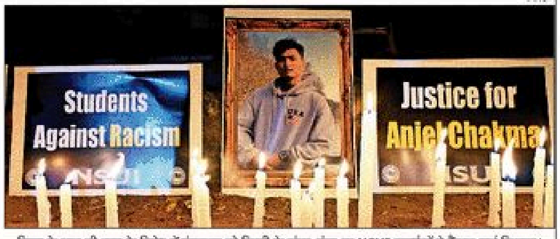

त्रिपुरा के छात्र की हत्या के विरोध में मंगलवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर NSUI समर्थकों ने कैंडल मार्च निकाला।

IANS

> "जांच का कोई पहलू छूट न जाए, इसके लिए एक पुलिस क्षेत्राधिकारी के नेतृत्व में SIT गठित कर दी गई है। अब तक की विवेचना SIT को सौंप दी गई है। घटना में FIR दर्ज कर पुलिस ने 6 आरोपियों में से 5 को पकड़ लिया है, जिनमें से दो नाबालिगों को न्यायिक अभिरक्षा में रखा गया है।" - अजय सिंह, SSP, देहरादून

पूर्वोत्तर के लोगों के खिलाफ नस्ली हिंसा का आरोप, SC में जनहित याचिका

■ भाषा, नई दिल्ली: पूर्वोत्तर राज्यों और अन्य सीमावर्ती क्षेत्रों के नागरिकों के खिलाफ नस्ली भेदभाव और हिंसा को रोकने में लगातार सरकारी विफलता का आरोप लगाते हुए और इसे दूर करने के लिए न्यायिक हस्तक्षेप का आग्रह करते हुए उच्चतम न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर की गई है। याचिका त्रिपुरा के 24 वर्षीय एमबीए छात्र एंजेल चकमा की हत्या के मद्देनजर 28 दिसंबर को दायर की गई थी। दिल्ली के वकील अनूप प्रकाश अवस्थी ने केंद्र सरकार और सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों को जनहित याचिका में पक्षकार बनाया है। याचिका में कहा गया है कि पूर्वोत्तर राज्यों और भारत के अन्य सीमावर्ती क्षेत्रों के भारतीय नागरिकों के खिलाफ नस्ली भेदभाव और हिंसा के मुद्दे के समाधान के लिए न्यायिक हस्तक्षेप की मांग की जाती है।

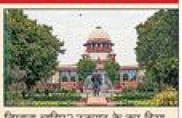

इसमें चकमा की मृत्यु का कारण बनने वाले अपराध का वर्णन करते हुए कहा गया, 'हम भारतीय हैं। इसे साबित करने के लिए हमें कौन सा प्रमाणपत्र दिखाना चाहिए?' टकराव के क्रूर हिंसा में बदलने से पहले ये शब्द दुखद रूप से एंजेल चकमा के सार्वजनिक नागरिकता के बारे में आखिरी दर्ज बयान बन गए। याचिका में चकमा की मौत से संबंधित मीडिया की खबरों का भी हवाला दिया गया। इसमें कहा गया, 'व्यापक दिशा-निर्देश तैयार करने, 'नस्ली अपमान' को घृणा अपराधों की एक अलग श्रेणी के रूप में मान्यता देने और इसके लिए सजा निर्धारित करने के उद्देश्य से एक उपयुक्त रिट (कानून बनाने तक अंतरिम) जारी की जाए।' इसमें केंद्र और राज्यों को यह निर्देश देने का आग्रह किया गया कि वे केंद्रीय स्तर के साथ-साथ प्रत्येक राज्य के स्तर पर एक 'नोडल एजेंसी या स्थायी निकाय या आयोग या निदेशालय' का गठन करें।

मामले की सुनवाई उत्तराखंड से बाहर कराने की मांग

■ भाषा, शिलांग/अगरतला: पूर्वोत्तर छात्र संगठन (NESO) ने देहरादून में त्रिपुरा के छात्र की हत्या के लिए जिम्मेदार लोगों को मृत्युदंड दिए जाने की मांग की। संगठन ने मंगलवार को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन सौंप कर इस मामले में त्वरित हस्तक्षेप करने का आग्रह किया। वहीं, एंजेल चकमा के परिजनों ने भी बेटे की हत्या में शामिल आरोपियों के लिए मौत या कम से कम उम्रकैद की सजा की मांग की। वहीं, ऑल इंडिया चकमा स्टूडेंट्स यूनियन (AICSU) ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से आदिवासी छात्र एंजेल चकमा की नस्लीय रूप से प्रेरित हत्या के मामले की सुनवाई को उत्तराखंड से बाहर स्थानांतरित करने की मांग की है।

NESO, पूर्वोत्तर के सभी राज्यों के छात्र संगठनों का एक संयुक्त मंच है। संगठन ने कहा कि छात्र एंजेल चकमा के भाई माइकल चकमा पर भी इस घटना के दौरान हमला किया गया। संगठन ने आरोप लगाया कि यह हमला नस्लीय द्वेष से प्रेरित था और पीड़ितों की शारीरिक बनावट को निशाना बनाते हुए उनके लिए अपमानजनक और हीनभावना पैदा करने वाली नस्लीय टिप्पणियां की गईं।

UGC की सख्ती के बाद स्टूडेंट्स की फीस लौटाने लगे विश्वविद्यालय

Bhupender.Sharma
@timesofindia.com

■ नई दिल्ली: फीस लौटाने में आनाकानी करने वाली यूनिवर्सिटीज के खिलाफ शुरू हुए ऐक्शन का असर नजर आने लगा है। UGC की फीस निवारण सेल के आंकड़ों से सामने आया है कि पिछले 5 वर्षों में छात्रों की 37.25 करोड़ रुपये की फीस वापस करवाई है, जिसमें प्राइवेट और डीम्ड यूनिवर्सिटीज से सबसे ज्यादा पैसे लौटाए गए हैं। शैक्षणिक सत्र 2022-23 से लेकर 2024-25 तक फीस वापसी को लेकर सबसे ज्यादा शिकायतें आई थीं। 2025-26 में शिकायतों में काफी कमी आई है।

एक यूनिवर्सिटी से दूसरे संस्थान में शिफ्ट होने पर फीस वापस न किए जाने की शिकायतों का निपटारा अब जल्द हो रहा है। हालांकि, अब भी UGC के पास फीस वापसी, ओरिजिनल डॉक्युमेंट्स छात्रों को नहीं लौटाए जाने से जुड़ी शिकायतें आ रही हैं। जांच के बाद यूनिवर्सिटी और कॉलेज को निर्देश जारी किया जा रहा है।

पिछले पांच वर्षों में 37 करोड़ से ज्यादा की फीस छात्रों को वापस दिलवाई गई। इन वर्षों से जुड़े मामलों में अभी 13.99 करोड़ रुपये की फीस भी वापस करवाई जाएगी। 2020-21 में जहां 18.26 लाख रुपये छात्रों को वापस दिलवाए गए, वहीं 2021-22 में यह आंकड़ा 46 लाख से ज्यादा हुआ। इसके बाद UGC ने सख्ती की और फीस रिफंड पॉलिसी लागू की, जिसके बाद 2022-23 में 10.48 करोड़ की फीस वापस हुई। 2023-24 में यह आंकड़ा 13.11 करोड़ पर पहुंचा। 2024-25 में 9.4 करोड़ से ज्यादा फीस वापस हुई। मौजूदा शैक्षणिक वर्ष में 1.67 करोड़ रुपये छात्रों को वापस दिलवाए जा चुके हैं।

यदि यूनिवर्सिटी फीस वापस करने से मना करती है तो https://samadhaan.ugc.ac.in/ पर शिकायत कर सकते हैं।

AI Image

- पिछले 5 वर्षों में विद्यार्थियों की 37 करोड़ से ज्यादा फीस वापस करवाई गई।
- 2025-26 में फीस वापसी को लेकर शिकायतों में आई है कमी।

रिटायर्ड रेलकर्मी की मौत, कंकाल जैसी मिली बेटी!

■ भाषा, बांदा: उत्तर प्रदेश के महोबा जिले से एक अमानवीय घटना सामने आई है। रेलवे का एक 70 वर्षीय रिटायर्ड कर्मचारी अपने आवास पर संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाए गए, जबकि उनकी मानसिक रूप से दिव्यांग बेटी शव के पास अत्यंत दुर्बल अवस्था में पाई गई। मृतक के परिजनों ने घरेलू सहायक दंपती पर बाप-बेटी को वर्षों तक कैद में रखने और उनके साथ दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया है। पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

> महोबा के नौकर दंपती पर लगे गंभीर आरोप, पुलिस कर रही है जांच।

पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान ओम प्रकाश सिंह राठौर के रूप में हुई है, जो रेलवे से सेवानिवृत्त हुए थे और महोबा कस्बे के हिंद टायर गली इलाके में रहते थे। राठौर की पत्नी रेणुका की 2016 में मौत हो गई थी और दंपती की 27 वर्षीय बेटी रश्मि मानसिक रूप से दिव्यांग है। पोस्टमॉर्टम में मौत का कारण फेफड़ों की बीमारी पाया गया है।

पेंशन से जुड़ी 1.12 लाख शिकायतें दूर करने का दावा

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मामलों के मंत्रालय के राज्यमंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने मंगलवार को कहा कि 2025 में शासन से जुड़े ऐसे सुधार किए गए, जिनसे लोगों का जीवन आसान हुआ है। सरकारी कर्मियों के लिए भी कामकाजी माहौल बेहतर हुआ। पेंशन से जुड़ी 1.12 लाख से ज्यादा शिकायतें दूर की गईं, जो अब तक किसी भी कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा है।

पेंशनभोगियों को लेकर डॉ. सिंह ने कहा कि नवंबर में चलाया गया डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट कैंपेन 4.0 अब तक का सबसे बड़ा अभियान था, जिसमें 2000 जिलों, तहसीलों और शहरों में 1.68 करोड़ डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट जारी किए गए। सेंट्रलाइज्ड पब्लिक ग्रीवेंस रिड्रेस एंड मॉनिटरिंग सिस्टम के जरिए 2025 में नागरिकों की 20 लाख से ज्यादा शिकायतों का समाधान किया गया।

AI Image

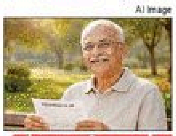

'लैटरल एंट्री पर चर्चा'

कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय में सचिव रचना शाह ने मंगलवार को कहा कि केंद्र में सिविल सेवा के सीनियर पदों पर प्राइवेट सेक्टर से लैटरल एंट्री के जरिए लोगों को लाने के बारे में सरकार संबंधित पक्षों से विचार-विमर्श कर रही है। मंत्रालय की उपलब्धियों से जुड़ी PC में शाह ने लैटरल एंट्री के बारे में कहा, 'अपने-अपने क्षेत्र में विशेषज्ञता रखने वाले करीब 60 अफसर इस प्रक्रिया के जरिए लिए गए थे। फिलहाल 38-40 अफसर सेवाएं दे रहे हैं।'

I4C के साथ साइबर क्राइम पर पुलिस करेगी 'सर्जिकल स्ट्राइक'

Vishal.Sharma3@timesofindia.com

■ नई दिल्ली: देश में लगातार बढ़ रहे साइबर क्राइम के अड्डों पर नकेल कसने के लिए नई शुरुआत हो चुकी है। दरअसल, देश में साइबर क्राइम के तहत समन्वय करने वाले गृह मंत्रालय के I4C यानी (Indian Cyber Crime Coordination Centre) की तरफ से देश के 7 अलग-अलग राज्यों में 7 जॉइंट साइबर कोऑर्डिनेशन टीम्स (JCCTs) शुरू की जा चुकी हैं।

आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि दिल्ली पुलिस और गृह मंत्रालय के अधीन सेंट्रल एजेंसियों ने साइबर क्राइम के अड्डों का विश्लेषण किया। इसके बाद मेवात, जामताड़ा, अहमदाबाद, हैदराबाद, चंडीगढ़, विशाखापट्टनम और गुवाहाटी के लिए JCCTs को चुना गया। इन्हें साइबर अपराध हॉटस्पॉट्स और मल्टी-जूरिस्डिक्शन मसलों के आधार पर राज्यों/यूटी को साथ जोड़कर बनाया गया है, ताकि कोऑर्डिनेशन बेहतर बनाया जा सके। साइबर एन्फोर्समेंट यूनिट की सेंट्रल और राज्य एजेंसियों को उम्मीद है कि इसका बेहतर परिणाम 2026 में दिखेगा।

क्षेत्रीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र बनाने का अनुरोध: सूत्रों ने बताया कि राज्यों से अनुरोध किया गया है कि वे I4C की तर्ज पर राज्य/क्षेत्रीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (S4C/R4C) स्थापित करें, ताकि I4C के साथ साइबर क्राइम से संबंधित खुफिया जानकारी और खतरे की सूचनाओं को आसानी से एकत्रित किया जा सके। अब तक बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, केरल, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में S4C स्थापित किए जा चुके हैं। सूत्रों ने बताया कि इसके लिए समन्वय प्लैटफॉर्म को शुरू किया जा चुका है। इसमें एक मैनेजमेंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम यानी (MIS), डेटा स्टोर और सभी राज्यों/यूटी की साइबर एजेंसियों के लिए साइबर क्राइम डेटा शेयरिंग और विश्लेषण के सेतु का काम करेगा। सूत्रों ने बताया कि इसका 'प्रतिबिंब' मॉड्यूल क्रिमिनल्स और क्राइम से जुड़े स्ट्रक्चर को मैप पर दिखाता है, जिससे क्षेत्रीय अधिकारियों को सीधे जानकारी मिलती है। यह प्लैटफॉर्म I4C और अन्य एक्सपर्ट्स से टेक्निकल और लीगल ऐक्शन में भी मदद करता है। इसके माध्यम से अब तक 16,840 आरोपियों की गिरफ्तारी और 1,05,129 साइबर जांच शुरू हो चुकी है।

I4C दिल्ली समेत सभी राज्यों में अपना विस्तार कर रही है: सूत्रों के मुताबिक, I4C दिल्ली समेत सभी राज्यों में अपना विस्तार कर रही है। इसके तहत I4C दिल्ली में D4C यानी (Delhi Cyber Crime Coordination Centre) होगा।

AI Image

- दिल्ली पुलिस और गृह मंत्रालय के अधीन सेंट्रल एजेंसियों ने साइबर क्राइम के अड्डों का विश्लेषण किया।
- ऐसे अपराध रोकने के लिए 7 राज्यों में जॉइंट साइबर कोऑर्डिनेशन टीम्स शुरू की जा चुकी हैं।

बरेली के कैफे में बर्थडे पार्टी के दौरान हिंदूवादी कार्यकर्ताओं की मारपीट का मामला

छात्रा का सवाल, क्या धर्म देख दोस्त चुनूं?

■ NBT रिपोर्ट, मेरठ/बरेली

बरेली के द डेन कैफे में छात्रा की बर्थडे पार्टी के दौरान हुई मारपीट और तोड़फोड़ मामले में लड़की ने सवाल उठाते हुआ कहा, 'क्या मुझे अपने दोस्तों का चुनाव धर्म के आधार पर करना चाहिए?'

इस मामले के मुख्य आरोपी और बजरंग दल के पूर्व नेता ऋषभ ठाकुर ने पुलिस की कार्रवाई तेज होने के बाद सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया। वीडियो में आरोपी भगवा गमछा डाले नजर आ रहा है। आरोपी ने कहा कि उसने कुछ भी गलत नहीं किया। उसका दावा है कि उसने केवल दूसरे समुदाय के लड़कों के साथ लड़की को देखकर विरोध किया था। साथ ही उसने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से कार्रवाई की गुहार भी लगाई।

इस बीच ऋषभ ठाकुर की एक रील भी वायरल हो रही है, जिसमें पुलिस को धमकाने वाला गाना बज रहा है। रील में वह हंसते हुए माला पहनता दिखाई दे रहा है। पुलिस का कहना है कि यह वीडियो जांच का हिस्सा है। ऋषभ ठाकुर ने पूरे मामले को 'लव जिहाद' से जोड़ते हुए कहा है कि कैफे मुस्लिम युवक ने बुक कराया था और उसने अपने दो मुस्लिम दोस्तों को बुलाया था, जबकि चार हिंदू छात्राएं भी पार्टी में शामिल थीं।

उधर, सुभाष नगर थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह ने बताया कि ऋषभ ठाकुर को अगस्त में ही जिला बदर किया जा चुका है। उस पर चोरी और जानलेवा हमले समेत कई मुकदमे दर्ज हैं। फिलहाल वह फरार है।

कैफे संचालक की शिकायत पर ऋषभ ठाकुर, दीपक पाठक समेत 20-25 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई थी। पुलिस ने जांच के बाद प्रिंस सिंह, आकाश, आशीष उर्फ पारस जौहरी, मृदुल उर्फ मनीष दुबे और दीपक को गिरफ्तार कर लिया है। एक नाबालिग आरोपी को बाल सुधार गृह भेजा गया है। बजरंग दल के बरेली महानगर संयोजक केवलानंद गौड़ पहले ही साफ कर चुके हैं कि ऋषभ ठाकुर का संगठन से कोई लेना-देना नहीं है और उसे 14 दिसंबर को संगठन से निकाल दिया गया था।

AI Image

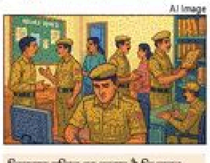

> फिलहाल पुलिस का कहना है कि मुख्य आरोपी ऋषभ ठाकुर की तलाश जारी है।

Joint Plant Committee (JPC)
301-306, Aurobindo Place,
Hauz Khas, New Delhi - 110016

JPC invites applications for select domains for Young Professionals, Experts and Assistants. See detailed advertisement in www.jpcindiansteel.nic.in

IDBI BANK — आईडीबीआई बैंक लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालय: आईडीबीआई टॉवर, डब्ल्यूटीसी कॉम्प्लेक्स, कफ परेड, मुंबई-400005

टेस्टिंग सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (TCoE) स्थापित करने के लिए सर्विस प्रोवाइडर के चयन हेतु आरएफपी

आईडीबीआई बैंक उपरोक्त समाधान हेतु पात्र बोलीदाताओं से सीलबंद बोली आमंत्रित करता है। विवरण के लिए कृपया बैंक की वेबसाइट https://www.idbi.bank.in (नोटिस और टेंडर) देखें।
नोट: उपरोक्त आरएफपी के संबंध में कोई और परिशिष्ट / सुधार / तारीखों का विस्तार / स्पष्टीकरण / बोलीदाताओं के प्रश्नों के उत्तर केवल बैंक की वेबसाइट पर पोस्ट किए जाएंगे। समाचार पत्रों में इस हेतु कोई अलग से अधिसूचना जारी नहीं की जाएगी। अतः बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे इस संबंध में स्वयं को अद्यतन रखने के लिए नियमित रूप से बैंक की वेबसाइट देखते रहें।

नववर्ष 2026 के नव प्रभात में
उत्तरायण
नव महोत्सव
1 जनवरी, 2026 प्रातः 9 बजे से
उत्तरायण महायज्ञ, मंगलशोभा यात्रा, सामूहिक प्रार्थना, सत्संग सन्देश व भण्डारा
पावन सान्निध्य
पूज्य श्री सुधांशु जी महाराज एवं डॉ. अर्चिका दीदी
आनंदधाम आश्रम बक्करवाला, नई दिल्ली - 41
आयोजक: विश्व जागृति मिशन
सम्पर्क सूत्र: +91 99999 04747
www.vishwajagritimission.org
Email:-info@vishwajagritimission.org

Wedding Season Special
Traditional & Lifestyle Exhibition & Sale
NATIONAL SILK EXPO
30 दिसम्बर से 6 जनवरी
TIME: 11 AM TO 9 PM
UP TO 50% DISCOUNT
कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इण्डिया
रजिर्व बैंक के सामने, पटेल चौक मैट्रो स्टेशन, रफी मार्ग, नई दिल्ली
ENTRY FREE | ALL UPI ONLINE / DEBIT & CREDIT CARDS ACCEPTED

BLAZERS SUITS & JACKETS SALE
upto 60% off
Happy New Year 2026
Formal & Wedding collection
Formal • Casual • Party Collection
Men & Women wear
By Economy Sales: 9212758425
ARROW | Raymond | ColorPlus | LOUIS PHILIPPE | PARK AVENUE
• PUNCHKUIAN ROAD, Garwal Bhawan, (Near Jhandewalan, Gole Chkr.)
• GURUGRAM 306, City Center, Sector 29 (Near Hotel Pllazio)
• WAZIRPUR A-5, Near Richi Rich Banquet (Opp. Shalimar Bagh)
• NOIDA, Nirula's Sec-2, Near Metro Station, Sec-15, Noida, UP
• LAJPAT NAGAR, 49, Main Ring Road, Adj. Haldi Ram, Near Moolchand Crossing

शिपिंग महानिदेशालय

रिक्ति

नेशनल शिपिंग बोर्ड, चंद्रलोक बिल्डिंग, पहली मंजिल, शिपिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया 36, जनपथ, नई दिल्ली – 110001 के कार्यालय में सलाहकार के पद के लिए 01 संविदात्मक पद हेतु आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। पात्रता, शैक्षिक योग्यता, कार्य अनुभव और आवेदन जमा करने का प्रारूप आदि डीजी शिपिंग वेबसाइट: www.dgshipping.gov.in पर प्रकाशित विस्तृत विज्ञापन में देखे जा सकते हैं। आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि इस विज्ञापन के प्रकाशन की तिथि से 21 दिन है।

क्र.सं.	विवरण	रिक्तियों की संख्या	पारिश्रमिक	पात्रता मापदंड
1.	सलाहकार	1	अंतिम आहरित वेतन माइनस पेंशन	सेवानिवृत्त केंद्र/राज्य सरकार का अधिकारी जिसने अवर सचिव या समकक्ष (या उच्चतर) के स्तर पर न्यूनतम 20 वर्ष का अनुभव प्राप्त किया हो।

यदि कोई शुद्धिपत्र/अनुपूरक है, तो उसे केवल डीजीएस वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बुलन्दशहर वृत्त, लो०नि०वि०,
बुलन्दशहर।

पत्रांक:- 9658/96 एस (IV)-बुलन्दशहर वृत्त/2025-26 दिनांक:- 20.12.2025

अल्पकालीन ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बुलन्दशहर वृत्त, लो.नि.वि., बुलन्दशहर द्वारा निम्नलिखित कार्यों की मदवार दरों पर ऑनलाइन निविदा http://etender.up.nic.in के माध्यम से उक्त कार्यों के लिये लोक निर्माण विभाग में तालिका के कॉलम 10 के अनुसार रोड निर्माण में रजिस्टर्ड फर्म/ठेकेदार द्वारा दिनांक 02.01.2026 से 08.01.2026 तक अपरान्ह 12:00 बजे तक उ0प्र0 सरकार से प्रचलित टी-2 के अनुसार आमंत्रित की जाती है। कार्य की तकनीकी निविदा दिनांक 08.01.2026 को अपरान्ह 12.30 बजे खोली जायेगी। यदि किसी कारणवश निविदा खोलने की तिथि को कार्यालय बन्द होता है तो उक्त निविदा अगले कार्य दिवस में ऑनलाइन खोली जायेगी तथा निविदा खोलने का समय तथा मैथड पूर्ववत् होगी। ऑनलाइन फाईनेन्शियल बिड खोलने हेतु समय व तिथि वेबसाइट पर दर्शायी जायेगी।

क्रम सं०/ स्लॉट सं०	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रू० लाख में)	धरोहर धनराशि (रू० लाख में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य व जी.एस.टी. सहित (रू० में)	सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता का पता	सम्बन्धित अधीक्षण अभियन्ता का पता	सम्बन्धित मुख्य अभियन्ता का पता	ठेकेदार के पंजीकरण की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	जनपद गौतमबुद्धनगर में वित्तीय वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत ग्राम [illegible] से [illegible] मार्ग पर विशेष मरम्मत का कार्य।	56.00	4.80	03 माह	निविदा शुल्क 300+2000 +18% जी.एस.टी. = रु. 414.0 = 2714.00	अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., गौतमबुद्ध नगर	अधीक्षण अभियन्ता, बुलन्दशहर वृत्त, लो.नि.वि., बुलन्दशहर	मुख्य अभियन्ता, मेरठ क्षेत्र, लो.नि.वि., मेरठ	A, B, C
2	जनपद गौतमबुद्धनगर में वित्तीय वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत दुजाना [illegible] बोड़ाकी दादरी बाईपास (दुजाना आबादी) मार्ग पर विशेष मरम्मत का कार्य।	75.00	5.75	03 माह	निविदा शुल्क 300+2000 +18% जी.एस.टी. = रु. 414.00 = 2714.00	अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो.नि.वि., गौतमबुद्ध नगर	अधीक्षण अभियन्ता, बुलन्दशहर वृत्त, लो.नि.वि., बुलन्दशहर	मुख्य अभियन्ता, मेरठ क्षेत्र, लो.नि.वि., मेरठ	A, B

1. कार्य को पूर्ण करने की अवधि उक्त तालिका के कॉलम सं0-5 में वर्षाकाल सहित अंकित है।
2. निविदा प्रपत्र शुल्क का भुगतान इन्टरनेट बैंकिंग के माध्यम से किया जाना अनिवार्य होगा।
3. समस्त पंजीकृत ठेकेदारों द्वारा पिछले 5 वर्षों का टर्न ओवर जो कि सीए0 से सत्यापित हो, एवं पिछले 5 वर्षों में सन्तोषजनक रूप से किये गये अधिकतम लागत के कार्यों का विवरण पासवर्ड सॉफ्टवेयर में निविदा डालने के पूर्व अपलोड किया जायेगा।
ई-निविदा, जो कि http://etender.up.nic.in पर अपलोड की जायेगी। उसका विवरण लोक निर्माण विभाग, उ0प्र0 के पासवर्ड सॉफ्टवेयर में उपलब्ध सॉफ्टवेयर पर भी निविदा डालने की अन्तिम तिथि एवं समय से पूर्व अपलोड करना अनिवार्य होगा।
4. निविदा से सम्बन्धित नियम/शर्तें तथा अन्य विवरण http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।
5. कार्य सम्पादन के समय ठेकेदार को उ0प्र0 सरकार द्वारा जारी कोविड-19 से सम्बन्धित समस्त सुरक्षा उपायों का अनुपालन सुनिश्चित करना अनिवार्य होगा।
6. लोक निर्माण विभाग में निविदाओं का तकनीकी मूल्यांकन प्रहरी सॉफ्टवेयर के माध्यम से होता है। प्रहरी का यू.आर.एल. http://wms.uppwd.gov.in/Prahari/ है।

(कंचन सिंह) अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, गौतमबुद्धनगर
UPID 243290 dt 29.12.2025, www.upgov.nic.in
(मनीष वर्मा) अधीक्षण अभियन्ता बुलन्दशहर वृत्त, लो0नि0वि0, बुलन्दशहर

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 31-12-2025 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH17 User: cci Time: 12-30-2025 22:57 Color:

टी20 और वनडे वर्ल्ड कप की हार से हम पर काफी दबाव पड़ा है, इसके बावजूद मैं पूरे यकीन से कह सकती हूं कि हमारी टीम दुनिया में सर्वश्रेष्ठ है। फरवरी में भारत के खिलाफ हम अपना बेस्ट प्रदर्शन करेंगे। - एश्ले गार्डनर, ऑलराउंडर, ऑस्ट्रेलिया

46 विकेट लिए थे इंग्लैंड के स्पिनर जिम लेकर ने 1956 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में। वह एक एशेज सीरीज में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

स्पोर्ट्स QUIZ

इस पेज पर छपी खबरों में हीं इन सवालों का जवाब है।

1. मेंस टी20 वर्ल्ड कप-2026 में इंग्लैंड क्रिकेट टीम की कप्तानी किसे सौंपी गई है?
A) जैकब बेथेल B) जोस बटलर C) हैरी ब्रुक D) फिल सॉल्ट

2. किसी एक एशेज सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट लेने का श्रेय किस गेंदबाज को है?
A) शेन वॉर्न B) जिम लेकर C) टेरी एल्डरमैन D) ग्लेन मैक्ग्रा

कल के जवाब
1. C) शेफाली वर्मा 2.D) सात

लकी WINNER

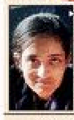

1. प्रियांशी माथी, दयालपुर, नई दिल्ली
2. विनोद जैन पाटनी, थाणे, महाराष्ट्र
3. किरण गिगलानी, गुड़गांव, हरियाणा

आप अपने जवाब हमें **9319282367** पर अपने नाम, तस्वीर और शहर/गांव के नाम के साथ वॉट्सऐप करें। एक 'लकी विनर' का नाम और तस्वीर हम कल के अंक में छापेंगे। दो अन्य विजेताओं के नाम भी प्रकाशित होंगे।

फटाफट खबरें

आद्या को ट्रैप का गोल्ड

■ **नई दिल्ली:** दिल्ली की 15 साल की आद्या कात्याल ने मंगलवार को नैशनल शूटिंग चैंपियनशिप में जूनियर विमिंस ट्रैप इवेंट का खिताब जीता। आद्या ने 42 हिट के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। उत्तर प्रदेश की सबीरा हारिस दूसरे पर रहीं। आद्या, भाव्या त्रिपाठी और अनन्या यदुवंशी की दिल्ली की तिकड़ी ने कुल 323 अंक के साथ जूनियर विमिंस ट्रैप टीम इवेंट का गोल्ड मेडल भी जीता।

रांची रॉयल्स जीते

■ **रांची:** लूसिना वॉन डेर हेडे के दो गोल की मदद से रांची रॉयल्स ने विमिंस हॉकी इंडिया लीग में मंगलवार को बंगाल टाइगर्स को 5-0 से हराया। वॉन डेर हेडे ने 33वें और 57वें मिनट में गोल दागे, जबकि हन्ना कोटर, ब्यूटी डुंगडुंग और संगीता कुमारी ने भी रॉयल्स की ओर से एक-एक गोल किया।

एक मंच पर जुटेंगे प्लेयर्स

■ **नई दिल्ली:** IOA देश में खेलों में खिलाड़ियों के नेतृत्व वाली संचालन व्यवस्था और जवाबदेही को मजबूत करने के उद्देश्य से 10 जनवरी को अहमदाबाद में पहले 'नैशनल ऐथलीट फोरम' का आयोजन करेगा। IOA प्रेजिडेंट पीटी उषा ने कहा, 'भारत के खेल इतिहास में पहली बार खिलाड़ियों को एक खास राष्ट्रीय मंच के जरिए एक साथ लाया जा रहा है।'

बॉयकॉट की धमकी

■ **लाहौर:** पाकिस्तान हॉकी टीम के कुछ सीनियर खिलाड़ियों ने पूरा वेतन नहीं मिलने का आरोप लगाते हुए फरवरी में मेंस एफआईएच प्रो-लीग के दूसरे चरण का बहिष्कार करने की धमकी दी है।

बिंद्रा की अगुआई वाले टास्क फोर्स ने खेल प्रशासन की बताईं कमियां

स्पोर्ट्स इको-सिस्टम को सुधारने का रोडमैप तैयार

■ **एजेंसियां, नई दिल्ली:** अभिनव बिंद्रा की अध्यक्षता में खेल मंत्रालय द्वारा गठित टास्क फोर्स ने भारत में खेल प्रशासन की कमियों को रेखांकित करते हुए 170 पन्नों की अपनी रिपोर्ट खेलमंत्री मनसुख मंडाविया को सौंप दी है। टास्क फोर्स ने रिपोर्ट में प्रशासनिक अधिकारियों समेत खेलों के विशेष पेशेवर कैडर को ट्रेनिंग देने के लिए एक स्वायत्त वैधानिक इकाई के गठन की सिफारिश की। खेलमंत्री ने मंगलवार को पत्रकारों से कहा, 'भारत के खेल 'इको-सिस्टम' को प्रोफेशनल बनाने के अपने प्रयास के तहत टास्क फोर्स की सभी सिफारिशों को लागू किया जाएगा।' टास्क फोर्स ने खेल शिक्षा और क्षमता निर्माण राष्ट्रीय परिषद (NCSECB) के गठन की अनुशंसा की है जो खेल मंत्रालय के अंतर्गत एक स्वायत्त इकाई के रूप में काम करेगी और इसके जिम्मे खेल प्रशासन ट्रेनिंग को विनियमित करने, मान्यता देने और प्रमाणित करने की जिम्मेदारी होगी।

SAI में गिनाईं खामियां: खेलों की संसदीय समिति पहले ही SAI में स्टाफ की कमी का मसला उठा चुकी है और टास्क फोर्स ने SAI तथा राज्य खेल विभागों को भारत के खेल प्रशासन की 'रीढ़ की हड्डी' बताते हुए कहा कि 'दोनों संस्थानों को क्षमता संबंधी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है जो पेशेवरपन, गुणवत्ता और प्रशासन की प्रभावशीलता में बाधा डालती हैं।' रिपोर्ट में नैशनल स्पोर्ट्स फेडरेशंस (NSFs) में अधिकारों के अत्यधिक केंद्रीकरण का भी जिक्र किया। इसमें कहा गया, 'अधिकांश महासंघों में अध्यक्ष के पास संचालन, वित्त और नियुक्तियों के अधिकार हैं जो वैश्विक प्रचलन के विपरीत है।'

'रिटायरमेंट प्लान' की कमी: खिलाड़ियों के रिटायर होने के बाद खेल प्रशासन में आने के रास्ते सीमित हैं चूंकि अधिकांश खिलाड़ियों में इसके लिए जरूरी कौशल का अभाव है। खेल प्रशासन में डिजिटल टूल और विश्लेषण का प्रयोग भी बहुत कम है। जल्दी ही लागू होने वाले राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम के तहत राष्ट्रीय खेल महासंघों की कार्यकारी समिति में खिलाड़ियों का प्रतिनिधित्व अनिवार्य हो जाएगा लेकिन उन्हें प्रशासनिक स्किल की ट्रेनिंग देने की व्यवस्था नहीं है।

NIS पटियाला पर सुझाव खारिज: पटियाला स्थित राष्ट्रीय खेल संस्थान (NIS) को खेल प्रशासकों की ट्रेनिंग के लिए अकैडमी बनाने के प्रस्ताव को टास्क फोर्स ने 'प्रतिबंधात्मक और अस्थिर' बताते हुए खारिज कर दिया। टास्क फोर्स से समीक्षा करने के लिए कहा गया था कि नेताजी सुभाषचंद्र बोस खेल संस्थान को क्या खेल प्रशासकों के क्षमता निर्माण के लिए अकैडमी में तब्दील किया जा सकता है। NIS पटियाला में बॉक्सिंग, भारोत्तोलन, ऐथलेटिक्स में ट्रेनिंग दी जाती है।

अभिनव बिंद्रा

NBT Lens खबरों के अंदर की बात

ओलिंपिक्स 2036 का है टारगेट

ओलिंपिक्स 2036 तक भारत को शीर्ष दस खेल देशों में शामिल करने के अपने लक्ष्य के तहत खेल मंत्रालय ने भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI), राष्ट्रीय खेल महासंघों (NSFs) और प्रदेश संघों के मौजूदा प्रशासनिक ढांचे की समीक्षा करने, कमियों को तलाशने और सुधार के उपायों के लिए इस टास्क फोर्स का गठन किया था। नौ सदस्यीय कार्यबल इस साल अगस्त में बनाया गया था जिसमें ओलिंपिक्स गोल्ड मेडलिस्ट शूटर बिंद्रा के अलावा आदिले सुमरिवाला और टारगेट ओलिंपिक्स पोडियम योजना (TOPS) के पूर्व CEO कमांडर राजेश राजगोपालन भी शामिल थे।

कप्तान हरमन की अर्धशतकीय पारी से भारत ने खड़ा किया बड़ा स्कोर

भारत vs श्रीलंका विमिंस पांचवां टी20 मैच

भारत ने क्लीन स्वीप से किया साल का समापन

■ **एजेंसियां, तिरुवनंतपुरम:** कप्तान हरमनप्रीत कौर (68 रन, 43 बॉल, 9 चौके, 1 छक्का) के जुझारू अर्धशतक के बाद गेंदबाजों अनुशासित प्रदर्शन के बूते भारतीय महिला टीम ने श्रीलंका को 15 रनों से हराकर पांच मैचों की टी20 सीरीज को 5-0 से अपने नाम कर लिया। यह केवल तीसरी बार है जब भारत ने पांच मैचों की टी20 सीरीज में विपक्षी टीम का क्लीन स्वीप किया है। वहीं, श्रीलंकाई टीम ने पहली बार कोई सीरीज 0-5 के अंतर से गंवाई। नियमित ओपनर स्मृति मंधाना की अनुपस्थिति में भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही। उसने नियमित विकेट गंवाए लेकिन हरमनप्रीत ने एक छोर संभालकर 68 रन की पारी खेली। उन्होंने अमनजोत कौर (21) के साथ छठे विकेट के लिए 61 रन जोड़कर भारत को सात विकेट पर 175 रन के चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया। अरुंधति रेड्डी ने अंत में 11 गेंद में चार चौकों और एक छक्के से नाबाद 27 रन बनाए।

श्रीलंका को पांचवें टी20 में 15 रनों से हराया

नए मुकाम पर दीप्ति: इसके जवाब में मेहमान टीम की ओर से ओपनर हासिनी परेरा (65) और इमेशा दुलानी (50) ने आकर्षक अर्धशतक लगाए, लेकिन टीम 20 ओवर्स में सात विकेट पर 160 के स्कोर तक ही पहुंच सकी। इस दौरान भारतीय स्पिनर दीप्ति शर्मा ने एक विकेट निकाला और विमिंस टी20 इंटरनैशनल में सर्वाधिक विकेट का रेकॉर्ड अपने नाम कर लिया। दीप्ति के नाम 133 मैचों में 152 विकेट हो गए हैं।

ब्रीफ स्कोर

भारत: सात विकेट पर 175 रन (हरमनप्रीत कौर 68, अरुंधति रेड्डी 27, कविशा दिलहारी 2/11, चमरी अटापट्टू 2/21) **श्रीलंका:** सात विकेट पर 160 रन (हासिनी परेरा 65, इमेशा दुलानी 50, अरुंधति रेड्डी 1/16, अमनजोत कौर 1/17, दीप्ति शर्मा 1/28)

स्पोर्ट्स @2026

सबसे बड़ा चैलेंज

चढ़ेगा भारत का मेडल ग्राफ!

नीरज चोपड़ा

पिछली बार जब भारतीय दल ने एशियन गेम्स में पदकों की संख्या को लेकर 'अबकी बार सौ पार' का नारा दिया था, तो यह बहुत हद तक बहुत लोगों को अतिशय लगा। लेकिन भारतीय ऐथलीटों ने 107 मेडल के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से सभी को हैरान कर दिया था। भारत ने उम्मीदों से कहीं बेहतर प्रदर्शन करते हुए टेबल में चौथा स्थान भी हासिल किया। जापान में होने वाले अगले 2026 एशियन गेम्स में भारत मेडल के ग्राफ को नई ऊंचाइयों तक ले जाने और 2028 लॉस एंजिलिस ओलिंपिक्स में अपनी संभावनाओं की झलक दिखाने के लक्ष्य के साथ उतरेगा।

सबसे बड़ा सवाल?

नीरज लगा पाएंगे हैटट्रिक?

नीरज चोपड़ा एक बार फिर जापान में भारत के अभियान का नेतृत्व करेंगे। पिछले दो एशियन गेम्स से गोल्ड जीत रहे नीरज से लगातार तीसरे गोल्ड की उम्मीद होगी, लेकिन क्या वो गोल्ड की हैटट्रिक लगा पाएंगे इसी लेकर सवाल है। इन गेम्स में पाकिस्तान के अरशद नदीम भी होंगे, जिन्होंने पैरिस ओलिंपिक्स 2024 में नीरज को पीछे छोड़ते हुए गोल्ड पर कब्जा जमाया था।

क्रिकेट, हॉकी पर खास नजर

हांगझोउ में क्रिकेट को शामिल किया गया था और भारत ने मेंस और विमिंस दोनों कैटिगरी में गोल्ड जीते थे। क्रिकेट में एक बार फिर बादशाहत साबित करने में ज्यादा दिक्कत नहीं आनी चाहिए। वहीं भारतीय मेंस हॉकी टीम भी चीन में दोबारा हासिल किए गए खिताब का बचाव करना चाहेगी।

लगेगी पदकों की झड़ी

पिछले एशियन गेम्स में ट्रैक ऐंड फील्ड के बाहर भारत के सबसे बड़े पदक स्रोत शूटिंग और आर्चरी रहे। मनु भाकर 25 मीटर पिस्टल टीम स्पर्धा में अपने गोल्ड मेडल का बचाव करने उतरेंगी। मनु ने इस बीच दो ओलिंपिक्स मेडल जीते हैं और संभवतः इसका दबाव रहेगा। आर्चरी में पिछली बार जीते 9 पदकों की संख्या को बढ़ाने का चैलेंज होगा।

मनु भाकर

ऐथलेटिक्स

पिछले एशियन गेम्स के ऐथलेटिक्स इवेंट में भारत ने 29 मेडल जीते, जोकि अभी तक का उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। इस संख्या को और बेहतर करने का बड़ा चैलेंज भारतीय ऐथलीटों के सामने होगा। सबसे बड़ी उम्मीद युवा स्प्रिंटर अनिमेष कुजुर होंगे, जिन्होंने 2025 में 100 मीटर (10.18 सेकेंड) और 200 मीटर (20.32 सेकेंड) में नया नैशनल रेकॉर्ड भी बनाया।

कॉमनवेल्थ गेम्स में कुछ भी कॉमन नहीं

भारत ने 2022 बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में 16 खेलों में कुल 210 खिलाड़ियों को भेजा था और इस दौरान 61 पदक जीते थे। इनमें से 30 पदक ऐसे खेलों से आए थे जो 2026 में ग्लासगो में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स में शामिल ही नहीं होंगे। इन खेलों में बैडमिंटन (6 मेडल), क्रिकेट (1), हॉकी (2), स्क्वैश (2), टेबल टेनिस (7) और कुश्ती (12) शामिल हैं, जो अब पदक तालिका से बाहर हो चुके हैं। सबसे अहम शूटिंग को 2022 में भी जगह नहीं मिली थी और इस बार भी जगह नहीं मिली है। इस बदलाव भारत के पदकों की संख्या पर देखने को मिलेगा।

10 गेम्स होंगे इस बार के कॉमनवेल्थ गेम्स में। ये खेल हैं ऐथलेटिक्स, 3x3 बास्केटबॉल, बॉल्स, बॉक्सिंग, जिम्नैस्टिक्स, जूडो, नेटबॉल, स्विमिंग, ट्रैक साइक्लिंग और वेटलिफ्टिंग

64 मेडल जीते थे जब पिछली बार ग्लासगो में 2014 में इन खेलों का आयोजन किया था, लेकिन इस बार कम गेम्स के कारण ज्यादा मेडल की उम्मीद नहीं की जा सकती

मीराबाई चानू

भारतीय स्टार वेटलिफ्टर मीराबाई चानू 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने वाली पहली भारतीय रही थीं और एक बार फिर उनसे गोल्डन प्रदर्शन की उम्मीद होगी। इसके साथ ही अगले साल चानू का लक्ष्य एशियन गेम्स में भी अपना पहला मेडल हासिल करने का होगा।

मीराबाई चानू

साल 2026 में मल्टी स्पोर्ट्स टूर्नामेंट्स

टूर्नामेंट	तारीख	वेन्यू
कॉमनवेल्थ गेम्स	23 जुलाई से 2 अगस्त	स्कॉटलैंड
एशियन गेम्स	19 सितंबर से 4 अक्टूबर	जापान

टी20 बैटर्स की लिस्ट में शेफाली अब छठे पर

■ एजेंसियां, दुबई

भारतीय ओपनर शेफाली वर्मा आईसीसी विमिंस टी20 खिलाड़ियों की रैंकिंग में छठे स्थान पर पहुंच गई हैं। पूर्व शीर्ष बल्लेबाज 21 वर्ष की शेफाली ने श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज में दूसरे मैच में 34 गेंद में नाबाद 69, तीसरे मैच में 42 गेंद में 79 और चौथे में 46 गेंद में 79 रन बनाए। चौथे टी20 में 80 रन बनाने वाली उप-कप्तान स्मृति मंधाना तीसरे स्थान पर बनी हुई हैं, जबकि जेमिमा रॉड्रिग्स एक पायदान खिसककर 10वें स्थान पर हैं। अनुभवी ओपनर दीप्ति शर्मा गेंदबाजों की रैंकिंग में टॉप पर हैं, जबकि रेणुका सिंह ठाकुर टॉप टेन में पहुंच गई हैं। तीसरे मैच में चार विकेट लेने वाली रेणुका आठ पायदान चढ़कर संयुक्त छठे स्थान पर हैं।

क्रिकेट कनेक्ट

शेफाली वर्मा

BPL के मैच स्थगित

ढाका: बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने देश की पूर्व पीएम खालिदा जिया के निधन के बाद मंगलवार को होने वाले बांग्लादेश प्रीमियर लीग (BPL) के दो मैच स्थगित कर दिए हैं। दोनों मैच अब बुधवार को खेले जाएंगे। मैच स्थगित करने का फैसला सिलहट अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में सिलहट टाइटंस और चटगांव रॉयल्स के बीच दिन के पहले मैच के टॉस से दो घंटे पहले लिया गया।

PCB ने महमूद से नाता तोड़ा

लाहौर: पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) ने राष्ट्रीय टेस्ट टीम के हेड कोच अजहर महमूद से उनके कॉन्ट्रैक्ट के खत्म होने से तीन महीने पहले ही अलग होने का फैसला किया है। पूर्व टेस्ट ऑलराउंडर अजहर का अनुबंध मार्च-2026 तक था, लेकिन उन्हें समय से पहले ही हटा दिया गया है। पाकिस्तान अपना अगला टेस्ट मैच मार्च-2026 में खेलेगा। बोर्ड के करीबी सूत्र ने बताया, 'अजहर का अनुबंध मार्च में खत्म हो रहा है और पाकिस्तान टीम का टेस्ट दौरा मार्च-2026 से शुरू होगा, इसलिए बोर्ड नए हेड कोच के लिए अपनी रणनीति अभी से तैयार करना चाहता है।'

ब्रैडमैन की कैप की होगी नीलामी

सिडनी: महान बल्लेबाज सर डॉनल्ड ब्रैडमैन ने भारत के 1947-48 के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान जो बैगी ग्रीन कैप पहनी थी, उसकी अगले महीने नीलामी की जाएगी। ब्रैडमैन ने उस सीरीज के दौरान भारतीय ऑलराउंडर श्रीरंग वासुदेव सोहोनी को अपनी कैप गिफ्ट दी थी। वह एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में भारत का पहला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट दौरा था। ब्रैडमैन के युग की बची हुई अधिकांश बैगी ग्रीन कैप विभिन्न संग्रहालयों या निजी संग्रहों में रखी गई हैं लेकिन इस कैप को कभी सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित नहीं किया गया।

पेरी, सदरलैंड नहीं खेलेंगी WPL में

■ **पीटीआई, मुंबई:** रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ऑलराउंडर एलिस पेरी और दिल्ली कैपिटल्स की अनाबेल सदरलैंड ने निजी कारणों का हवाला देते हुए अगले महीने होने वाली विमिंस प्रीमियर लीग (WPL) से मंगलवार को अपना नाम वापस ले लिया। WPL की विज्ञप्ति के मुताबिक, ऑस्ट्रेलिया की ऑलराउंडर पेरी के स्थान पर भारतीय ऑलराउंडर सायली सतघरे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम में शामिल होंगी, जबकि उनकी हमवतन ऑलराउंडर सदरलैंड के स्थान पर दिल्ली कैपिटल्स ने ऑस्ट्रेलिया की लेग स्पिनर अलाना किंग को टीम में शामिल किया है।

WPL

एलिस पेरी

इंग्लैंड की टीम घोषित, चोटिल आर्चर शामिल

■ **एजेंसियां, लंदन:** तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को एशेज सीरीज के एडिलेड में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच में चोटिल होने के बावजूद अगले साल फरवरी-मार्च में भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप के लिए मंगलवार को इंग्लैंड की 15 सदस्यीय संभावित टीम में शामिल किया गया। एडिलेड टेस्ट के दौरान आर्चर के बाएं पांव में खिंचाव आ गया था। एक अन्य तेज गेंदबाज जोश टंग को हैरी ब्रूक की कप्तानी वाली टीम में शामिल किया गया है।

टी20 वर्ल्ड कप 2026

आर्चर (बाएं) के साथ हैरी ब्रूक

संभावित टीम: हैरी ब्रूक (कप्तान), रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, टॉम बैंटन, जैकब बेथेल, जोस बटलर, सैम करन, लियाम डॉसन, बेन डकेट, विल जैक्स, जेमी ओवरटन, आदिल राशिद, फिल सॉल्ट, जोश टंग, ल्यूक वुड।

जतिंदर को ओमान की कमान

टी20 वर्ल्ड कप के लिए ओमान ने भी अपनी 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। खास बात यह है कि ओमान टीम की कप्तानी लुधियाना के जतिंदर सिंह करने वाले हैं, जबकि भारतीय मूल के ही विकेटकीपर-बल्लेबाज विनायक शुक्ला को उपकप्तान नियुक्त किया गया है।

कार्लसन ने तोड़ा नियम, मुकाबला हारे

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** मैग्नस कार्लसन को दोहा में चल रही वर्ल्ड ब्लिट्ज चैंपियनशिप में मंगलवार को एक बेहद निराशाजनक और असामान्य स्थिति का सामना करना पड़ा, जब नियमों के दुर्लभ उल्लंघन के चलते उन्हें राउंड-14 में मैच गंवाना पड़ा।

वर्ल्ड ब्लिट्ज चैंपियनशिप

कार्लसन आर्मेनिया के ग्रैंडमास्टर हाइक मार्टिरोस्यान के खिलाफ एक बेहद तनावपूर्ण ब्लिट्ज मुकाबला खेल रहे थे। घड़ी में महज दो सेकंड बचे होने पर नॉर्वे के खिलाड़ी ने जल्दबाजी में चाल चलने की कोशिश की, लेकिन इसी दौरान बोर्ड पर रखे उनके कई मोहरे गिर गए। ब्लिट्ज चेस नियमों के अनुसार, खिलाड़ी को घड़ी रोकने से पहले बोर्ड की स्थिति पूरी तरह सही करनी होती है। हालांकि कार्लसन मोहरों को सही तरह से जमाए बिना ही घड़ी रोक बैठे। मार्टिरोस्यान ने तुरंत अंपायर को सूचित किया और थोड़ी समीक्षा के बाद अधिकारियों ने मुकाबला मार्टिरोस्यान के पक्ष में देने का फैसला किया, जिससे कार्लसन को 'फॉरफिट' के जरिए हार झेलनी पड़ी। एक दिन पहले कार्लसन टूर्नामेंट में भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी के हार के बाद टेबल पर मुक्का मारने के कारण भी सुर्खियों में आए थे। विश्व नंबर एक खिलाड़ी ने इस फैसले को स्वीकार कर लिया।

मैग्नस कार्लसन

12 राशियां और आपका दिन

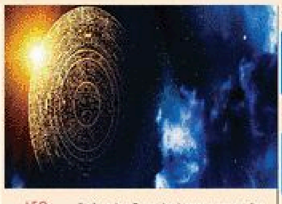

ARIES 21 Mar - 19 Apr
आज का दिन आपके लिए अच्छा होगा। आप जिस कार्य की शुरुआत करेंगे, उसे पूरा करके ही दम लेंगे। यदि आप अपना सुखमय जीवन सही तरीके से व्यतीत करना चाहते हैं, तो जीवनसाथी के प्रति ईमानदार रहें। अचानक ही किसी जटिल काम के बन जाने से भाग्य की रुकावटें दूर होंगी।

TAURUS 20 Apr - 19 May
हो सकता है आज आपको कोई महत्वपूर्ण काम सौंप दिया जाए। ध्यान रहे कि बिना किसी शंका और फिक्र के जब अपने कर्तव्य पर ध्यान रहेंगे, तभी उन्नति होगी। काम किसी भी स्तर का हो, यदि आप उसे सफलता से पूरा कर दें तो आपका ही नाम अच्छे कार्यकर्ताओं में गिना जाएगा।

GEMINI 21 May - 21 Jun
आपका काम करने का तरीका नया है। किसी भी जटिल कार्य को आसानी से पूरा कर देने में आपको ज्यादा वक्त नहीं लगता है। आज भी किसी ऐसी ही समस्या पर वरिष्ठ अधिकारियों का ध्यान आपके ऊपर जाएगा, जिससे आपको ही फायदा मिलेगा। आज के दिन स्वास्थ्य के प्रति भी ध्यान दें।

CANCER 22 Jun - 22 Jul
आज के दिन किसी ऐसे काम का बोझ आपके ऊपर आ सकता है, जिसके लिए आपको अपने काम से छुट्टी लेनी पड़ जाए। दोपहर में किसी आने के लिए पैसों का इंतजाम भी करना पड़ सकता है। यदि आप किसी उद्योग का संचालन कर रहे हैं तो आज के दिन हर कदम पर सावधानी बरतें। सेहत पर भी ध्यान दें, अन्यथा स्वास्थ्य संबंधी कष्ट हो सकता है।

LEO 23 Jul - 22 Aug
किसी अच्छे अधिकार क्षेत्र में पुरस्कार अपना वर्चस्व कायम रखना आपकी पुरानी आदत है। कभी-कभी इसके कारण आप लोगों के बीच में आलोचना का शिकार भी हो जाते हैं। आप एक अच्छे अधिकारी बन सकते हैं, लेकिन यह जरूरी कि पहले अच्छा कार्यकर्ता बनना जरूरी है।

VIRGO 23 Aug - 22 Sep
किसी वाद-विवाद को पकड़कर आपको अपने सहकर्मियों और वरिष्ठ अधिकारियों से ज्यादा तर्क-वितर्क नहीं करना चाहिए। कारोबार और व्यापार में जो उतार-चढ़ाव आया है, उसे संभालना आवश्यक है। यदि आपको सफल होना है तो इस दौर में जो हालात हैं उनके साथ समझौता करना ही बुद्धिमानी होगी।

LIBRA 23 Sep - 22 Oct
आज सुबह से ही कुछ अजीब सा माहौल आपके आगे-पीछे बना रहेगा। घर के दैनिक कार्य भी कुछ अड़चनों के बाद ही पूरे हो रहे हैं। काफी दिनों से व्यापार व्यवसाय की स्थितियां भी नाजुक चल रही हैं। व्यापार क्षेत्र में जो उतार-चढ़ाव आया है वह सिर्फ आपके लिए ही नहीं है। इस सब के बावजूद आज किसी सरकारी उद्योग की मदद करें।

SCORPIO 23 Oct - 21 Nov
कई बार आप न चाहते हुए भी ऐसी स्थिति में फंस जाते हैं, जहां से निकलने के लिए आपको काफी जोड़-तोड़ करनी पड़ती है। आज भी कारोबार की कुछ ऐसी ही उलझन आपको परेशान कर रही है। यदि आप अपना मार्ग सरल और सीधा बनाना चाहते हैं तो आप वही करें जिसमें सवाल लाभ नहीं मिलता है।

SAGITTARIUS 22 Nov - 21 Dec
शेयर बाजार के चक्कर में पड़कर आपने काफी धन खो दिया है। यदि धन कमाने के ये जोखिम भरे कदम सभी को रास आते तो लोग मेहनत-मजदूरी क्यों करते। बेहतर होगा कि आप कारोबार के अपने पुराने रास्ते पर लौट जाएं और आए दिन जो नुकसान हो रहा है उससे बचने की कोशिश करें।

CAPRICORN 22 Dec - 19 Jan
आज आपके अंदर खूब सारी एनर्जी और उत्साह का संचार होगा। छुट्टी के बावजूद खूब सारा काम निपटा देने की कुव्वत रखेंगे। लेकिन आपके वर्कशॉप में काम उतनी स्पीड से नहीं चल रहा होगा जितना कागजों में चलता है। आपको सारी चीजें अपने कंट्रोल में लेनी पड़ सकती हैं।

AQUARIUS 20 Jan - 18 Feb
इतने समय संघर्ष करने के बाद अब आपको लगेगा कि कहीं एकांत स्थान में कुछ समय गुजारना चाहिए। यह समय स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान देने का है। अगर स्वास्थ्य ठीक नहीं रहेगा तो कठिनाई होगी। बेहतर होगा आज किसी डॉक्टर से स्वास्थ्य संबंधी सलाह मशविरा कर लें।

PISCES 19 Feb - 20 Mar
धन कमाने के लिए कई प्रकार के रास्ते आपको नजर आएंगे। आपके बिजनेस पार्टनर समस्या पैदा कर सकते हैं। व्यवसाय में नवीनता लाएंगे, तो बेहतर होगा। दूसरा, आज के दिन अपने प्रिय मित्र से भविष्य की किसी परियोजना पर चर्चा करें। हो सकता है उस काम की नींव आज ही डल जाए। दिन के उत्तरार्ध में स्थितियों में सुधार होगा।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

बुध तथा सूर्य आपके वर्ष के स्वामी ग्रह बन रहे हैं। जीव साक्षिणी देहधारी प्रधान ग्रह बुध लग्न प्रमुख केंद्र में विराजमान है। अब आपके कुछ संपर्क नित्य ही आपके पक्ष में अपनी शुभकामनाएं व्यक्त करते रहेंगे। आपकी मौज के दिन आने वाले हैं। जनवरी-फरवरी 2026 में आप अपनी बिखरी हुई शक्ति को समेटने में संलग्न रहेंगे। मार्च महीने की शुरुआत से लेकर अप्रैल महीने के अंत तक में कुछ अच्छे कार्य बन जाने की खुशी होगी। बेहतर होगा कि यह समय भविष्य की योजना पर चर्चा करने में बिताएं। मई महीने के अंत तक आपके कामकाज के नए रास्ते खुलेंगे। जून के माह में व्यवसाय की हालत सुधरेगी और बिजनेस पार्टनर से भी संबंध और बेहतर होंगे। अगर आप नौकरी पेशा हैं तो जुलाई के महीने में परिस्थितियां अनुकूल रहेंगी। आपको नई जिम्मेदारियां दी जाएंगी, जिन्हें आप समय पर ही पूरा करेंगे। अगस्त के महीने में पारिवारिक उत्तरदायित्व पूरे होंगे, शिक्षा में विशेष रुचि रहेगी। सितंबर से अक्टूबर अंत तक काम काज में रुकावटें खत्म होंगी। इस समय कहीं घूमने-फिरने का प्लान भी बनेगा। महिलाओं के लिए यह वर्ष आर्थिक पक्ष से अनुकूल रहेगा। नवंबर में विद्यार्थियों को सामान्य परिश्रम से ही वांछित सिद्धि मिलेगी।
-आचार्य कृष्ण दत्त शर्मा

कल का पंचांग
(बृहस्पतिवार, 1 जनवरी 2026)

राष्ट्रीय मिति पौष 11, शक संवत 1947, पौष, शुक्ल, त्रयोदशी, बृहस्पतिवार, विक्रम संवत 2082। सौर पौष मास प्रविष्टे 18, रजब 11, हिजरी 1447 (मुस्लिम) तदनुसार अंग्रेजी तारीख 1 जनवरी 2026 ई.। सूर्य उत्तरायण, दक्षिण गोल, शिशिर ऋतु। राहुकाल 1 बजकर 30 मिनट से 3 बजे तक। त्रयोदशी तिथि रात्रि 11 बजकर 22 मिनट तक उपरांत चतुर्दशी तिथि का आरंभ। रोहिणी नक्षत्र रात्रि 10 बजकर 48 मिनट तक उपरांत मृगशिरा नक्षत्र का आरंभ। शुभ योग सायं 5 बजकर 12 मिनट तक उपरांत शुक्ल योग का आरंभ। कौलव करण दोपहर 12 बजकर 16 मिनट तक उपरांत गर करण का आरंभ। चंद्रमा दिन-रात वृष राशि पर संचार करेगा। आज के व्रत त्योहार-पुत्रदा एकादशी (वैष्णव)।

सुडोकू

		4				6		
1			8	4	6			5
	3						8	
9			1		5			3
4		2				1		8
7			2		4			9
	6						5	
2			5	6	1			4
		7				9		

TELEVISION

big magic

09:00 [illegible]	13:30 भ से भाड़े
10:00 [illegible]	14:00 चक्रधारी अजेय कृष्णा
11:00 रुद्र के रक्षक	15:00 लिटिल कृष्णा
12:00 चक्रधारी अजेय कृष्णा	17:00 [illegible]
12:30 हम पांच	19:00 चक्रधारी अजेय कृष्णा
13:00 रुद्र के रक्षक	

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 31-12-2025 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH16 User: cci Time: 12-30-2025 21:17 Color:

2 2 6 नई उम्मीद
LOADING...

2026 स्पोर्ट्स कैलेंडर

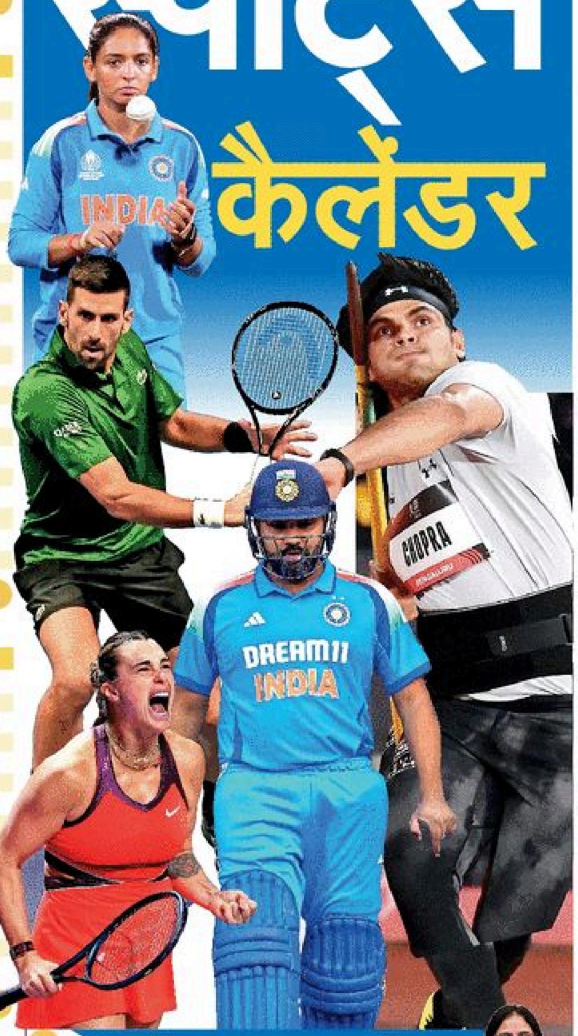

जनवरी

तारीख	खेल	इवेंट	वेन्यू
3	हॉकी	मेंस हॉकी इंडिया लीग	चेन्नै
6	बैडमिंटन	मलेशिया ओपन	कुआलालंपुर
7	चेस	टाटा स्टील चेस इंडिया	कोलकाता
9	क्रिकेट	विमिंस प्रीमियर लीग	भारत
10	हॉकी	विमिंस हॉकी इंडिया लीग फाइनल	रांची
11	टेनिस	ऑस्ट्रेलियन ओपन	ऑस्ट्रेलिया
11	क्रिकेट	भारत VS न्यूजीलैंड पहला ODI	वडोदरा
11	शूटिंग	एशियन शॉटगनचैंपियनशिप	दोहा
13	बैडमिंटन	इंडिया ओपन	नई दिल्ली
14	क्रिकेट	भारत VS न्यूजीलैंड दूसरा ODI	राजकोट
15	क्रिकेट	मेंस अंडर-19 वर्ल्ड कप	जिंबाब्वे
16	चेस	टाटा स्टील टूर्नामेंट	नीदरलैंड्स
18	क्रिकेट	भारत vs न्यूजीलैंड तीसरा ODI	इंदौर
21	क्रिकेट	भारत vs न्यूजीलैंड पहला T20I	नागपुर
23	क्रिकेट	भारत vs न्यूजीलैंड दूसरा T20I	रायपुर
25	क्रिकेट	भारत vs न्यूजीलैंड तीसरा T20I	गुवाहाटी
26	हॉकी	मेंस हॉकी इंडिया लीग फाइनल	चेन्नै
28	क्रिकेट	भारत vs न्यूजीलैंड चौथा T20I	विशाखापत्तनम
31	क्रिकेट	भारत vs न्यूजीलैंड पांचवा T20I	तिरुवनंतपुरम

फरवरी

तारीख	खेल	इवेंट	वेन्यू
2	शूटिंग	एशियन चैंपियनशिप राइफल/पिस्टल	नई दिल्ली
5	क्रिकेट	विमिंस प्रीमियर लीग फाइनल	वडोदरा
6	बैडमिंटन	एशिया टीम चैंपियनशिप	चीन
6	क्रिकेट	मेंस अंडर-19 वर्ल्ड कप फाइनल	हरारे
7	क्रिकेट	मेंस टी20 वर्ल्ड कप	भारत-श्रीलंका
7	क्रिकेट	भारत VS अमेरिका	वानखेडे
8	टेनिस	WTA कतर ओपन	दोहा
11	हॉकी	भारत VS बेल्जियम (प्रो-लीग)	भारत
12	हॉकी	भारत vs अर्जेंटीना (प्रो-लीग)	भारत
12	क्रिकेट	भारत vs नामीबिया	दिल्ली
14	हॉकी	भारत vs बेल्जियम (प्रो-लीग)	भारत
15	हॉकी	भारत vs अर्जेंटीना (प्रो-लीग)	भारत
15	क्रिकेट	भारत VS पाकिस्तान	कोलंबो
15	क्रिकेट	भारत vs ऑस्ट्रेलिया विमिंस T20I	सिडनी
15	टेनिस	WTA दुबई चैंपियनशिप	दुबई
18	क्रिकेट	भारत vs नीदरलैंड्स	अहमदाबाद
19	क्रिकेट	भारत VS ऑस्ट्रेलिया विमिंस T20I	कैनबरा
21	हॉकी	स्पेन vs भारत (प्रो-लीग)	ऑस्ट्रेलिया
21	क्रिकेट	भारत vs ऑस्ट्रेलिया विमिंस T20I	एडिलेड
22	हॉकी	भारत vs ऑस्ट्रेलिया (प्रो-लीग)	ऑस्ट्रेलिया
24	क्रिकेट	भारत vs ऑस्ट्रेलिया विमिंस ODI	ब्रिस्बेन
24	हॉकी	स्पेन vs भारत (प्रो-लीग)	ऑस्ट्रेलिया
25	हॉकी	भारत vs ऑस्ट्रेलिया (प्रो-लीग)	ऑस्ट्रेलिया
27	क्रिकेट	भारत vs ऑस्ट्रेलिया विमिंस ODI	होबार्ट

मार्च

तारीख	खेल	इवेंट	वेन्यू
1	क्रिकेट	भारत vs ऑस्ट्रेलिया विमिंस ODI	होबार्ट
1	फुटबॉल	AFC विमिंस एशिया कप	ऑस्ट्रेलिया
4	क्रिकेट	मेंस टी20 वर्ल्ड सेमीफाइनल-1	भारत/श्रीलंका
4	टेनिस	इंडियन वेल्स ओपन	इंडियन वेल्स
5	क्रिकेट	मेंस टी20 वर्ल्ड सेमीफाइनल-2	वानखेडे
6	क्रिकेट	भारत vs ऑस्ट्रेलिया विमिंस टेस्ट	पर्थ
8	क्रिकेट	मेंस टी20 वर्ल्ड फाइनल	भारत/श्रीलंका
8	फॉर्मुला-1	ऑस्ट्रेलियन ग्रां प्री	ऑस्ट्रेलिया
10	बैडमिंटन	ऑल इंग्लैंड ओपन	बर्मिंघम
15	फॉर्मुला-1	चाइनीज ग्रां प्री	चीन
17	टेनिस	मियामी ओपन	मियामी
25	शूटिंग	ISSF शॉटगन वर्ल्ड कप	मोरक्को
27	फुटबॉल	फीफा फिनालिस्सिमा (स्पेन vs अर्जेंटीना)	कतर
28	चेस	फिडे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट	साइप्रस
29	फॉर्मुला-1	जापान ग्रां प्री	जापान

अप्रैल

तारीख	खेल	इवेंट	वेन्यू
1	फुटबॉल	AFC अंडर-20 विमिंस एशियन कप	थाईलैंड
5	टेनिस	ATP मोंटे कार्लो मास्टर्स	मोंटे कार्लो
5	शूटिंग	ISSF वर्ल्ड कप राइफल/पिस्टल	स्पेन
7	बैडमिंटन	एशिया चैंपियनशिप	चीन
12	फॉर्मुला-1	बहरीन ग्रां प्री	बहरीन
18	चेस	फिडे वर्ल्ड सीनियर टीम चैंपियनशिप	अल्बानिया
19	शूटिंग	ISSF जूनियर वर्ल्ड कप	इजिप्ट
19	फॉर्मुला-1	सऊदी अरब ग्रां प्री	सऊदी अरब
21	टेनिस	मैड्रिड ओपन	मैड्रिड
24	बैडमिंटन	थॉमस ऐंड उबर कप फाइनल्स	डेनमार्क

मई

तारीख	खेल	इवेंट	वेन्यू
2	शूटिंग	ISSF शॉटगन वर्ल्ड कप	कजाखस्तान
3	चेस	रैपिड/ब्लिट्ज पोलैंड	पोलैंड
3	फॉर्मुला-1	मियामी ग्रां प्री	मियामी
5	टेनिस	इटैलियन ओपन	रोम
8	ऐथलेटिक्स	दोहा डायमंड लीग	कतर
12	चेस	सुपरबेट क्लासिक रोमानिया	रोमानिया
16	ऐथलेटिक्स	शंघाई डायमंड लीग	चीन
23	ऐथलेटिक्स	शियामेन डायमंड लीग	चीन
24	टेनिस	फ्रेंच ओपन	फ्रांस
24	फॉर्मुला-1	कनाडा ग्रां प्री	कनाडा
24	शूटिंग	ISSF वर्ल्ड कप राइफल/पिस्टल	जर्मनी
25	चेस	नॉर्वे चेस टूर्नामेंट	नॉर्वे
26	बैडमिंटन	सिंगापुर ओपन	सिंगापुर
28	क्रिकेट	भारत vs इंग्लैंड विमिंस T20I	चेम्सफोर्ड
30	क्रिकेट	भारत vs इंग्लैंड विमिंस T20I	ब्रिस्टल
30	फुटबॉल	चैंपियंस लीग फाइनल	बुडापेस्ट
31	ऐथलेटिक्स	रबात डायमंड लीग	मोरक्को

जून

तारीख	खेल	इवेंट	वेन्यू
2	क्रिकेट	भारत vs इंग्लैंड विमिंस T20I	टॉन्टन
2	बैडमिंटन	इंडोनेशिया ओपन	जकार्ता
4	ऐथलेटिक्स	गोल्डन गाला	इटली
7	ऐथलेटिक्स	स्वीडन डायमंड लीग	स्वीडन
7	फॉर्मुला-1	मोनाको ग्रां प्री	मोनाको
10	ऐथलेटिक्स	बिस्लेट गेम्स	नॉर्वे
11	फुटबॉल	फीफा वर्ल्ड कप 2026	अमेरिका/कनाडा/मेक्सिको
12	क्रिकेट	विमिंस टी20 वर्ल्ड कप	इंग्लैंड
14	क्रिकेट	विमिंस भारत vs पाकिस्तान	बर्मिंघम
14	फॉर्मुला-1	बार्सिलोना ग्रां प्री	बार्सिलोना
14	हॉकी	भारत vs नीदरलैंड्स (प्रो-लीग)	नीदरलैंड्स
16	शूटिंग	ISSF जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप	जर्मनी
17	हॉकी	जर्मनी vs भारत (प्रो-लीग)	नीदरलैंड्स
17	क्रिकेट	विमिंस भारत vs अघोषित	लीड्स
18	हॉकी	भारत vs जर्मनी (प्रो-लीग)	नीदरलैंड्स
21	क्रिकेट	विमिंस भारत vs साउथ अफ्रीका	मैनचेस्टर
21	हॉकी	भारत vs नीदरलैंड्स (प्रो-लीग)	नीदरलैंड्स
23	हॉकी	भारत vs पाकिस्तान (प्रो-लीग)	यूनाइटेड किंगडम
25	क्रिकेट विमिंस	भारत vs अघोषित	मैनचेस्टर
26	बैडमिंटन	एशिया जूनियर चैंपियनशिप (टीम)	जापान
26	हॉकी	भारत vs इंग्लैंड (प्रो-लीग)	यूनाइटेड किंगडम
26	हॉकी	भारत vs पाकिस्तान (प्रो-लीग)	यूनाइटेड किंगडम
26	ऐथलेटिक्स	पेरिस डायमंड लीग	फ्रांस
28	क्रिकेट	विमिंस भारत vs ऑस्ट्रेलिया	लंदन
28	फॉर्मुला-1	ऑस्ट्रिया ग्रां प्री	ऑस्ट्रिया
28	हॉकी	भारत vs इंग्लैंड (प्रो-लीग)	यूनाइटेड किंगडम
29	टेनिस	विंबलडन	इंग्लैंड
29	चेस	रैपिड/ब्लिट्ज क्रोएशिया	क्रोएशिया
30	क्रिकेट	विमिंस टी20 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल-1	ओवल
--	क्रिकेट	भारत-अफगानिस्तान के बीच 1 टेस्ट,3 ODI	भारत

जुलाई

तारीख	खेल	इवेंट	वेन्यू
1	क्रिकेट	भारत vs इंग्लैंड T20I	डरहम
1	बैडमिंटन	एशिया जूनियर चैंपियनशिप	जापान
2	क्रिकेट	विमिंस टी20 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल-2	ओवल
3	शूटिंग	ISSF वर्ल्ड कप शॉटगन	इटली
4	ऐथलेटिक्स	प्रीफोनटाइन क्लासिक	अमेरिका
4	क्रिकेट	भारत vs इंग्लैंड T20I	मैनचेस्टर
5	फॉर्मुला-1	ग्रेट ब्रिटेन ग्रां प्री	ग्रेट ब्रिटेन
5	क्रिकेट	विमिंस टी20 वर्ल्ड कप फाइनल	लंदन
7	क्रिकेट	भारत vs इंग्लैंड T20I	नॉटिंघम
9	क्रिकेट	भारत vs इंग्लैंड T20I	ब्रिस्टल
10	क्रिकेट	भारत vs इंग्लैंड विमिंस टेस्ट	लंदन
10	ऐथलेटिक्स	मीटिंग हर्क्यूलिस	मोनाको
11	क्रिकेट	भारत vs इंग्लैंड T20I	साउथैम्पटन
14	क्रिकेट	भारत vs इंग्लैंड ODI	बर्मिंघम
14	फुटबॉल	फीफा वर्ल्ड कप सेमीफाइनल-1	अमेरिका
14	बैडमिंटन	जापान ओपन	जापान
15	फुटबॉल	फीफा वर्ल्ड कप सेमीफाइनल-2	अमेरिका
16	क्रिकेट	भारत vs इंग्लैंड ODI	कार्डिफ
18	ऐथलेटिक्स	लंदन ऐथलेटिक्स मीट	ब्रिटेन
19	क्रिकेट	भारत vs इंग्लैंड ODI	लंदन
19	फुटबॉल	फीफा वर्ल्ड कप फाइनल	अमेरिका
19	फॉर्मुला-1	बेल्जियम ग्रां प्री	बेल्जियम
20	शूटिंग	ISSF वर्ल्ड कप	चीन
21	बैडमिंटन	चीन ओपन	चीन
26	फॉर्मुला-1	हंगरी ग्रां प्री	हंगरी
29	चेस	सेंट लुई रैपिड/ब्लिट्ज	अमेरिका
29	चेस	सिंकफील्ड कप	अमेरिका
23-2 अगस्त	मल्टी स्पोर्ट्स	कॉमनवेल्थ गेम्स	ग्लासगो
--	क्रिकेट	भारत-श्रीलंका के बीच 2 टेस्ट	श्रीलंका

अगस्त

तारीख	खेल	इवेंट	वेन्यू
2	टेनिस	नैशनल बैंक ओपन	कनाडा
13	टेनिस	सिनसिनाटी ओपन	सिनसिनाटी
15	हॉकी	FIH मेंस/विमिंस हॉकी वर्ल्ड कप	बेल्जियम/नीदरलैंड्स
17	बैडमिंटन	वर्ल्ड चैंपियनशिप	नई दिल्ली
18	बैडमिंटन	इंडिया जूनियर इंटरनैशनल सीरीज	हैदराबाद
21	ऐथलेटिक्स	ऐथलेटिसिमा	स्विट्जरलैंड
23	ऐथलेटिक्स	पोलैंड डायमंड लीग	पोलैंड
23	फॉर्मुला-1	नीदरलैंड्स ग्रां प्री	नीदरलैंड्स
25	बैडमिंटन	इंडिया जूनियर इंटरनैशनल ग्रां प्री	पुणे
27	ऐथलेटिक्स	ज्यूरिख डायमंड लीग	स्विट्जरलैंड
31	टेनिस	यूएस ओपन	अमेरिका

सितंबर

तारीख	खेल	इवेंट	वेन्यू
1	बैडमिंटन	चाइना मास्टर्स	चीन
4	ऐथलेटिक्स	डायमंड लीग फाइनल्स	बेल्जियम
5	फुटबॉल	फीफा अंडर-20 विमिंस वर्ल्ड कप	पोलैंड
6	फॉर्मुला-1	इटली ग्रां प्री	इटली
12	शूटिंग	ISSF जूनियर वर्ल्ड कप-शॉटगन	इटली
13	फॉर्मुला-1	स्पेन ग्रां प्री	स्पेन
15	चेस	चेस ओलिंपियाड	उज्बेकिस्तान
19-4 अक्टूबर	मल्टी स्पोर्ट्स	एशियन गेम्स	जापान
26	फॉर्मुला-1	अजरबैजान ग्रां प्री	अजरबैजान
30	टेनिस	चाइना ओपन	बीजिंग
--	क्रिकेट	भारत-अफगानिस्तान के बीच 3T20I	भारत
--	क्रिकेट	भारत-वेस्टइंडीज के बीच 3ODI,3T20I	भारत

अक्टूबर

तारीख	खेल	इवेंट	वेन्यू
7	टेनिस	ATP शंघाई मास्टर्स	शंघाई
8	शूटिंग	ISSF वर्ल्ड राइफल/पिस्टल	इजिप्ट
11	फॉर्मुला-1	सिंगापुर ग्रां प्री	सिंगापुर
12	टेनिस	WTA वुहान ओपन	वुहान
13	बैडमिंटन	डेनमार्क ओपन	डेनमार्क
20	बैडमिंटन	फ्रेंच ओपन	पैरिस
24	बैडमिंटन	सैयद मोदी इंडिया इंटरनैशनल	लखनऊ
25	फॉर्मुला-1	अमेरिका ग्रां प्री	अमेरिका
27	बैडमिंटन	छत्तीसगढ़ इंटरनैशनल चैलेंज	रायपुर
--	क्रिकेट	भारत-न्यूजीलैंड के बीच 2 टेस्ट,3ODI,5T20I	न्यूजीलैंड

नवंबर

तारीख	खेल	इवेंट	वेन्यू
1	फॉर्मुला-1	मेक्सिको ग्रां प्री	मेक्सिको
1	शूटिंग	ISSF वर्ल्ड चैंपियनशिप	दोहा
3	बैडमिंटन	इंडिया इंटरनैशनल चैलेंज	बेंगलुरु
2	टेनिस	पैरिस मास्टर्स	पैरिस
7	टेनिस	WTA फाइनल्स	रियाद
8	फॉर्मुला-1	ब्राजील ग्रां प्री	ब्राजील
10	चेस	फिडे वर्ल्ड कैडेट चैंपियनशिप	जॉर्जिया
15	टेनिस	ATP फाइनल्स	इटली
21	फॉर्मुला-1	लास वेगास ग्रां प्री	लास वेगास
29	फॉर्मुला-1	कतर ग्रां प्री	कतर

दिसंबर

तारीख	खेल	इवेंट	वेन्यू
1	बैडमिंटन	गुवाहाटी मास्टर्स	गुवाहाटी
6	फॉर्मुला-1	अबू धाबी ग्रां प्री	अबू धाबी
8	बैडमिंटन	ओडिशा मास्टर्स	कटक
--	क्रिकेट	भारत-श्रीलंका के बीच 3ODI, 3T20I	भारत

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 31-12-2025 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMA14 User: cci Time: 12-30-2025 21:40 Color:

मतदाता सूची की शुद्धता और मतदाता की पहचान की प्रामाणिकता ही चुनावों की विश्वसनीयता के केंद्र में है।
– एस. वाई. कुरैशी, पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त

समय लेना सही

उत्तर प्रदेश में Special Intensive Revision की तारीखों में फिर बदलाव अपेक्षित था और चुनाव आयोग ने प्रक्रिया के लिए खुद को ज्यादा समय देकर सही किया है। बिहार में हुए पहले चरण के मुकाबले इस दूसरे फेज में SIR के सामने चुनौती ज्यादा बड़ी है। आम लोगों को भी कई तरह की परेशानी आ रही है।

पहले भी बढ़ी तारीख । यूपी में पहले 31 दिसंबर को ड्राफ्ट रोल जारी किया जाना था। अब यह लिस्ट 6 जनवरी को आएगी और फाइनल रोल 6 मार्च 2026 को जारी किया जाएगा। इस दौरान जनता को दावे, आपत्तियां और उनके निस्तारण का मौका मिलेगा। इससे पहले SIR फॉर्म भरने की तारीख बढ़ाई गई थी। ऐसा ही एक्सटेंशन तमिलनाडु, गुजरात, एमपी, छत्तीसगढ़, अंडमान व निकोबार द्वीप समूह को मिला था।

SIR की तारीख बदली

विवाद और आरोप । तारीखों में बार-बार बदलाव से पता चलता है कि आयोग को उम्मीद से ज्यादा कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। बिहार के अनुभव से फायदा मिलने की जो उम्मीद थी, लगता नहीं कि वह पूरी हुई। लगभग हर दिन ही प्रक्रिया से जुड़ा कोई विवाद या आरोप सामने आ रहा है।

विपक्ष की शिकायत । एक अनुमान के मुताबिक यूपी में 2.89 करोड़ वोटर्स का नाम ड्राफ्ट रोल से कट सकता है। यह आंकड़ा बहुत बड़ा है। बिहार में पहले ड्राफ्ट रोल में 65 लाख मतदाता कम थे। विपक्ष का आरोप है कि वोटर लिस्ट रिवीजन के नाम पर नागरिकता जांची जा रही है और इससे योग्य मतदाता भी नाम दर्ज नहीं करा पा रहे। इस तरह की शिकायत को केवल राजनीतिक आरोप मानकर टालना सही नहीं होगा। अगर लाखों लोगों ने फॉर्म भरकर नहीं लौटाए हैं, तो उसकी वजह भी पता चलनी चाहिए।

सुधार की जरूरत । SIR इस समय राजनीतिक टकराव की सबसे बड़ी वजह बना हुआ है, खासकर बंगाल में। सीएम ममता बनर्जी का आरोप है कि SIR की वजह से 60 लोगों की मौत हो चुकी है। दो दिन पहले ही एक बुजुर्ग ने आयोग के सामने सुनवाई से पहले आत्महत्या कर ली। BLO की मौत और आत्महत्या के भी कई केस आ चुके हैं। अगर किसी प्रक्रिया की वजह से आम लोगों में इस कदर डर और दबाव है कि वे मौत का रास्ता चुन रहे, तो इसका मतलब सुधार की जरूरत है।

सिस्टम की जिम्मेदारी । SIR का मकसद ज्यादा से ज्यादा भारतीयों को लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व में भागीदारी के लिए प्रेरित करना होना चाहिए। यह चुनाव आयोग पर है कि लोग मताधिकार से वंचित न हों। इसमें अगर और समय लगता है तो और सही।

नाभि में तीर

नेताजी की करामात

मुंबई में जब से BMC चुनावों की घोषणा हुई है, तब से गिरगिट हैरान है। ज्यूं-ज्यूं चुनाव नजदीक आ रहे हैं, उसकी हैरानी बढ़ती जा रही है। अब तक तो उसको यही गुमान था कि रंग बदलने के हुनर में उसका कोई मुकाबला नहीं। इस क्षेत्र में उसकी मोनोपॉली है। लेकिन अब उसका यह भ्रम टूट चुका है। बड़े नेताओं को छोड़िए, गली-कूचे के छुटभैया नेता तक उसकी रंग बदलने की कला को मात दे रहे हैं। गिरगिट को पहली बार समझ में आया है कि दुनिया में उसके भी बाप मौजूद हैं!

हरि मृदुल

रविवार की सुबह एक छुटभैया नेता जी ने समर्थकों के बीच घोषणा की थी कि उनकी पार्टी अब वैसी नहीं रही, जैसी कि वह थी। इसलिए अब वह अमुक पार्टी में शामिल हो रहे हैं। समर्थकों का उनको पूरा समर्थन मिला और 'नेता जी आगे बढ़ो, हम तुम्हारे साथ हैं' के नारों के साथ जुलूस निकाल दिया। लेकिन यह क्या कि सोमवार को नेता जी के हाथों में एक अन्य पार्टी का झंडा दिखाई देने लगा। समर्थकों को लगा कि यह उनके विरोधियों की करामात है। AI के जमाने में कुछ भी किया जा सकता है। परंतु नेता जी के कार्यालय की नई सजावट से स्पष्ट हो गया कि यह AI की नहीं, खुद नेता जी की ही करामात है। उन्होंने फिर बदल लिया है दल। हैरत की बात यह कि मंगलवार की शाम एक बार फिर अलग हवा बह रही थी। नेता जी समर्थकों के बीच थे और खेद निवेदन कर रहे थे कि उन्होंने जल्दबाजी में गलत कदम उठाया। पुरानी पार्टी उनके लिए फिर से वैसी हो गई है, जैसी पहले थी!!

नेता जी के रंग बदलने को लेकर भले ही गिरगिट हैरान हो, लेकिन समर्थक एकदम कूल हैं। उन्हें पहले दिन से पता है कि नेता जी कितने बड़े कलाकार हैं। उनका एकमात्र मिशन माल कमाना है, सो कमा रहे हैं। जब नेता जी अपनी पुरानी पार्टी के प्रति विश्वास जता रहे थे, उसी समय उनका एक समर्थक दूसरे समर्थक के कान में फुसफुसा रहा था, 'इन तीन दिनों में नेता जी ने अपनी तीन पीढ़ियों के लिए माल इकट्ठा कर लिया है...!'

एकदा

संकलन : रिंकल शर्मा

मौत के बाद महानता

फ्रांज काफ्का (1883–1924) विश्व साहित्य के उन विरले लेखकों में हैं, जिनका जीवन उनकी ही नजर में प्रश्नचिह्न था। प्राग में जन्मे काफ्का पेशे से बीमा अधिकारी थे। उन्हें लगता था कि उनकी रचनाएं अधूरी, अपरिपक्व और पाठकों के लिए योग्य नहीं हैं। तपेदिक से जूझते हुए जीवन के अंतिम दिनों में उन्होंने अपने घनिष्ठ मित्र इस्राइली लेखक, संगीतकार और पत्रकार मैक्स ब्रॉड से कहा, 'मेरी मौत के बाद मेरी सारी पांडुलिपियां जला देना। जो कुछ लिखा है, वह प्रकाशित होने योग्य नहीं है।' यह उनकी क्षणिक भावुकता नहीं थी, उन्होंने यह बात कई बार लिखित रूप में दोहराई। उनके पास 'द ट्रायल', 'द कैसल', 'अमेरिका' जैसे उपन्यासों की अधूरी पांडुलिपियां थीं, साथ ही अनेक कहानियां और डायरी अंश भी। 1924 में काफ्का की मृत्यु के बाद मैक्स ब्रॉड एक कठिन नैतिक द्वंद्व में फंस गए कि मित्र की इच्छा मानें या साहित्य के प्रति अपना कर्तव्य निभाएं? आखिरकार मैक्स ने काफ्का की पांडुलिपियां नष्ट नहीं कीं, उन्हें संपादित कर प्रकाशित किया। धीरे-धीरे काफ्का का लेखन दुनिया के सामने आया। इस तरह से जिस शख्स को अपने जीवन में बहुत कम पहचान मिली थी, वह 20वीं सदी के सर्वश्रेष्ठ लेखकों में शामिल हो गया।

Subrata Dhar

इंटरनेट क्रांति के समय देश चूक गया, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस में यह ग़लती न हो

AI ने भारत को दिया बड़ा चांस

निमिष दुबे और आकृति राणा

भारतीय टेक इतिहास में 2025 को आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (AI) के साल के रूप में याद रखा जाएगा। केंद्र सरकार ने पिछले साल India AI मिशन की शुरुआत की थी, जिसमें अगले 5 साल में 10 हजार करोड़ रुपये के निवेश का लक्ष्य रखा गया था। एक साल बाद ही, 2025 में इस निवेश को दोगुना करने की बात होने लगी।

iStock
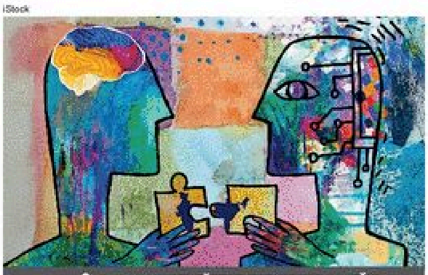

शुरुआती कदम
- 13.03 अरब डॉलर का हुआ भारत का AI मार्केट
- बड़ी कंपनियां कर रही निवेश, गूगल बना रहा हब
- दिग्गजों से टक्कर लेने के लिए चाहिए भारतीय प्रॉडक्ट

AI का साल । इस निवेश से देश की यूनिवर्सिटीज, startup ecosystem और अन्य संस्थानों को AI में काम आने वाले हार्डवेयर - जैसे बड़े-बड़े GPU और अन्य सुविधाएं दी जा रही हैं। AICTE ने भी 2025 को शिक्षा में AI का साल घोषित किया। इन कदमों का लक्ष्य AI क्रांति के लिए तैयार करना ही नहीं, देश का अपना लार्ज लैंग्वेज मॉडल (LLM) भी तैयार करना है - जैसे OpenAI का ChatGPT और Google का Gemini। यह लक्ष्य तय हुआ तो भारत AI की दुनिया की महाशक्ति बन सकता है।

बढ़ता बाजार । 2025 में हमें इन प्रयासों के परिणाम भी दिखे। देश में AI बाजार 2024 में 9.51 अरब डॉलर था, 2025 में यह 13.03 अरब डॉलर हो गया, जो 2032 तक 130.63 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है यानी आज की तुलना में 10 गुना! एमेजॉन और माइक्रोसॉफ्ट जैसी दिग्गज कंपनियों ने भी भारत के AI बाजार में अरबों डॉलर का निवेश किया है। गूगल ने AdaniConneX और एयरटेल के साथ विशाखापट्टनम में भारत का पहला बड़ा AI हब बनाना शुरू कर दिया है।

जनता तक पहुंच । 2025 में AI टूल्स न के बराबर कीमत में आम जनता को भी मिलने लगे। एयरटेल ने अपने सब्सक्राइबर्स को Perplexity AI की मुफ्त भेंट दी तो रिलायंस जियो ने सब्सक्राइबर्स को Google Gemini इस्तेमाल करने की खुली छूट। साल खत्म होते-होते बाजार में शायद ही कोई गैजेट AI से लैस होना बचा हो। सरकार, संस्थान, कॉरपोरेट और उपभोक्ता - किसी की भी नजर से देखिए, 2025 के इंडियन टेक वर्ल्ड में AI की धूम दिखाई देगी।

2025 के हीरो

अभी बस शुरुआत । मगर सच यही है कि देश में AI का यह शुरुआती दौर है। भारत में टेक दिग्गज पैसा जरूर लगा रहे हैं, लेकिन ध्यान देने की बात है कि इस समय AI वर्ल्ड में हमारी भूमिका वही है, जो 2000 की शुरुआत में इंटरनेट और डॉटकॉम की लोकप्रियता के समय थी यानी एक बड़े बाजार की, जिसमें काफी संसाधन कम दाम पर मिल सकते हैं।

मौका चूक गए । दो दशक पहले देश और उसके संस्थानों के पास मौका था कि इनोवेशन व खास प्रॉडक्ट्स के जरिये पूरे विश्व पर धाक जमाई जाए। आगे निकलने का वह मौका हाथ से निकल गया। नतीजा, भारत एक बड़ा टेक मार्केट तो है, लेकिन इस मार्केट में उसके अपने प्रॉडक्ट बहुत कम हैं।

भरपूर क्षमता । यही खतरा AI में भी है। भारत में निवेश तो जरूर हो रहे हैं, लेकिन हमारे पास अपना कोई बहुत बड़ा उत्पाद नहीं है। ऐसी बात नहीं है कि हममें अपना AI इकोसिस्टम और टूल्स बनाने की क्षमता नहीं। सरकार BharatGen नाम के लार्ज लैंग्वेज मॉडल पर काम कर रही है। इसे भारतीय संस्कारों, सभ्यता के हिसाब से रचा जा रहा है और 22 भारतीय भाषाओं के साथ काम करेगा। इसी तरह, Krutrim और Sarvam-M जैसे LLM भी भारतीय कंपनियां बना चुकी हैं, लेकिन ये गूगल, माइक्रोसॉफ्ट या मेटा के प्रॉडक्ट्स को टक्कर नहीं दे सकते।

अपना हो AI । दुनिया के दिग्गजों से होड़ में अभी समय लगेगा। इसके लिए जरूरत होगी दूरदर्शिता, उचित निवेश और सधे नेतृत्व की। फटाफट पैसा कमाने की होड़ में हमारा देश एक बार टेक में लंबे वक्त का घाटा उठा चुका है। ध्यान रखना होगा कि वैसी गलती अब न हो। इस मामले में सरकार के AI सिखाने और पढ़ाने के कार्यक्रम जैसे 'Yuva AI for All' बहुत ही महत्वपूर्ण हैं। भारत को अपना AI चाहिए, जो उसकी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए किसी भारतीय ने बनाया हो।

पहली सीढ़ी । इसमें दो राय नहीं कि 2025 भारत में AI का साल था, लेकिन यह अभी पहला पायदान है। 2026 में देश को AI बाजार का बादशाह बनने की लंबी यात्रा के पहले कदम उठाने होंगे। राह आसान नहीं, कई चुनौतियां हैं, लेकिन सही निर्णय और धैर्य से लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। अगर ऐसा हुआ तो AI का अगला Generation BharatGen का होगा।

अगर पागे नहीं होते तो G RAM G भी नहीं होता

आज VB-G RAM G पर बहस छिड़ी है। मगर देश में रोजगार की गारंटी नई बात नहीं है। 1780 में अकाल के दौरान जब लखनऊ के नवाब आसफुद्दौला बड़ा इमामबाड़ा बनवा रहे थे, तब मजदूर दिन में काम करते और नवाब साहब के लोग रात में थोड़ा हिस्सा तोड़ देते थे ताकि अगले दिन भी काम जारी रहे। यह रोजगार देकर उनकी मदद करना ही था।

अभिषेक मिश्र

पागे ने बदला इतिहास । आजाद भारत में रोजगार गारंटी सबसे पहले महाराष्ट्र में लागू हुई और इसके दशकों बाद पूरे देश में। इसके पीछे थे 18 साल तक महाराष्ट्र विधान परिषद के अध्यक्ष रहे विट्ठल सखाराम पागे। 1960 के दशक में महाराष्ट्र में अकाल पड़ा तो उन्होंने सांगली के तासगांव तालुका में पायलट प्रॉजेक्ट शुरू किया। इससे पता चला कि 700 रुपये में 15 मजदूरों को 20 दिनों तक काम दिया जा सकता है। उन्होंने तब के मुख्यमंत्री वसंतराव नाइक को पत्र लिखकर पूछा कि 700 रुपये में 15 मजदूरों की मदद हो सकती है, तो 100 करोड़ में कितनों को फायदा पहुंचेगा!

शुरू हुआ परीक्षण । इसके बाद राज्य के 11 गांवों में ट्रायल हुआ और जुलाई 1969 में महाराष्ट्र में रोजगार गारंटी स्कीम (EGS) की शुरुआत हुई। इसके नतीजे शानदार रहे। फिर भी केंद्र ने विरोध किया। पर पागे की विश्वसनीयता, नाइक का समर्थन और योजना आयोग के तत्कालीन उपाध्यक्ष डी आर गाडगिल की सहमति से योजना को महाराष्ट्र में आगे बढ़ाया गया।

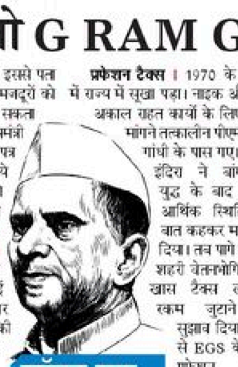
कॉमन रूम

प्रोफेशन टैक्स । 1970 के दशक में राज्य में सूखा पड़ा। नाइक और पागे अकाल राहत कार्यों के लिए मदद मांगने तत्कालीन पीएम इंदिरा गांधी के पास गए। मगर, इंदिरा ने बांग्लादेश युद्ध के बाद खराब आर्थिक स्थिति की बात कहकर मना कर दिया। तब पागे ने उन्हें शहरी वेतनभोगियों पर खास टैक्स लगाकर रकम जुटाने का सुझाव दिया। इसी से EGS के लिए प्रोफेशन टैक्स की शुरुआत हुई और राज्य में 1978 में रोजगार गारंटी अधिनियम लागू हुआ।

EGS का अध्ययन । महाराष्ट्र में EGS की मजदूरी मार्केट रेट से कम रखी गई, ताकि योजना का लाभ उन्हीं मजदूरों को मिले, जिनके पास काम नहीं था। इसलिए योजना का लाभ जरूरतमंदों ने ही लिया।

तर्क-वितर्क । मगर योजना के खिलाफ भी तर्क आए। रॉनल्ड हेरिंग्स और रेक्स एडवर्ड्स ने अपनी रिसर्च में दावा किया कि EGS को भले ही गरीबों की योजना बताया गया हो, लेकिन फायदा अमीर किसानों को हो रहा है। जवाब में अर्थशास्त्री वीएम दांडेकर और मधुसूदन खाते ने इसके फायदे गिनाए। कुल मिलाकर, EGS ने दिखाया कि सार्वजनिक कार्यों को सूखे के खिलाफ ढाल बनाया जा सकता है। भले ही राष्ट्रीय सलाहकार परिषद (NAC) को मनरेगा का श्रेय दिया जाता है, लेकिन सचाई है कि पागे की योजना ही आगे चलकर EGS बनी और 2005 में मजदूरों को अस्थायी रोजगार देने के लिए मनरेगा शुरू किया गया।

THE SPEAKING TREE
और पढ़ने के लिए देखें
www.speakingtree.nbt.in

नए वर्ष की सुंदरता अपने पवित्र भाव में तलाश कर देखिए

स्वामी सुखबोधानंद

जहां प्रेम, आनंद और सौंदर्य की तरंगें लहराती हैं, वहां पवित्र भाव का अभाव नहीं होता। फिर ये तरंगें ही हमें ईश्वर से जुड़ने में मदद करती हैं। इसलिए हमें याद रखना है कि नया वर्ष तभी सजीव और अर्थपूर्ण बनेगा, जब हम अपने भीतर इन तरंगों की ऊर्जा को प्रवाहित होने देंगे।

एक सच्चा गुरु या सद्गुरु शब्दों के माध्यम से नहीं बल्कि अपनी उपस्थिति से इन तरंगों का संचार करते हैं। इसलिए श्रीकृष्ण ने अर्जुन को शब्दों से अधिक अपनी उपस्थिति के माध्यम से ज्ञान दिया। यदि वह कुरुक्षेत्र के मैदान में केवल शब्दों से अर्जुन को ज्ञान देते तो इसमें घंटों लग जाते। हो सकता है, समझाते-समझाते लंबा वक्त लग जाता है। उस समय वहां दो हृदयों के बीच हुआ संवाद था, शब्दों और समय से परे, जो श्रीकृष्ण की उपस्थिति से निकली ऊर्जा तरंगों से संपन्न हुआ। एक सपना शायद केवल दो मिनट का होता है, लेकिन नींद से जागने के बाद उसे बताने में एक घंटा लग सकता है।

AI Image

किसी गुरु के पास जाने से पहले अपने मन को शांत करें। अपने मन के अंदर प्रेम, आनंद और सौंदर्य का भाव भरने दें। जीवन ही सबसे बड़ा गुरु और शास्त्र है, इसलिए उसके साथ सम्मान और प्रेम का व्यवहार करें। हम उस कैटरपिलर की तरह हैं, जिसे यह पता नहीं होता कि वह तितली बन सकती है। हमें भी यह बोध नहीं होता कि हम बुद्ध (ज्ञानी) बन सकते हैं।

चीन का एक बढ़ई, जिसने अपनी कला के एक से बढ़कर एक नमूने बनाए थे, उससे उसकी सफलता का रहस्य पूछा गया। उसने कहा, 'मैं किसी पेड़ के पास गहरे प्रेम और आनंद के साथ जाता हूं, उससे पूछता हूं कि क्या वह कटने के लिए तैयार है। जब मेरी अंतरात्मा किसी विशेष पेड़ के लिए 'हां' कहती है, तभी मैं हृदय में प्रार्थना लिए उस पेड़ को काटता हूं।' इसी भाव से वह अद्भुत कृतियां रच सका।

क्या हम जीवन को दिव्यता की अनुभूति के साथ जी सकते हैं? यदि हम ऐसा कर पाएं, तो हमारे लिए नया वर्ष ऐसी सुंदरता और गहराई से भर जाएगा, जिसे शब्दों में व्यक्त करना संभव नहीं होगा।

कांटे की बात

बांग्लादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री के तौर पर और देश में लोकतंत्र की स्थापना के संघर्ष में खालिदा जिया की भूमिका अहम रही। उनका निधन बांग्लादेश की राजनीति और BNP के लिए बड़ी क्षति है।

शेख हसीना, पूर्व प्रधानमंत्री, बांग्लादेश

छोटी बात, बड़ा फ़र्क़

सेहत को रोज़गार से जोड़ा, तो आया बदलाव

तमिलनाडु के धर्मपुरी जिले की सिट्टिलिंगी घाटी में स्वास्थ्य को देखने का नजरिया आम अस्पतालों से बिल्कुल अलग है। यहां इलाज सिर्फ दवा तक सीमित नहीं - यह खेती, खान-पान और रोजगार से जुड़ा है। बदलाव की यह कहानी शुरू हुई थी साल 1993 में।

AI Image
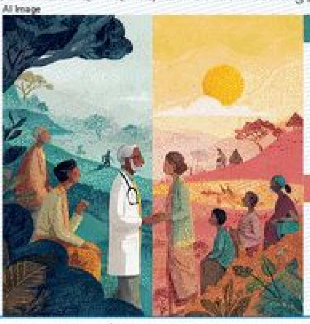

ऑर्गैनिक खेती से सुधरा लाइफस्टाइल

डॉ. रेगी जॉर्ज और डॉ. ललिता रेगी लगभग तीन दशक पहले जब इस घाटी में पहुंचे, तो बड़ी आबादी बीमारी की चपेट में थी और वजह थी अनहेल्दी लाइफस्टाइल। रोजगार की तलाश में लोग बाहर जाते, वहां खराब परिस्थितियों में रहते और बीमारी लेकर लौटते। डॉक्टर दंपती ने स्थानीय लोगों को ऑर्गैनिक खेती के लिए प्रेरित किया।

किसान अपनी कंपनी से हुए आत्मनिर्भर

शुरुआत में केवल 4 किसान आगे आए थे। आज सिट्टिलिंगी की अपनी कंपनी है - SOFA, जिसका टर्नओवर 3 करोड़ है। पैसा आया, पलायन रुका, जीवनस्तर सुधरा और बीमारियां दूर हुईं। पोरगई नाम का समूह महिलाओं को सिलाई-बुनाई की ट्रेनिंग देता है। इससे आर्थिक आत्मनिर्भरता आई।

जनता जंक्शन इरफान

हमें कोई कुछ भी बेच सकता है, प्रदूषण भी

कार खरीदने का इससे 'बेहतरीन वक्त' हो सकता है क्या? GST में कटौती है ही, ईयर-एंड डिस्काउंट भी है। ये आकर्षक ऑफर तब हैं, जब प्रदूषण चरम पर है। इससे पहले फेस्टिवल सीजन में गाड़ियों की रेकॉर्ड बिक्री हुई। कार ही क्या, हर ई-कॉमर्स साइट पर सेल चल रही है। दिन-रात हर घर कुछ न कुछ पहुंच रहा है। इस समय कोई हमें कुछ भी बेच सकता है। क्यों? क्योंकि हमें पता ही नहीं है कि हमें असल में चाहिए क्या।

रमेश तिवारी

इंडस्ट्री की क्या गलती?

हम सभी चाहते हैं कि प्रदूषण पर नियंत्रण हो। लेकिन हम अक्सर यही ढूंढ रहे होते हैं कि इसके लिए किसे दोषी ठहराएं। पहले तो पराली पर उंगली उठी। पराली का मौसम खत्म होते ही प्रदूषण में स्पष्ट कमी आ जानी चाहिए थी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। कभी निर्माण कार्य को दोषी ठहराया जाता है, कभी तंदूर को, कभी डीजल जनरेटर को, तो कभी गाड़ियों को। इन सभी कारणों में सच्चाई के अंश हैं, लेकिन कहीं हम एक ज्यादा गहरी और जटिल समस्या को बहुत सतही ढंग से तो नहीं देख रहे।

हमें यह भरोसा दिलाया जाता है कि अब BS-6 वर्जन आ चुका है, जिससे कम प्रदूषण फैलता है। जब सड़कों पर गाड़ियों की संख्या ही बेतहाशा बढ़ रही हो, तो उत्सर्जन मानकों में मामूली सुधार ऊंट के मुंह में जीरे जैसा ही है। यहां सभी को कार के लिए उकसाया जा रहा है, जबकि चीन में कार लॉटरी से मिलती है।

इलेक्ट्रिक गाड़ियों को मानो किसी चमत्कारी समाधान की तरह पेश किया जा रहा है। तकनीकी प्रगति आवश्यक है, लेकिन ये कभी भी विवेक की जगह नहीं ले सकता। शासन और नीतियों में बदलाव अहम हैं, लेकिन सरकारें संस्कारों से भी नियंत्रित होती हैं। इंडस्ट्री को अक्सर जिम्मेदार ठहराया जाता है। लेकिन मांग तो हम पैदा करते हैं, उपभोक्ता बनकर।

AI Image
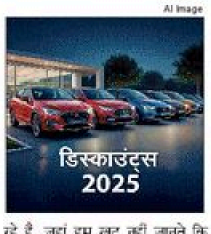

हम उपभोक्तावाद के उस दौर में जी रहे हैं, जहां हम खुद नहीं जानते कि हमें वास्तव में क्या चाहिए। बाजार हमें बताता है कि हमें क्या चाहिए। एक तरफ अधिक से अधिक उत्पाद बनाए जा रहे हैं, दूसरी तरफ अहसास कराया जा रहा है कि ये प्रॉडक्ट हमारे सुख, पहचान और सामाजिक हैसियत के लिए जरूरी हैं। नतीजतन हम ऐसी चीजें खरीद लेते हैं, जिनका हम शायद ही कभी उपयोग करते हैं। अपने किचन में झांकिए। वॉर्डरोब में कपड़े देखिए। नया फोन देखिए। यही मानसिकता आगे चलकर जरूरत न होने पर भी एक से ज्यादा घर, गाड़ियां और लगातार अपग्रेड करने की प्रवृत्ति में बदल जाती है। ये सब हमारे भीतर के खालीपन के प्रतीक हैं।

जरूरत या चाहत?

कोई कह सकता है कि डिमांड से अर्थव्यवस्था को लाभ होता है। जरा सूक्ष्मता से गहराई से सोचकर देखिएगा, ये लाभ कहीं सिर्फ अरबपतियों को खरबपति तो नहीं बना रहा? बात विकास या सुविधा के खिलाफ नहीं है। असली चुनौती जरूरत और चाहत के बीच फर्क समझने की है। हमारे लिए सबसे जरूरी क्या है? हमारा अस्तित्व, जो अभी दांव पर है। चाहत वह है जो तुलना, ट्रेंड और दिखावे से जन्म ले। जब यह फर्क मिट जाता है, तो उपभोग की कोई सीमा नहीं रहती। किसी बंदिश का विरोध देख राजनीतिक वर्ग और इंडस्ट्री को लगता है कि हमारे लिए उपभोग बड़ा मुद्दा है, प्रदूषण नहीं। प्रदूषण पर नियंत्रण केवल नियमों, ईंधन या तकनीक से संभव नहीं है। इसके लिए संयम भी चाहिए। हमारी चेतना जागे तो कोई सरकार से नहीं पाएगी, इंडस्ट्री हमें प्रॉडक्ट की तरह नहीं देख पाएगी।

रीडर्स मेल
www.edit.nbt.in

सराहनीय कदम

30 दिसंबर का संपादकीय 'संतुलन की जरूरत' पढ़ा। सुप्रीम कोर्ट ने अरावली के मामले पर पुनर्विचार की जो पहल की, वह सराहनीय है। दरअसल अरावली पर्वतमाला को परिभाषित करने का प्रश्न पर्यावरण से जुड़ा गंभीर मसला है। इसे बेहद संवेदनशीलता से बरतने की जरूरत है। हल्की सी चूक का विनाशकारी नतीजा लोगों को लंबे समय तक भुगतना पड़ सकता है। वैसे भी हम पर्यावरण का बुरा हाल कर बैठे हैं। विकास के नाम पर पर्यावरण का दोहन हो रहा है। उम्मीद है कि अदालत इस मुद्दे पर आखिरकार संतुलित नजरिया अपनाएगी।

पैथर तोमर, किशन गंज

nbtedit@timesofindia.com पर अपनी राय नाम-पते के साथ मेल करें।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 31-12-2025 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMA15 User: devid.sharma Time: 12-30-2025 23:03 Color:

यूके में इदरिस एल्बा किंग चार्ल्स III की न्यू ईयर ऑनर्स लिस्ट में शामिल

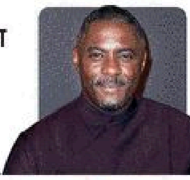

नवभारत टाइम्स NBT Delhi Times OF INDIA masala mix
WEDNESDAY, DECEMBER 31, 2025 ADVERTORIAL, ENTERTAINMENT INDUSTRY PROMOTIONAL FEATURE

@rashmika_mandanna

@malaikaaroraofficial

'तलाक पर मुझे दोस्तों और परिवार का भी विरोध झेलना पड़ा'

मलाइका अरोड़ा

मलाइका अरोड़ा ने एक इंटरव्यू में अरबाज खान से तलाक के दौर को लेकर चर्चा की। मलाइका ने बताया कि शादी खत्म करने के फैसले पर उन्हें सिर्फ पब्लिक ही नहीं, बल्कि दोस्तों और परिवार की तरफ से भी काफी जज किया गया था और विरोध का सामना करना पड़ा था। मलाइका ने कहा कि उस वक्त उनके हर फैसले पर सवाल उठाए गए। उन्होंने कहा, 'मुझे बहुत जजमेंट और विरोध का सामना करना पड़ा। सिर्फ बाहर के लोगों से नहीं, बल्कि दोस्तों और परिवार से भी। उस समय मेरी हर पसंद पर सवाल उठने लगे थे। लेकिन आज मैं खुश हूं कि मैं अपने फैसलों पर कायम रही। मुझे कोई पछतावा नहीं है।'

मलाइका ने आगे कहा कि उन्हें नहीं पता था कि आगे क्या होगा, लेकिन इतना जरूर जानती थीं कि उस वक्त जिंदगी में यह कदम उठाना उनके लिए जरूरी था। उन्होंने कहा, 'मैं खुश रहना चाहती थी। लोग कहते थे कि अपनी खुशी को सबसे ऊपर कैसे रख सकती हो? लेकिन मुझे अकेले रहना मंजूर था।' उन्होंने बताया, 'मैं शादी में विश्वास करती हूं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि यह मेरे लिए ही हो। अगर जिंदगी में फिर से ऐसा होता है तो ठीक है, लेकिन मैं इसे तलाश नहीं रही। मैं अपनी जिंदगी से खुश हूं।' गौरतलब है कि दोनों 2017 में अलग हुए थे।

> मैं शादी की व्यवस्था में विश्वास करती हूं, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि यह मेरे लिए ही हो।

रोम में छुट्टियां एंजॉय कर रही हैं रश्मिका

तमाम सिलेब्रिटी जहां एक ओर अपने वैकेशन डेस्टिनेशन लोगों को नहीं बताते, वहीं रश्मिका मंदाना ने खुद फैंस को बताया कि वह कहां घूम रही हैं। रश्मिका इन दिनों रोम में छुट्टियां एंजॉय कर रही हैं जिसकी फोटोज उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा की। तस्वीरों में विजय देवरकोंडा के भाई आनंद देवरकोंडा भी दिखे, जिसे देखकर फैंस का ध्यान वहीं अटक गया। अन्य तस्वीरों में रश्मिका रोम की खूबसूरती का आनंद लेती नजर आईं। वह कभी ऐतिहासिक इमारतों के पास पोज देती दिखीं तो कभी सर्दियों की धूप में रिलैक्स करती हुईं। उन्होंने कुछ विडियो भी पोस्ट किए, जिनमें वह रोम की सड़कों पर दोस्त के साथ टहलते और गर्ल गैंग के साथ डांस करती नजर आईं। इन तस्वीरों के साथ रश्मिका ने लिखा, 'अब तक रोम'।

गौरतलब है कि रश्मिका इन दिनों विजय देवरकोंडा से अपनी शादी को लेकर भी खबरों में हैं। चर्चा है कि 26 फरवरी 2026 को वह उदयपुर में विजय देवरकोंडा से शादी करेंगी। हालांकि इस पर आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

Buzzstop

पर्सनैलिटी राइट्स में मिली जूनियर NTR को सुरक्षा

जूनियर एनटीआर को दिल्ली हाई कोर्ट ने पर्सनैलिटी राइट्स के मामले में राहत देते हुए बिना उनकी मर्जी के उनके नाम, फोटो व पहचान के यूज पर रोक लगाई है। कोर्ट ने डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर उन्हें सुरक्षा दी है।

जॉर्ज क्लूनी को मिली फ्रांस की नागरिकता

अब जॉर्ज क्लूनी अपनी पत्नी अमल अलामुद्दीन क्लूनी और दोनों बच्चे के साथ फ्रांस के नागरिक बन गए हैं। यह जानकारी फ्रांस के सरकारी गजट में प्रकाशित एक आदेश से सामने आई है। इस गजट में फ्रांस के तमाम नए नागरिकों के नाम दिए गए हैं जिनमें इनका नाम भी शामिल है। क्लूनी हॉलिवुड के उन सिलेब्रिटीज में शामिल रहे हैं जो राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की नीतियों का विरोध करते हैं। गौरतलब है कि अब तक जॉर्ज क्लूनी के पास अमेरिका की नागरिकता थी।

जॉर्ज क्लूनी ने दिसंबर की शुरुआत में इस तरफ इशारा किया था। जॉर्ज ने फ्रांस के सख्त प्राइवेसी कानूनों की जमकर तारीफ की थी और कहा था कि वहां उनके परिवार को पैपराजी से सुरक्षा मिलती है।

www.et.nbt.in THE ECONOMIC TIMES

फटाफट खबरें

Blinkit के CFO ने दिया इस्तीफा

■ पीटीआई, नई दिल्ली: क्विक कॉमर्स कंपनी ब्लिंकिट के चीफ फाइनेंशल ऑफिसर (CFO) विपिन कपूरिया ने इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों के मुताबिक उन्होंने कंपनी जॉइन करने के करीब एक साल बाद पद छोड़ दिया है। हालांकि इस्तीफे को लेकर न तो ब्लिंकिट और न ही उसकी पैरंट कंपनी की ओर से कोई बयान जारी किया गया है।

शेयर बाजार मामूली नुकसान के साथ बंद

■ भाषा, मुंबई: साल की समाप्ति से पहले मंगलवार को बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स लगातार पांचवें दिन गिरावट में रहा। सेंसेक्स 20.46 अंक यानी 0.02 फीसदी की मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। वहीं, एनएसई का 50 शेयरों वाला निफ्टी भी लगभग सपाट रहा। निफ्टी 3.25 अंक की गिरावट के साथ बंद हुआ।

गूगल यूजर्स बदल सकेंगे जीमेल ऐड्रेस

■ पीटीआई, नई दिल्ली: गूगल यूजर्स के लिए राहत की खबर है। अब वे अपना @gmail.com वाला जीमेल आईडी बदल सकते हैं, वह भी बिना पुराना डेटा खोए। गूगल ने यह फीचर धीरे-धीरे सभी यूजर्स के लिए शुरू करना शुरू कर दिया है। कंपनी के मुताबिक, नया जीमेल आईडी बनाने पर पुराने अकाउंट का पूरा डेटा सुरक्षित रहेगा।

ह्यूंदै ने लॉन्च की नई रेंज- प्राइम टैक्सी

■ पीटीआई, नई दिल्ली
ह्यूंदै ने मंगलवार को कमर्शल मोबिलिटी सेगमेंट में एंट्री की घोषणा की। कंपनी के अनुसार, प्राइम टैक्सी रेंज को फ्लीट ऑपरेटरों और टैक्सी उद्यमियों की बदलती जरूरतों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। इस रेंज में प्राइम HB (हैचबैक) और प्राइम SD (सेडान) शामिल हैं।

आखिरी दिन, निपटा लें ये काम

आज वित्तीय मामलों से जुड़ी तीन बेहद जरूरी डेडलाइन खत्म हो रही है। इनका आपको खास ध्यान रखना होगा। इनके साथ ही यहां उन बदलावों के बारे में भी बता रहे हैं, जो जनवरी महीने में देखने को मिल सकते हैं।

1. आज जरूर फाइल करें ITR: 2025-26 के लिए रिवाइज्ड रिटर्न भरने का आज आखिरी दिन है। इसके बाद आप अपनी तरफ से रिटर्न में कोई बदलाव नहीं कर पाएंगे। 31 दिसंबर के बाद रिटर्न भरने के लिए आपको अपडेटेड रिटर्न का सहारा लेना होगा। आपको यह काफी महंगा पड़ सकता है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक इसके बाद 12 महीने के भीतर रिटर्न फाइल करने पर कुल टैक्स का 25% एक्स्ट्रा जुर्माना लगेगा। 24 महीने के भीतर रिटर्न जमा करने पर 50% एक्स्ट्रा जुर्माना लगेगा।

2. पैन को आधार से लिंक कराना जरूरी: वित्तीय नियामकों ने साफ कर दिया है कि पैन और आधार को लिंक करना जरूरी है। पैन को आधार से लिंक कराने का आज आखिरी दिन है। अगर आपने अभी तक यह प्रोसेस पूरा नहीं किया है तो 1 जनवरी 2026 से आपको बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। लिंक न होने की हालत में आपका पैन काम करना बंद कर सकता है। इससे बैंक खाता खोलने में दिक्कत हो सकती है।

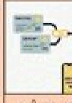

3. स्मॉल सेविंग्स स्कीम के रेट में चेंज मुमकिन

पीपीएफ, सुकन्या समृद्धि योजना और एनएससी जैसी छोटी बचत योजनाओं में निवेश करने वालों के लिए भी आज का दिन अहम है। हाल ही में रिजर्व बैंक ने रीपो रेट में कटौती की है, जिसके बाद संभावना है कि सरकार 1 जनवरी से स्मॉल सेविंग्स स्कीम्स की ब्याज दरों में बदलाव कर सकती है। ऐसे में अगर आप मौजूदा ब्याज दरों पर निवेश करना चाहते हैं तो आज ही फैसला लेना फायदेमंद हो सकता है।

इन तारीखों का भी रहे ध्यान

1. कंपनियों को राहत, रिटर्न की तारीख बढ़ी: कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय ने कंपनियों को बड़ी राहत देते हुए वित्तीय विवरण और सालाना रिटर्न दाखिल करने की समयसीमा बढ़ा दी है। अब कंपनियां यह फाइलिंग 31 जनवरी 2026 तक कर सकेंगी। यह राहत कंपनी कानून के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 से जुड़ी सालाना फाइलिंग के लिए दी गई है। पहले इसकी अंतिम तारीख 31 दिसंबर थी।

2. जनरल टिकट खरीदने पर छूट: रेल मंत्रालय डिजिटल टिकट बुकिंग को बढ़ावा देने के लिए बड़ा कदम उठा रहा है। मंत्रालय ने फैसला लिया है कि 14 जनवरी से 14 जुलाई 2026 तक रेलवन ऐप के जरिए जनरल टिकट खरीदने पर यात्रियों को तीन प्रतिशत की छूट दी जाएगी। यह छूट किसी भी डिजिटल भुगतान के जरिए से टिकट बुक करने पर मिलेगी।

3. CNG, PNG कीमतों में कटौती मुमकिन

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड ने 16 दिसंबर को प्राकृतिक गैस पाइपलाइनों के लिए यूनिफाइड टैरिफ सिस्टम बनाया था।
यह नया ढांचा 1 जनवरी, 2026 से लागू होने वाला है। इस फैसले का असर सीएनजी और पीएनजी की कीमतों पर पड़ सकता है। सीएनजी, पीएनजी की कीमतों में कमी की जा सकती है।

विकसित भारत का लक्ष्य अब पूरे देश की चाहत: PM मोदी

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

File Photo

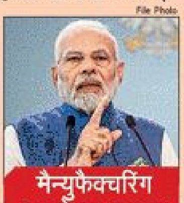

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि साल 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य अब सिर्फ सरकार का विजन नहीं, बल्कि पूरे देश की सामूहिक चाहत बन चुका है। उन्होंने कहा कि देश की लंबी समय तक तरक्की को बनाए रखने के लिए हर सेक्टर में रिफॉर्म्स पर जी-जान से जुटना जरूरी है। प्रधानमंत्री ने ये बातें नीति आयोग में प्रमुख अर्थशास्त्रियों और विशेषज्ञों के साथ हुई बैठक में कहीं।

> पीएम ने अर्थशास्त्रियों के साथ नीति आयोग में बैठक की

नीति आयोग में हुई इस बैठक का विषय 'आत्मनिर्भरता और स्ट्रक्चरल रिफॉर्म्स: विकसित भारत के लिए एजेंडा' था। बैठक में प्रधानमंत्री ने 2047 तक भारत की यात्रा के अहम पिलर्स पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का सपना अब सरकारी नीति से आगे बढ़कर लोगों की चाहत बन गया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह बदलाव शिक्षा, उपभोग और ग्लोबल मोबिलिटी के पैटर्न में साफ नजर आ रहा है। इसके चलते संस्थागत क्षमता बढ़ाने और इंफ्रास्ट्रक्चर प्लानिंग पर तेजी से काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि लोगों में बेहतर जीवन की उम्मीद बढ़ी है और इन जरूरतों को पूरा करने के लिए हर स्तर पर पूरी ताकत लगानी होगी। कैपेबिलिटी बढ़ाने और दुनिया के साथ बेहतर एकीकरण के लिए रिफॉर्म्स को मिशन मोड में लागू करने पर जोर दिया।

मैन्युफैक्चरिंग बढ़ाने पर सुझाव

बैठक में मौजूद अर्थशास्त्रियों ने मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर में उत्पादकता और प्रतिस्पर्धा बढ़ाने पर सुझाव दिए। परिवारों की ज्यादा बचत, मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर और आधुनिक टेक्नॉलजी को अपनाकर ढांचागत बदलाव तेज करने पर भी चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने कहा कि आर्टिफिशल इंटेलिजेंस कई सेक्टरों को जोड़ते हुए उत्पादकता बढ़ाने में अहम भूमिका निभा सकता है।

भारत चौथी सबसे बड़ी इकॉनमी: सरकारी रिपोर्ट

■ भाषा, नई दिल्ली: भारत ने एक और बड़ी आर्थिक उपलब्धि हासिल की है। 4.18 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की इकॉनमी के साथ भारत ने जापान को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा हासिल कर लिया है। सरकार की ओर से जारी बयान में यह जानकारी दी गई है। बयान के मुताबिक भारत लगातार मजबूत आर्थिक ग्रोथ के साथ दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में बना हुआ है।

> भारत की GDP 4.18 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर पहुंची

मौजूदा रफ्तार को देखते हुए भारत के 2030 तक जर्मनी को पीछे छोड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इकॉनमी बनने की उम्मीद जताई गई है। आंकड़ों के मुताबिक वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में भारत की असल जीडीपी ग्रोथ 8.2 फीसदी रही है। यह ग्रोथ चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में दर्ज 7.8 फीसदी और पिछले वित्त साल की चौथी तिमाही की 7.4 फीसदी ग्रोथ से भी ज्यादा है।

क्रेडिट बाज़ार में गोल्ड लोन की चमक, 3 साल में करीब 4 गुना बढ़ोतरी: रिपोर्ट

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

AI Image

पिछले कुछ सालों में भारत के लेंडिंग सेक्टर में गोल्ड लोन सबसे तेजी से बढ़ने वाले और मजबूत क्रेडिट सेगमेंट के रूप में उभरे हैं। इकनॉमिक टाइम्स के मुताबिक, जहां एक ओर अनसिक्योर्ड रिटेल लोन और डिजिटल लेंडिंग पर ज्यादा चर्चा रही, वहीं गोल्ड लोन में चुपचाप बड़ी ग्रोथ देखने को मिली है। एंटीक स्टॉक ब्रोकिंग की बीएफएसआई कॉन्क्लेव 2025 में एक्सपर्ट्स द्वारा साझा किए गए आंकड़ों पर आधारित रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले 3 साल में गोल्ड लोन का आकार करीब 4 गुना तक बढ़ गया है। इस बढ़ोतरी के पीछे सोने की कीमतों में तेजी, औसत लोन अमाउंट का बढ़ना और सेमी अर्बन व ग्रामीण इलाकों से लगातार बनी मांग को अहम वजह माना गया है।

कॉन्क्लेव में बताया गया कि अब 60 फीसदी से ज्यादा नए रिटेल लोन सेमी अर्बन और ग्रामीण इलाकों से आ रहे हैं। इन इलाकों में सोना आज भी सांस्कृतिक रूप से स्वीकार्य और आसानी से कैश में बदला जा सकने वाला सिक्योर विकल्प माना जाता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि सेमी अर्बन और ग्रामीण इलाकों में डिफॉल्ट का रिस्क तुलनात्मक रूप से ज्यादा रहता है। इन बाजारों में अनसिक्योर्ड लोन की तुलना में गोल्ड लोन को प्राथमिकता दी जाती है, क्योंकि इसमें पैसा जल्दी मिल जाता है, रीपेमेंट में लचीलापन होता है और ब्याज दर भी कम पड़ती है। आरबीआई के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, अक्टूबर 2025 में गोल्ड जूलरी के बदले लोन की बकाया रकम सालाना आधार पर 128.5 फीसदी बढ़कर 3.38 लाख करोड़ रुपये पहुंच गई है। इस तरह गोल्ड लोन रिटेल क्रेडिट का सबसे चौंकाने वाला और उभरता हुआ सेगमेंट बन गया है।

टैरिफ के तूफान में FTA को बनाया हथियार, 2026 में निर्यातकों को और सपोर्ट की ज़रूरत

Akhilesh.Singh1
@timesofindia.com

AI Image

■ **नई दिल्ली:** पश्चिम एशिया में तनाव सहित वैश्विक अनिश्चितता के बीच एक्सपोर्ट में गिरावट के साथ साल 2025 की शुरुआत हुई और फिर अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के टैरिफ बम ने माहौल और खराब कर दिया। हालांकि निर्यातकों ने 50% अमेरिकी टैरिफ की चुनौती का बखूबी सामना किया। केंद्र सरकार ने भी फ्री ट्रेड एग्रीमेंट्स के जरिए ज्यादा देशों में निर्यात का दायरा बढ़ाने पर जोर लगाया और इस साल नवंबर तक गुड्स एक्सपोर्ट 407 बिलियन डॉलर पर पहुंच गया और यह साल 2024 का 443 बिलियन डॉलर का आंकड़ा पार करने के रास्ते पर है। निर्यातकों का कहना है कि नए साल में एक्सपोर्ट की रफ्तार बढ़ाने के लिए लागत सहित कई मोर्चों पर सरकार के सपोर्ट की जरूरत होगी। वहीं, अमेरिका और यूरोपियन यूनियन से व्यापार समझौतों पर बातचीत को अंजाम तक ले जाना भी अहम होगा।

दिखाया दम: बांग्लादेश, चीन, वियतनाम, कंबोडिया, फिलीपींस और दूसरे दक्षिण एशियाई देशों पर कम टैरिफ के चलते उनकी चीजों के मुकाबले भारतीय माल अमेरिका में 35% तक महंगा हो गया। सितंबर और अक्टूबर में अमेरिका को निर्यात में कमी भी आई, लेकिन नवंबर में यह 22.61% बढ़कर 6.98 बिलियन डॉलर रहा। वहीं, नवंबर में भारत से टोटल गुड्स एक्सपोर्ट सालभर पहले के मुकाबले 19.38% बढ़कर 38.13 बिलियन डॉलर दर्ज किया गया।

बढ़ाया दायरा: टैरिफ के झटके के बीच भारत ने ट्रेड डायवर्सिफिकेशन पर तेजी से कदम बढ़ाए हैं। कॉमर्स मिनिस्टर पीयूष गोयल की अगुवाई में इस साल ब्रिटेन, न्यूजीलैंड और ओमान के साथ FTA साइन किए गए। इजरायल के साथ FTA पर बातचीत की शर्तें तय हुईं। स्विट्जरलैंड सहित 4 देशों के ग्रुप EFTA के साथ ट्रेड डील अक्टूबर में लागू हो गई।

क्या है चुनौतियां?

भारत के सबसे बड़े ट्रेड पार्टनर अमेरिका से द्विपक्षीय व्यापार समझौते और यूरोपियन यूनियन से FTA पर बातचीत को अंजाम पर ले जाने की चुनौती नए साल में है। एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल के एक अधिकारी ने कहा कि प्रतिद्वंद्वी देशों के मुकाबले हम पर ज्यादा अमेरिकी टैरिफ के चलते हम 15-25% तक डिस्काउंट दे रहे हैं ताकि अमेरिकी खरीदार हमसे जुड़े रहें। डायवर्सिफिकेशन की कोशिशों से मदद मिली है लेकिन नए बाजारों में पकड़ बनाने में समय लगता है। भारत का एक्सपोर्ट आउटलुक पॉजिटिव बना हुआ है लेकिन चुनौतियों से निपटने का रास्ता निकालना होगा।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 31-12-2025 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAHBP User: cci Time: 12-30-2025 22:44 Color:

NBT AI टाइम मशीन

जब WHO ने माना चीन से फैला कोविड

आज ही के दिन 2019 में WHO ने माना कि चीन के वुहान में वायरल निमोनिया फैल रहा है। बाद में इसी निमोनिया को कोविड-19 का नाम दिया गया। मई 2022 में WHO ने दावा किया कि भारत में 47 लाख लोगों की कोरोना से मौत हुई, जबकि भारत ने इसका खंडन करते हुए कहा कि मरने वालों की संख्या महज 5,23,975 है।

NBT

लक्षण आने से पहले पता चलेगी बीमारी

ChatGPT के मुताबिक, भविष्य में कोविड-19 जैसे वायरस की पहचान शरीर में मौजूद नैनो-सेंसर और AI हेल्थ सिस्टम से लक्षण आने के पहले ही हो जाएगी। हवा, सांस और वातावरण को स्कैन करने वाली तकनीक वायरस की तुरंत जानकारी देगी। यूनिवर्सल वैक्सीन और जीन-एडिटिंग से इंसानों की इम्युनिटी पहले से मजबूत होगी। स्मार्ट मास्क, बायो-सर्विलांस और AI मॉडल महामारी फैलने से पहले ही उसे रोक देंगे।

AI Image

नवभारत टाइम्स। नई दिल्ली बुधवार, 31 दिसंबर 2025

SPEED News

पाकिस्तान के आर्मी चीफ असीम मुनीर ने

अपने भतीजे से बेटी का निकाह कराया है। पाकिस्तानी पत्रकारों ने इसकी पुष्टि की है।

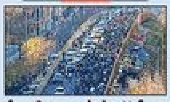

ईरानी मुद्रा में रेकॉर्ड गिरावट के बाद प्रदर्शन,

डॉलर के मुकाबले ईरानी मुद्रा निचले स्तर पर पहुंची। सेंट्रल बैंक प्रमुख रजा फरजीन ने इस्तीफा दिया।

इस्राइल ने गाजा में काम कर रहे मानवीय

संगठनों पर बैन लगाया। इस्राइल ने डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स पर हमास से संबंध का आरोप लगाया है।

सऊदी अरब ने यमन पर एयरस्ट्राइक कर

अलगाववादी गुट के लिए लाई गई हथियारों की खेप को निशाना बनाने का दावा किया। दोनों देशों के रिश्तों में तनाव।

SPEED News पर आप अपनी राय हमें 9220747220 पर वट्सऐप करके बताएं।

NBT प्रगतिशील इंडियन ऑफ द ईयर 2025

इस साल देश को नई दिशा देने वाले कुछ नाम मिसाल बनकर उभरे हैं। गहन मंथन के बाद NBT टीम ने ऐसी 5 शख्सियतों को चुना है, जिन्होंने अपने काम से भारत की सोच और तस्वीर बदली है। पैरा एथलीटों के असाधारण जज्बे और उपलब्धियों को देखते हुए ऑप्शन B में शामिल हैं शीतल देवी और सुमित अंतिल। अब फैसला आपके हाथ में है। वोट कर तय करें कि NBT प्रगतिशील इंडियन ऑफ द ईयर कौन होगा। वट्सऐप पर मैसेज भेजकर वोट दे सकते हैं।

NBT प्रगतिशील इंडियन ऑफ द ईयर चुनने के लिए करें वोटिंग

A हरमनप्रीत कौर (महिला क्रिकेट टीम की कप्तान)

2 नवंबर की रात हरमनप्रीत कौर की अगुआई में भारत की 16 महिलाओं ने इतिहास रचा। टीम ने वर्ल्ड कप के रूप में ICC का पहला खिताब अपने नाम किया। ICC खिताब न जीत पाने का बोझ एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक की खिलाड़ियों के कंधों पर चलता आ रहा था, लेकिन मानसिक रूप से बेहद मजबूत हरमन की टीम ने सेमिफाइनल में 7 बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया और फाइनल में साउथ अफ्रीका को हराकर इतिहास के पन्नों पर अपना नाम सुनहरे अक्षरों में लिखवाया।

B देश के पैराएथलीट (शीतल देवी-सुमित अंतिल)

आपने कितनी बार पैरा ऐथलीटों को नियमित (एबल-बॉडी) वर्ग की टीम में जगह बनाते देखा है? ये दुर्लभ उपलब्धि बिना हाथों के जन्मी जम्मू-कश्मीर की 18 साल की शीतल देवी ने हासिल की। भारत के पैरा जैवलिन थ्रोअर सुमित अंतिल ने वर्ल्ड पैरा ऐथलेटिक्स में चैंपियनशिप रेकॉर्ड के साथ गोल्ड मेडल जीता था।

C दिव्या देशमुख (ग्रैंडमास्टर)

चेस में भारत के बढ़ते रुतबे को उस वक्त नई ऊंचाइयां मिलीं, जब 2025 में 19 साल की दिव्या देशमुख ने जॉर्जिया में आयोजित FIDE विमिंस वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम किया। शीर्ष खिलाड़ियों के खिलाफ निडर अंदाज में खेलते हुए दिव्या ने प्रतिष्ठित ग्रैंडमास्टर (GM) खिताब भी हासिल किया और 2026 विमिंस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में जगह पक्की कर खुद को वर्ल्ड चेस में एक बड़ी ताकत के रूप में स्थापित किया। यह खिताब पाने वाली वह पहली भारतीय महिला हैं।

D कर्नल सोफिया कुरैशी, विंग कमांडर व्योमिका सिंह

ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी दुनिया के सामने रखने वाली कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह इस ऑपरेशन का चेहरा बन गईं। वडोदरा की कर्नल सोफिया आर्मी की सिग्नल्स कोर में हैं। विंग कमांडर व्योमिका सिंह एयरफोर्स में हेलिकॉप्टर पायलट हैं। उन्हें मास्टर ग्रीन रेटिंग मिली है।

E शुभांशु शुक्ला (ग्रुप कैप्टन, एयरफोर्स)

एयरफोर्स के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला इंटरनैशनल स्पेस स्टेशन (ISS) जाने वाले पहले भारतीय और अंतरिक्ष पर जाने वाले दूसरे भारतीय बने। 1984 में राकेश शर्मा के उड़ान भरने के बाद यह यात्रा हुई। एक्जिओम-4 मिशन के तहत शुभांशु ने ISS में 7 टेस्ट किए थे। शुभांशु शुक्ला और उनकी टीम ने मिलकर 60 से ज्यादा प्रयोग किए थे, जिनमें मानव स्वास्थ्य, अंतरिक्ष कृषि और अंतरिक्ष सूट के मटीरियल से जुड़े परीक्षण शामिल थे। वह 16 जुलाई को पृथ्वी पर लौटे थे।

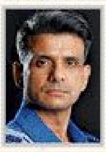

कैसे करें वोट पांचों शख्सियतों में से आपको जो भी NBT प्रगतिशील इंडियन ऑफ द ईयर लगता है, उसका ऑप्शन हमें फोन नंबर **9220747220** पर वट्सऐप करें। मसलन, अगर आपकी चॉइस दिव्या देशमुख है तो मैसेज में C लिखकर अपना जवाब हमें भेज दें।

बांग्लादेश की पहली महिला पीएम जिया नहीं रहीं

80 साल की थीं खालिदा

20 दिनों से वेंटिलेटर पर थीं

एक थीं खालिदा

3 दिन का राजकीय शोक, पीएम मोदी ने जताया दुख

■ पीटीआई, ढाका

बांग्लादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री और बांग्लादेश नैशनलिस्ट पार्टी (BNP) की प्रमुख खालिदा जिया का मंगलवार सुबह 6 बजे ढाका में निधन हो गया। वह 80 साल की थीं और पिछले करीब 20 दिनों से वेंटिलेटर सपोर्ट पर थीं। खालिदा सीने में इन्फेक्शन, लिवर, किडनी, डायबिटीज, गठिया और आंखों की परेशानी से जूझ रही थीं। पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान की पत्नी खालिदा वह 1991 से 1996 और 2001 से 2006 तक दो बार बांग्लादेश की प्रधानमंत्री रहीं। पीएम नरेन्द्र मोदी ने 2015 में ढाका में खालिदा से मुलाकात की तस्वीर शेयर कर दुख जताया। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ने मंगलवार को अपनी कट्टर प्रतिद्वंद्वी खालिदा जिया के निधन पर शोक व्यक्त किया।

1991 और 2001 में दो बार बनी थीं बांग्लादेश की पीएम

खालिदा जिया का राजनीतिक जीवन काफी उथलपुथल भरा रहा। 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान पाकिस्तानी सेना ने उन्हें नजरबंद कर दिया था। वह जुलाई से दिसंबर तक पाकिस्तानी सेना की कैद में रही थीं। 16 दिसंबर 1971 को पाकिस्तान की हार के बाद खालिदा जिया को रिहा किया गया। साल 2015 में ढाका में मेयर चुनाव के प्रचार के दौरान उनके काफिले पर गोलीबारी और पत्थरबाजी भी हुई थी। खालिदा जिया के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए भारत की ओर से विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ढाका जाएंगे।

भारत में बांग्लादेश के उच्चायुक्त को ढाका बुलाया

भारत में बांग्लादेश के उच्चायुक्त रियाज हमीदुल्लाह विदेश मंत्रालय के आपात बुलावे पर सोमवार रात को ढाका पहुंच गए। सोमवार देर रात मिली रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों में तनाव के बीच यह कदम उठाया गया है। विदेश मंत्रालय के सूत्रों के हवाले से बताया गया कि इस बुलावे पर हमीदुल्लाह सोमवार की रात को ही ढाका पहुंच गए।

भारत में हुआ था जन्म

खालिदा जिया का जन्म 15 अगस्त 1945 को पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी में हुआ था। जन्म से ठीक दो साल बाद 1947 में भारत विभाजन के बाद जलपाईगुड़ी जिले के कुछ हिस्से (जैसे दक्षिण दिनाजपुर के कुछ क्षेत्र) अस्थायी रूप से पूर्वी पाकिस्तान में शामिल हो गए थे, लेकिन बाद में उन्हें वापस भारत में मिला लिया गया। 16 दिसंबर 1971 को भारतीय हस्तक्षेप के बाद पाकिस्तानी सेना के आत्मसमर्पण के साथ बांग्लादेश एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में अस्तित्व में आया। खालिदा जिया का राजनीति में प्रवेश 1980 के दशक में हुआ था।

जलपाईगुड़ी में जन्म हुआ, पर भारत विरोधी रहीं

पाकिस्तान में बीता था बचपन

खालिदा जिया ऐसी शख्सियत थीं जिनका जन्म भारत में हुआ, पर बचपन पाकिस्तान में बीता और सियासत की शुरुआत की तीसरे देश बांग्लादेश से। वह बांग्लादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं। खालिदा जिया ने बांग्लादेश में सैन्य तानाशाह के खिलाफ जन आंदोलन छेड़ कर 1990 में तत्कालीन तानाशाह और पूर्व सेना प्रमुख एच.एम. इरशाद का पतन करने में अहम भूमिका निभाई थी। 1981 में अपने पति की हत्या के बाद उन्होंने बांग्लादेश नैशनलिस्ट पार्टी का नेतृत्व किया और पहली बार 1991 में प्रधानमंत्री बनीं।

खालिदा जिया के कार्यकाल में रिश्तों में अविश्वास और असहजता रही

Alpyu.Singh@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** खालिदा जिया का जन्म भारत में हुआ था, लेकिन उनकी राजनीति का आधार भारत विरोध की वजह से ही मुखर रहा। भारतीय अधिकारियों ने कई बार चिंता जताई कि उनके कार्यकाल में नॉर्थ ईस्ट से जुड़े उल्फा जैसे चरमपंथी गुटों को बांग्लादेश में शरण मिलती थी। इसके अलावा उन पर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI से संबंध रखने के भी आरोप लगते रहे हैं। जिया पहली बार 1992 में सार्क शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए भारत आई थीं। उसी दौरान 'तीन बीघा कॉरिडोर' को लीज पर देने से जुड़े समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। तीन बीघा कॉरिडोर दोनों देशों की जमीन पर स्थित एक संकरी पट्टी है, जिसे जून 1992 में भारत ने बांग्लादेश को 999 साल के लिए पट्टे पर दिया। हालांकि, दिल्ली और ढाका के संबंध तनावपूर्ण ही बने रहे। वह बांग्लादेश की पहली प्रधानमंत्री थीं, जिन्होंने दोनों देशों के बीच जल बंटवारे से जुड़े विवाद को संयुक्त राष्ट्र तक पहुंचाया। 1993 में उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने भाषण के दौरान इस मुद्दे का उल्लेख किया।

2015 में खालिदा जिया ने पीएम नरेन्द्र मोदी की ढाका यात्रा के दौरान उनसे मुलाकात की थी

कट्टरपंथियों के साथ रही नजदीकी

BNP की इस्लामी समूहों के साथ नजदीकी का ही नतीजा था कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसक घटनाएं देखने को मिलती रही हैं। इस तरह की हिंसक घटनाएं ना सिर्फ साल 1992 बल्कि 2001 के चुनाव में भी दिखीं। इससे दोनों देशों के कूटनीतिक संबंधों पर नकारात्मक असर पड़ा। 2006 में जिया ने भारत का दौरा किया था और इस दौरान उन्होंने तत्कालीन पीएम डॉ. मनमोहन सिंह से मुलाकात की थी।

'बैटल ऑफ गलवान' पर चीन में चिंता, भारत ने कहा- कलात्मक स्वतंत्रता

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

चीनी सरकार समर्थित अखबार ग्लोबल टाइम्स ने ऐक्टर सलमान खान की फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' की आलोचना की है। अखबार ने दावा किया कि यह फिल्म 2020 में गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हुई झड़पों से जुड़े तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रही है। ग्लोबल टाइम्स ने एक चीनी विशेषज्ञ के हवाले से कहा कि बॉलीवुड फिल्में अधिकतर मनोरंजन और भावनात्मक प्रस्तुति पर आधारित होती हैं, लेकिन किसी भी तरह की सिनेमाई अतिशयोक्ति इतिहास को बदल नहीं सकती और न ही पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (PLA) की चीन की संप्रभुता की रक्षा करने की प्रतिबद्धता को कमजोर कर सकती है।

सैनिकों के बीच 2020 में गलवान घाटी में हुआ था संघर्ष

TOI के मुताबिक, यह फिल्म जून 2020 में लाइन ऑफ कंट्रोल (LAC) के पास लद्दाख की गलवान घाटी में भारतीय और चीनी सेनाओं के बीच हुई हिंसक झड़पों से प्रेरित बताई जा रही है। 16 जून 2020 की उस झड़प में भारतीय सेना के 20 जवान शहीद हुए थे, जबकि चीनी पक्ष को भी भारी नुकसान उठाना पड़ा था, हालांकि चीन ने आधिकारिक तौर पर अपने हताहतों का विवरण लंबे समय तक सार्वजनिक नहीं किया। फिल्म का टीजर सलमान खान के जन्मदिन के मौके पर रिलीज किया गया, जिसे उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किया।

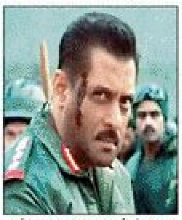

ऐक्टर सलमान खान ने इंस्टाग्राम पर मूवी का टीजर शेयर किया है।

टीजर में लड़ाई के दृश्य शामिल हैं

टीजर में सलमान खान एक भारतीय सेना के अधिकारी की भूमिका में दिख रहे हैं। टीजर में आमने-सामने की लड़ाई के दृश्य भी शामिल हैं, जो उच्च हिमालयी क्षेत्रों में तैनात सैनिकों की चुनौतियों को दर्शाते हैं। गलवान घाटी की घटना के बाद भारत और चीन के बीच तनाव काफी बढ़ गया था।

चीन का दावा- भारत, पाक संघर्ष रुकवाया

चीन के विदेश मंत्री वांग यी (Wang Yi) ने कहा है कि इस साल चीन ने जिन वैश्विक मुद्दों में मध्यस्थता की, उनमें भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव भी शामिल है। पेइचिंग में वांग ने दावा किया कि चीन ने निष्पक्ष रुख अपनाते हुए कई क्षेत्रीय संघर्षों में शांति बहाल करने की कोशिश की। भारत ने इस दावे को पहले ही खारिज कर दिया है।

UN प्रमुख का नए साल का संदेश हिंदी में

■ **पीटीआई, संयुक्त राष्ट्र:** पहली बार संयुक्त राष्ट्र (UN) प्रमुख एंटोनियो गुटेरेस ने 2026 के लिए अपना नववर्ष संदेश हिंदी सहित अन्य भाषाओं में जारी किया है। गुटेरेस ने अपने संदेश में विश्व नेताओं से आज विकास में निवेश करने का आह्वान किया, ना कि विनाश (युद्ध) में। गुटेरेस का नववर्ष संदेश 11 भाषाओं में जारी किया गया है, जिनमें संयुक्त राष्ट्र की छह आधिकारिक भाषाएं अरबी, चीनी, अंग्रेजी, फ्रेंच, रूसी और स्पेनिश के साथ-साथ हिंदी और उर्दू भी शामिल हैं। उनके वीडियो संदेश में हिंदी सबटाइटल भी हैं।

कार्बाइन और टॉरपीडो खरीद को मंजूरी

■ **पीटीआई, नई दिल्ली:** रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को 4,666 करोड़ रुपये के कॉन्ट्रैक्ट पर साइन किए, जिसके तहत 4.25 लाख से ज्यादा क्लोज क्वॉर्टर बैटल कार्बाइन और 48 हेवी टॉरपीडो खरीदे जाएंगे। मंत्रालय ने बताया कि भारतीय सेना और नेवी के लिए 2,770 करोड़ रुपये के बैटल कार्बाइन और एक्सेसरीज का कॉन्ट्रैक्ट भारत फोर्ज लिमिटेड और PLR सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ साइन किया गया। मंत्रालय ने कहा कि इस खरीद से छह कलवरी क्लास पनडुब्बियों की युद्धक क्षमता काफी बढ़ जाएगी।

अब फोटो छपवाने का मौका भी

खबरों का ज्ञान

रोज की खबरों पर कितनी पैनी नजर है, आजमाएं

1. बांग्लादेश की पहली महिला पीएम खालिदा जिया नहीं रहीं। वह पहली बार कब प्रधानमंत्री बनी थीं?
A. 1991 B. 1996 C. 2006
2. सलमान खान की आने वाली कौन सी मूवी को लेकर चीन की मीडिया ने ऐतराज जताया है?
A. ऑपरेशन सिंदूर B. बैटल ऑफ LAC C. बैटल ऑफ गलवान
3. VB-G RAM G के खिलाफ किस राज्य की विधानसभा ने प्रस्ताव पास किया है?
A. केरल B. पंजाब C. गोवा
4. भारत सरकार ने बताया है कि इंडियन इकॉनमी चौथे नंबर पर आ गई है। इनमें से किस देश को पीछे छोड़ा?
A. चीन B. जापान C. ब्रिटेन
5. गृह मंत्रालय ने NIA प्रमुख का अतिरिक्त प्रभार किसे सौंपा है?
A. अनुज चौधरी
B. तरुण गाबा
C. राकेश अग्रवाल

कल के जवाब

A1 C. बिहार A2 A. ओमान A3 A. 79 हजार करोड़ A4 B. 6.7% A5 C. 966

लकी विनर्स

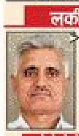

1. सतीश गौड़, नई दिल्ली
2. अंशुल चौधरी, ग्रेटर नोएडा
3. वारिस अली खान, लखनऊ

ऐसे भेजें अपने जवाब

अपने नाम, शहर के साथ जवाब भेजें nbtreader@timesofindia.com पर, साथ में फोटो भी भेजें। सब्जेक्ट में KKG लिखें। हर दिन सभी सही जवाब देने वाले तीन चुनिंदा रीडर्स में से एक का फोटो और दो के नाम छापे जाएंगे। जवाब आज के पेपर की खबरों में ही छिपे हैं।

यंग लीडर्स से 12 जनवरी को प्रधानमंत्री करेंगे बात

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक लाख युवा लीडर तैयार करने की दिशा में शुरू किए गए मिशन विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग का दूसरा एडिशन इस बार कई मायनों में खास होगा। मोदी 12 जनवरी को युवाओं के साथ बात करेंगे, उनके सुझावों को सुनेंगे और विकसित भारत के विजन पर चर्चा करेंगे। विश्व कप विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर, अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला, उद्यमी श्रीधर वेम्बू, हाल ही में हुए बिहार चुनाव में जीत हासिल करने वाली और निशानेबाजी में भारत का नाम रोशन करने वाली श्रेयसी सिंह, गायिका मैथिली ठाकुर, सुपर 30 के संस्थापक आनंद कुमार भी युवाओं से बात करेंगे। केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि प्रधानमंत्री ने संकल्प लिया था कि राजनीति में बिना राजनैतिक पृष्ठभूमि के 1 लाख युवाओं को जोड़ा जाए।

केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया

बॉर्डर के हीरो ईस्टर्न लद्दाख की कठिन परिस्थियों में आर्मी को देते हैं लॉजिस्टिक सपोर्ट, जास्कार पोनी और ड्रोन गिराने वाले चील भी दिखेंगे

पहली बार कर्तव्य पथ पर देख सकेंगे डबल हंप ऊंट

Poonam.Pandey@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** इस बार गणतंत्र दिवस परेड में कर्तव्य पथ में पहली बार इंडियन आर्मी के डबल हंप ऊंट और जांस्कार पोनी के साथ ही ड्रोन को मार गिराने के लिए ट्रेंड किए गए ईगल (चील) भी दिखेंगे। आर्मी की रिमाउंट एंड वेटरनरी कोर (RVC) के दस्ते में ये सब दिखाई देंगे। वेटरनरी कोर के इस दस्ते को कैप्टन हर्षिता लीड करेंगी। आर्मी के वेटरनरी कोर में करीब तीन साल पहले ही महिला अफिसर्स को लेना शुरू किया गया और कैप्टन हर्षिता पहले बैच में शामिल थीं।

ईस्टर्न लद्दाख की विषम परिस्थितियों में लॉजिस्टिक सपोर्ट के लिए डबल हंप ऊंट और जांस्कार पोनी का इस्तेमाल किया जा रहा है। दस्ते में दो बैक्ट्रियन (दो कूबड़ वाले) ऊंट शामिल होंगे। करीब दो साल पहले ईस्टर्न लद्दाख में एक नई पहल के तहत इनका इस्तेमाल शुरू किया गया। इनका इस्तेमाल अंतिम छोर तक जरूरी सामान पहुंचाने और पहाड़ी इलाकों की रेतीली जमीन में गश्त के लिए किया जाता है। ये माइनस 20 डिग्री तापमान में आराम से काम कर सकते हैं और 15 से 18 हजार फीट की ऊंचाई में इनका इस्तेमाल किया जा रहा है। ये 200 किलो तक का वजन उठा सकते हैं।

दो कूबड़ वाले ऊंट माइनस 20 डिग्री तापमान में आराम से काम कर सकते हैं।

माइनस 40 डिग्री में पहुंचाते हैं रसद

ईस्टर्न लद्दाख में आर्मी जास्कार पोनी का भी इस्तेमाल कर रही है। ये मजबूत और सहनशील देसी नस्ल के घोड़े हैं, जो बेहद कठिन मौसम में भी कम बीमार पड़ते हैं। ये माइनस 40 डिग्री तापमान में भी काम कर सकते हैं। ये 70 किलो तक का वजन ढो सकते हैं।

ड्रोन गिराने वाले चील

रिमाउंट एंड वेटरनरी कोर के दस्ते में चार रैप्टर्स भी दिखेंगे। ये ड्रोन को मार गिराने वाले चील हैं। जिन्हें इस तरह ट्रेंड किया गया है जो पलभर में लपककर ड्रोन को नीचे गिरा सकते हैं। युद्धाभ्यास में कई बार इन्हें भी शामिल किया गया है और इनकी ट्रेनिंग जारी है। दस्ते में पांच इंडियन ब्रीड में 10 कैनाइन सोल्जर (ट्रेंड डॉग्स) भी होंगे। ये मुधोल हाउंड, रामपुर हाउंड, चिप्पीपराई, कोम्बाई, राजा पलियम ब्रीड के हैं।

दिल्ली महानगर

नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । बुधवार, 31 दिसंबर 2025

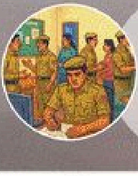

दिल्ली पुलिस में SI से लेकर सिपाही तक के लिए करियर के शुरुआती छह साल तक थाने की पोस्टिंग काटनी अनिवार्य कर दी गई है। -p5

सरकारी स्कूलों में सीनियर स्टूडेंट्स यानी क्लास 9 से 12 के लिए 1 से लेकर 9 जनवरी तक रेमेडियल क्लासेज चलेंगी। -p6

388 रहा AQI मंगलवार को। मुख्य प्रदूषक पीएम 2.5 रहा।

9.4 डिग्री रहा न्यूनतम तापमान मंगलवार को। आज दिल्ली में कोहरा रहेगा घना।

www.delhi.nbt.in

महानगर में आज

छोटी-छोटी खुशियां
त्रिवेणी कला संगम में आर्ट एग्जिबिशन 'छोटी-छोटी खुशियां', तानसेन मार्ग, मंडी हाउस, सुबह 11 बजे से शाम 7 बजे तक। कलाकार शीला चमड़िया ने अपनी इस एग्जिबिशन के साथ अपने भाव स्कल्पचर में उतारे हैं।

अनुनाद
ललित कला अकादमी में आर्ट शो 'क्रोमैटिक रिसोनेंस', फिरोजशाह रोड, मंडी हाउस, सुबह 11 बजे से शाम 7 बजे तक। कलाकार झुनू सरकार की इस आर्ट एग्जिबिशन के साथ उनकी नामी 'सृष्टि' सीरीज से कई खूबसूरत आर्टवर्क देखे जा सकते हैं।

क्रिएटिव परतें
त्रिवेणी कला संगम में स्कल्पचर एग्जिबिशन 'परसेप्शन अनफोल्ड', श्रीधरनी आर्ट गैलरी, मंडी हाउस, सुबह 11 बजे से शाम 7 बजे तक। आर्टिस्ट विकू सिकदर की इस एग्जिबिशन के साथ उनके क्रिएटिव स्कल्पचर, इंस्टॉलेशन निहारे जा सकते हैं।

सिटी में हो रहे इवेंट्स की जानकारी हमें भेजें nbtreader@timesofindia.com पर

ठिठुरती रातों में बसेरे की जंग

सर्द रात में एम्स के बाहर मरीज और तीमारदार इलाज ही नहीं, रैन बसेरे की बदहाल व्यवस्था से भी जूझ रहे हैं। कहीं बेड के लिए वेटिंग है तो कहीं फटे कंबल, जमीन पर सोने की मजबूरी और चूहों का डर। मरीजों की बदहाली पर *अभिषेक गौतम* की ग्राउंड रिपोर्ट :

8 डिग्री पारा, फटी चादर और चूहों का पहरा

एम्स और IIT फ्लाईओवर के पास बने अस्थाई रैन बसेरे का आंखों देखा हाल :

NBT रिएलिटी चेक

■ **रात के** करीब 1 बजे, पारा 8 डिग्री, घना कोहरा और एम्स के बाहर कंक्रीट की ठंडी जमीन पर बिछी चंद फटी चादरें। यह नजारा है देश के सबसे बड़े अस्पताल के बाहर का, जहां मरीज बीमारी से बाद में, पहले मौसम की बेरुखी से लड़ रहे हैं। अपनों के इलाज की आस में आए इन लोगों के लिए सर्दी की यह काली रात किसी सजा से कम नहीं है। कहीं रैन बसेरों में बेड का इंतजार है, तो कहीं चूहों और बदबूदार कंबलों के बीच कटती रातें।

रैन बसेरे में खाली बेड, फिर भी दिल की मरीज बाहर

AIIMS गेट नंबर-3 | रात 11:45pm

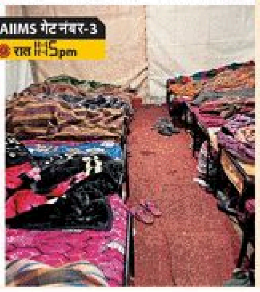

एम्स के गेट नंबर 3 के पास करीब 20 से ज्यादा मरीज और परिजन कंक्रीट की ठंडी जमीन पर सो रहे थे। इनके पास न कंबल है, न छत। मध्य प्रदेश से आए रामाधीन की पत्नी दिल की मरीज है और पिछले एक महीने से एम्स के चक्कर काट रही है।

रामाधीन बताते हैं, ठंड इतनी है कि रात काटना दूभर है। तीन दिन से रैन बसेरे में बेड के लिए चक्कर लगा रहा हूं, लेकिन जगह नहीं मिली। रैन बसेरे में करीब 10 बेड खाली होने के बावजूद उन्हें जगह नहीं दी जा रही। नतीजा यह है कि दिल की एक मरीज खुले आसमान के नीचे ओस और कोहरे के बीच ठिठुरने को मजबूर है।

फटे कंबल, बदबूदार बिस्तर

AIIMS गेट नंबर-4 | रात 12:15pm

एम्स के गेट नंबर 4 के पास दिल्ली सरकार द्वारा संचालित अस्थाई रैन बसेरे तो बने हैं, लेकिन वहां की स्थिति दयनीय है। एनबीटी की पड़ताल में पाया गया कि लोगों को जो कंबल बांटे गए हैं, वे न केवल पुराने हैं बल्कि जगह-जगह से फटे हुए हैं। वहां रह रहे राजू भगत का कहना है कि न तो बेडशीट बदली जाती है और न ही सफाई होती है। कुछ कंबलों से इतनी दुर्गंध आती है कि उन्हें ओढ़ना मुश्किल हो जाता है, लेकिन हाड़ कंपाती सर्दी में कोई दूसरा विकल्प भी नहीं है।

जब रिपोर्टर ने फटे कंबलों पर सवाल किया, तब जाकर वहां के कर्मचारियों ने आनन-फानन में उन्हें बदलना शुरू किया।

ठंड के साथ चूहों का खौफ

IIT फ्लाईओवर | रात 12:15pm

आईआईटी फ्लाईओवर के नीचे बने 20 बेड वाले रैन बसेरे में क्षमता से अधिक लोग हैं। जो अंदर नहीं समा पाए, वे बाहर अलाव के सहारे रात काट रहे हैं। लेकिन जो अंदर हैं, वे भी चैन की नींद नहीं सो पा रहे। रैन बसेरे की जमीन पर चूहों का आतंक है।

वहां मौजूद एक युवक ने बताया कि चूहों के डर से बच्चे बेड से नीचे उतरने की हिम्मत नहीं करते। कई लोगों के जूते-चप्पल चूहे कुतर चुके हैं।

कैंसर मरीजों का ठिकाना: बस स्टॉप और मेट्रो गेट

साउथ एक्सटेंशन | रात 12:48pm

साउथ एक्सटेंशन बस स्टॉप और एम्स मेट्रो स्टेशन के गेट इन मरीजों के लिए आखिरी सहारा बने हुए हैं, जिन्हें कहीं जगह नहीं मिली। बिहार से आए रामेश्वर मांझी की पत्नी कैंसर से जूझ रही हैं।

रामेश्वर बताते हैं कि रैन बसेरे में पहले से ही लोगों का 'कब्जा' है, इसलिए वे मेट्रो गेट नंबर 2 के पास तिरपाल डालकर रहने को मजबूर हैं। कैंसर के दर्द और ठंड की दोहरी मार झेल रही उनकी पत्नी के पास कराहने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा है।

कंबल के लिए रात में लगती है दौड़

एम्स के बाहर रोजाना सैकड़ों लोग ठिठुरते हुए नजर आते हैं। कई सामाजिक संगठन रात में कंबल बांटने के लिए एम्स की सड़क के पास आते हैं। जहां उनकी गाड़ी रुकती देख बेसहारा और तीमारदारों की दौड़ शुरू हो जाती है। वह एक कंबल के लिए गाड़ियों के पीछे भागते हैं। जिसमें कुछ कंबल हासिल कर पाते हैं तो कुछ के हाथ खाली रहते हैं।

बिस्तर मिल गए, पानी और खाना नहीं

वेलकम मेट्रो स्टेशन के पास | सोमवार रात 11:00pm

केवल एक टेंट में वॉटर डिस्पेंसर लगा मिला। यह नाइट शेल्टर 4-5 दिन पहले ही शुरू किया गया है।

वेलकम मेट्रो स्टेशन की पार्किंग के बराबर में खाली पड़े ग्राउंड में चार टेंट लगाए गए हैं। एक टेंट में 20 फोल्डिंग पलंग लगाए हैं। इस तरह से यहां 80 लोगों के लिए व्यवस्था की गई है। यह नाइट शेल्टर 4-5 दिन पहले ही शुरू किया गया है। टेंटों के बाहर लगाए गए बोर्डों पर बड़े-बड़े शब्दों में लिखा हुआ है कि इस नाइट शेल्टर में आरामदायक बिस्तरों के अलावा पीने के लिए साफ पानी, कंबल, खाना, प्राथमिक चिकित्सा और शौचालय की सुविधा दी गई है, लेकिन अभी तक न तो खाना मिल रहा है और न ही पीने का पानी। एक टेंट में वॉटर डिस्पेंसर लगा मिला। अगर नाइट शेल्टर में भीड़ बढ़ती है तो एक वॉटर डिस्पेंसर से काम नहीं चल पाएगा। इसके अलावा यहां टायलेट के लिए भी अभी पानी की व्यवस्था नहीं हो पाई। यहां मौजूद पवन ने बताया कि, वह मजदूरी करते हैं। श्याम लाल कॉलेज के सामने फुटपाथ पर सोते हैं, 4-5 दिन पहले एनजीओ के कुछ लोग उनके पास पहुंचे और शेल्टर में लेकर आ गए। नाइट शेल्टर में क्या सुविधाएं मिल रही हैं? इसके जवाब में उनका कहना था कि रात के समय सोने के लिए अच्छी जगह मिल गई। खाना बाहर खाकर आ जाते हैं। हरीश चंद्र ने बताया कि बेलदारी का काम करते हैं। सोने की अच्छी व्यवस्था है, 4-5 दिन से इसी शेल्टर में सोते हैं। सुनील ने बताया

खाने की क्वॉलिटी पर विरोध

जनकपुरी (वेस्ट) मेट्रो स्टेशन | रात 10:00pm

जनकपुरी (वेस्ट) मेट्रो स्टेशन के पास पोर्टा केबिन में बने रैन बसेरे में भी अव्यवस्था दिखी। यहां रहने वाले कुछ लोग सोमवार रात 10 बजे बाहर से खाना मंगाकर खाते दिखे, तो कोई खाने की क्वॉलिटी को लेकर केयरटेकर को शिकायत करते मिले। इस रैन बसेरे में 5-6 साल से रहने वाले गिरधारी लाल की शिकायत थी कि यहां रहने की कोई समस्या नहीं है। कंबल, बिस्तर और बेड सभी ठीक हैं। लेकिन, खाने की क्वॉलिटी इतनी खराब है कि गले से नीचे नहीं उतरता। पिछले 4 साल से खाने की क्वॉलिटी को लेकर शिकायत की जा रही है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं है।

दुर्गा प्रसाद भी इस रैन बसेरे में कई साल से रह रहे हैं। उन्होंने भी खाने की क्वॉलिटी को लेकर शिकायत की। उन्होंने बताया कि नहाने के लिए गरम पानी की व्यवस्था भी नहीं है।

कल पूछे गए सवाल पर आपका फैसला

NCR के शहरों की रेस में नोएडा ने साइबर सिटी गुरुग्राम को पछाड़ा

'फेवरेट NCR सिटी' के पोल में नोएडा 'असली बॉस' बनकर उभरा, तो लग्जरी लाइफस्टाइल के बावजूद गुरुग्राम की चमक थोड़ी कम रही।

B 50% दिल्लीवाले नोएडा पर फिदा हुए। बेहतर ट्रैफिक, जलभराव से राहत, के साथ नोएडा ने जीता दिल।

A 30% लोगों के मुताबिक साइबर सिटी गुरुग्राम का ग्लैमर तो है, पर दूसरे नंबर पर खिसका।

C 10% लोगों ने माना कि भीड़भाड़ से दूर सुकून और देसी वाइब चाहने वालों में फरीदाबाद हिट है।

D 10% वोट गाजियाबाद को मिले। मेट्रो और शानदार रोड नेटवर्क के जरिए गाजियाबाद ने दिल्ली से दूरी तो कम कर दी, पर लोगों की 'पहली पसंद' बनने की रेस में अभी दूर रहा।

चर्च के निर्माण स्थल पर तोड़फोड़ का आरोप

■ NBT रिपोर्ट, गुड़गांव

गुड़गांव के सेक्टर 56 का मामला

महापंचायत के बाद सेक्टर-56 स्थित टीकली गांव में एक चर्च के निर्माण स्थल पर तोड़फोड़ किए जाने का मामला सामने आया है। रजिस्टर्ड धार्मिक-चैरिटेबल संस्था का आरोप है कि रविवार रात करीब 10 बजे कुछ असामाजिक तत्वों ने निर्माण स्थल में घुसकर सीसीटीवी कैमरे, बिजली के उपकरणों को नुकसान पहुंचाया और निगरानी से जुड़े उपकरण अपने साथ ले गए। इस मामले की पुलिस जांच कर रही है फिलहाल कोई केस दर्ज नहीं किया गया है। वहीं, चर्च का निर्माण कार्य बंद कराने की मांग को लेकर टीकली, नूरपुर, पलड़ा, अकलीमपुर, गैरतपुर बांस, सकतपुर व रामपुरा, बादशाहपुर सहित कई गांव के लोगों ने सीएम को संबोधित ज्ञापन डीसी को सौंपा है।

संस्था के लोगों का आरोप है कि रात के समय कुछ लोग लोहे की रॉड और पाइप लेकर मुख्य गेट पर जोर-जोर से पीटने लगे। इनमें से कम से कम चार लोग गेट फांदकर अंदर घुसे और खंभे पर लगे सीसीटीवी कैमरों को तोड़ दिया। इसके अलावा बिजली की लाइट फिटिंग क्षतिग्रस्त कर दी, जिससे शॉर्ट सर्किट हुआ और केबलों में आग लग गई। आरोप है कि हमलावरों ने मौके पर मौजूद दो केयरटेकरों को धमकाया और उनकी झोपड़ी से सीसीटीवी का डीवीआर और वाई-फाई राउटर उठा ले गए। हमलावरों ने अपने चेहरे कपड़े से ढके हुए थे और निर्माण कार्य जारी रखने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी।

पहले भी दी जा चुकी है धमकी : बताया जा रहा है कि इससे पहले 24 दिसंबर को भी कुछ ग्रामीणों ने निर्माण स्थल पर आकर मजदूरों को काम न करने की धमकी दी थी। इसके दो दिन बाद 26 दिसंबर को गांव में एक महापंचायत हुई, जिसमें चर्च निर्माण को लेकर कड़ा विरोध जताया गया। संस्था का आरोप है कि महापंचायत में आपत्तिजनक भाषण भी दिए गए।

पुलिस की सुरक्षा में होगा निर्माण: एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि चर्च निर्माण स्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य एकत्र किए गए हैं और केयरटेकरों के बयान दर्ज किए गए हैं।

जांच जारी है, हालांकि अभी एफआईआर दर्ज नहीं की गई है, लेकिन चर्च की संस्था को निर्माण कार्य जारी रखने की अनुमति दी गई है और सुरक्षा के लिए पुलिस बल तैनात किया जाएगा।

किस आधार पर दिया CLU

■ NBT रिपोर्ट, गुड़गांव
गांव टीकली में चर्च बनाए जाने के मामले ने गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) को कटघरे में खड़ा कर दिया है। लोगों का आरोप है कि एरिया में एक भी ईसाई परिवार नहीं होने के बावजूद चर्च बनाने के लिए सीएलयू दे दिया गया, ऐसा किस आधार पर किया गया।

डॉग बाइट को लेकर दो पक्षों में मारपीट, 8 लोग घायल

NBT रिपोर्ट,नई दिल्ली: गीता कॉलोनी इलाके में सोमवार रात पालतू कुत्ते ने पड़ोसी के नौकर को काट लिया। जिसके बाद दोनों पक्षों में कहासुनी और मारपीट हो गई। मारपीट के दौरान दोनों पक्ष के करीब 8 लोग घायल हो गए। सूचना के बाद मौके पर पुलिस वाले पहुंच गए और मामले को शांत कराया। फिलहाल गीता कॉलोनी पुलिस मामले की जांच कर रही है।

डीसीपी प्रशांत गौतम ने बताया कि 29 दिसंबर की रात को गीता कॉलोनी पुलिस को पालतू कुत्ते के काटने की पीसीआर कॉल मिली थी। मामला रात 11 बजे के आसपास हुआ था। मौके पर पुलिस को रानी गार्डन निवासी रिजवान उर्फ रानू (40) मिले। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनकी पड़ोसी नीलम सिंघल के पालतू कुत्ते ने उनके नौकर सार्थक नेगी को काट लिया। इस पर उन्होंने नीलम सिंघल से कुत्ते को नियंत्रण में रखने के लिए कहा, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच बहस शुरू हो गई।

फर्ज़ी दस्तावेजों से भारतीय सिम कार्ड लेकर विदेशियों को बेच रहा था, अरेस्ट

Shanker.Singh@timesofindia.com

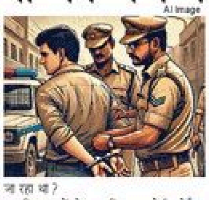

AI image

■ **नई दिल्ली:** फर्जी दस्तावेजों के जरिए सिम कार्ड हासिल कर विदेशी नागरिकों को बेचने वाले एक आरोपी को दिल्ली एयरपोर्ट पर दबोचा गया है। इसकी शिनाख्त मोहम्मद मोतैबुर रहमान मल्लिक (28) के तौर पर हुई है, जो पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले का रहने वाला है।

इससे दो फोन, बोर्डिंग पास और वोटर आईडी बरामद किए गए हैं। एक फोन की जांच करने पर एक ही दिन में 119 सिम कार्ड सप्लाई करने का खुलासा हुआ है। इमिग्रेशन डिपार्टमेंट ने इसे क्राइम ब्रांच को सौंप दिया। पुलिस पता लगा रही है कि इन सिम कार्ड का इस्तेमाल साइबर फ्रॉड या देश के खिलाफ तो नहीं किया जा रहा था?

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, आरोपी मोतैबुर रविवार दोपहर करीब 3:10 बजे आईजीआई एयरपोर्ट पर पहुंचा था। इसे यहां से नेपाल की राजधानी काठमांडू के लिए फ्लाइट पकड़नी थी। इमिग्रेशन में चेकिंग के दौरान इस पर शक हुआ तो पूछताछ और फोन खंगालने पर खुलासा हुआ कि यह विदेशी नागरिकों को भारतीय सिम कार्ड बेचने का काम करता है। आखिरकार संडे देर रात इसे क्राइम ब्रांच को सौंप दिया गया। एक फोन में सिम नहीं था, लेकिन व्हाट्सऐप और टेलिग्राम सक्रिय थे। इससे कई लोगों से भारतीय सिम कार्ड की खरीद-फरोख्त का पता चला।

पुलिस ने की-पैड वाले फोन की गैलरी चेक की तो उसमें 119 भारतीय सिम कार्ड भेजने के 19 दिसंबर तड़के 2:32 बजे से 3:28 बजे तक के नोटिफिकेशन के स्क्रीन शॉट मिले। पूछताछ में आरोपी मोतैबुर ने खुलासा किया कि वह तिब्बती मूल के नेकसान नाम के शख्स के लिए काम करता है, जो हिमाचल प्रदेश में रहता है। मोतैबुर के फोन में क्राइम ब्रांच कई सबूत मिले हैं, जिनमें फोटो, चैट रिकॉर्ड और अन्य डिजिटल डेटा शामिल है।

जाफराबाद में फिर हुई फायरिंग की वारदात, सहमे लोग

CCTV में एक आरोपी रंगदारी मांगते और मारपीट करते हुए कैद, वारदात में एक शख्स घायल

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

जाफराबाद में मंगलवार दोपहर करीब तीन से चार बदमाशों ने एक के बाद एक फायरिंग और लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया। इनमें से एक जगह एक आरोपी दुकानदार से रंगदारी मांगते हुए और हथियार के बट से हमला करते हुए सीसीटीवी में कैद हो गया। एक साथ हुई वारदात के बाद इलाके में अफरातफरी मच गई और लोग इधर-उधर भागने लगे। सूत्रों के मुताबिक, बदमाश पिछले एक-दो दिन से लगातार रंगदारी मांगने और लूटपाट की वारदात को अंजाम दे रहे थे। फायरिंग में एक शख्स घायल हो गया, जिसे जगप्रवेश चंद्र अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल युवक की पहचान चौहान बांगर निवासी आदिल (24) के तौर पर हुई है। वह सब्जी बेचकर अपना गुजारा करते हैं। जाफराबाद पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है और वारदात में शामिल आरोपियों की तलाश कर रही है। डीसीपी आशीष मिश्रा ने बताया कि 30 दिसंबर की दोपहर जाफराबाद पुलिस स्टेशन में गोलीबारी की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ब्रह्मपुरी रोड स्थित घटनास्थल पर पहुंची। वहां शिकायतकर्ता ने बताया कि जब वह पूजा पब्लिक स्कूल वाली गली से गुजर रहा था, तभी दो लोगों ने मोबाइल छीनने की कोशिश की। विरोध करने पर हमलावरों ने गोली चला दी और मौके से फरार हो गए। घायल को तुरंत जेपीसी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

मोबाइल छीनने का विरोध करने पर हमलावरों ने चलाई गोली

बताया गया कि इससे पहले बदमाशों ने एक महिला से लूटपाट की थी। इसके बाद उनका एक साथी हथियार लेकर एक दुकानदार के पास पहुंचा और हथियार के बल पर रंगदारी मांगने लगा। आरोपी ने दुकानदार पर फायरिंग की कोशिश भी की, लेकिन गोली नहीं चली। इसके बाद उसने दुकान में रखे सामान इधर-उधर फेंक दिए और दुकानदार पर हथियार के बट से हमला किया। पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

'बदमाशों में नहीं है खौफ'

बता दें कि नॉर्थ ईस्ट जिले में अपराधी लगातार खुलेआम वारदात को अंजाम दे रहे हैं, लेकिन पुलिस उनपर काबू नहीं पा पा रही है। 15 और 16 दिसंबर की रात में चार से पांच बदमाशों ने नदीम और फजील नाम के दो भाइयों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। उस मामले में भी अब तक पुलिस आरोपी तक नहीं पहुंच सकी है। लोगों का आरोप है कि बदमाशों में पुलिस का कोई खौफ नहीं है, इसी वजह से इस बार बदमाश फरार हो गए।

गुमशुदा/अपहृत की तलाश

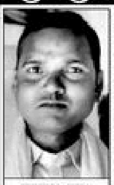

दशरथ राम

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एक पुरुष (फोटो में दिखाया गया है) जिसका नाम **दशरथ राम पुत्र महंगू राम, निवासी:** सेक्टर–24, फरीदाबाद हरियाणा, **स्थायी पता:** वार्ड–4, शाहपुर जगदीशपुर, सारण खोदियाबाग, बिहार, **उम्र**–42 वर्ष, जो कि गेट नं0–4, पटियाला हाउस कोर्ट, नई दिल्ली से दिनांक 23.12.2025 को सांय 07.00 बजे से लापता होने की सूचना मिली है। **DD No. 64A, Dated 25.12.2025,** के तहत **पुलिस स्टेशन तिलक मार्ग, नई दिल्ली,** में पंजीकृत किया गया है। पुरुष का शारीरिक विवरण इस प्रकार है :
लिंग: पुरुष, **कद:** 5'9", **रंग:** सांवला, **चेहरा:** गोल, **शरीर:** सामान्य, **पहचान चिन्ह:** बाएं हाथ पर उसके नाम का टैटू है, **पहनावा:** नीली जैकेट और पैंट और पैरों में काले जूते पहने हुए हैं।
स्थानीय पुलिस द्वारा हर संभव कोशिश के बाद भी इस लापता पुरुष के बारे में कुछ मालूम नहीं हो पाया है। अगर किसी को भी इस पुरुष के बारे में कोई जानकारी मिले तो कृपया निम्नलिखित पर सूचित करें।

थाना प्रभारी,
पुलिस स्टेशन तिलक मार्ग, नई दिल्ली
फोन: 9671378253
वेबसाइट: https://cbi.nic.in
DP/17652/NDD/2025

कैंसर के इलाज के बहाने की दो करोड़ की ठगी

■ **NBT रिपोर्ट, गुड़गांव:** EOW-1 ने ठगी के मामले में एक आरोपी को हैदराबाद से अरेस्ट किया है। आरोपी ने अपनी गर्लफ्रेंड के साथ मिलकर करीब 2 करोड़ से अधिक की ठगी की थी। बहन के कैंसर के नाम पर एक बुजुर्ग से रुपये लिए।

मध्य रेल
शुद्धिपत्र
कृपया ध्यान दें कि इस समाचारपत्र में, दि. 27/12/2025 को प्रकाशित निविदा सूचना संख्या: CR-G402-PR-SocialMedia में ऑनलाइन आवेदन पत्र डाउनलोड करने की प्रारंभ तिथि को 25/12/2025 की जगह 26/12/2025 ऐसा पढ़ा जाए तथा ऑनलाइन आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि को 15-01-2026 को दोपहर 15:00 बजे की जगह 16-01-2026 को दोपहर 15:00 बजे पढ़ा जाए और निविदा खोलने की तिथि को 15-01-2026 को दोपहर 15:30 बजे की जगह 16-01-2026 को दोपहर 15:30 बजे ऐसा पढ़ा जाए। अन्य विवरण में कोई परिवर्तन नहीं है। 777
अनधिकृत रूप से बिना टिकट यात्रा करना दंडनीय अपराध है।

दिल्ली में बनाए जाएंगे दो 'मियावाकी फॉरेस्ट'

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

सामान्य जंगल की तुलना में 30 गुना घने होते हैं मियावाकी फॉरेस्ट

राजधानी में जल्द ही दो नए मियावाकी फॉरेस्ट तैयार हो जाएंगे। वन विभाग इन्हें तैयार करने पर काम शुरू कर चुका है। बीते सोमवार को सचिवालय में इन्हें विकसित करने को लेकर वन विभाग के अधिकारियों के साथ पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने समीक्षा बैठक की।

बैठक के दौरान इन जंगलों के निर्माण की प्रगति की जानकारी ली गई। पर्यावरण मंत्री ने कहा कि मियावाकी फॉरेस्ट दिल्ली के ग्रीन कवर को बढ़ाने के साथ प्रदूषण से लड़ने में भी अहम होंगे। वन विभाग के अधिकारी के अनुसार, नजफगढ़ के पास खरखड़ी जटमल में 6.02 एकड़ और मैनपुर में 11.21 एकड़ जगह में मियावाकी जंगल बनाए जा रहे हैं। इसके अलावा हरियाली बढ़ाने के लिए 15 नगर वन भी तैयार किए जाएंगे। दक्षिणी दिल्ली में सतबारी और मैदानगढ़ी में 18.6-18.6 एकड़ के दो जंगल बनेंगे। उत्तरी और उत्तरी पश्चिमी दिल्ली में भी जंगल बनेंगे। रोहिणी में सात जंगल बनेंगे। यह बरवाला, प्रह्लादपुर बांगर, पंसाली, महमूदपुर माजरा में बनेंगे। नरेला में सी-ब्लॉक नरेला, ममूरपुर, जी7 और जी8 में विकसित किए जाएंगे। अलीपुर में तीन जंगल 12, 12.2 और 28 एकड़ में फैले होंगे।

NBT Lens समाहित खबरों के अंदर की बात

दोनों जंगलों में क्या अंतर होगा?

मियावाकी जंगल में पौधों को पास पास लगाकर जंगल तैयार किया जाएगा। हर जंगल में कम से कम 10 प्रजातियों के पौधे लगेंगे। यह जंगल महज 6 से 8 महीने में घने हो जाएंगे और सामान्य जंगल से 30 गुना घने होंगे। लेकिन इनमें घनत्व ऊपर की तरफ ज्यादा होगा। मिट्टी में हरियाली कम रहेगी। दूसरी तरफ नगर वन में बड़े पेड़ों के बीच तीन मीटर की दूरी होगी। बीच-बीच में झाड़ियां और घास होगी। इनके तैयार होने में 4 से 5 साल का समय लगेगा।

'ज़हरीली हवा के बीच मेट्रो का सफर सबसे सुरक्षित'

AI Image

- CSIR के वैज्ञानिकों ने स्टडी के बाद किया दावा
- मजेंटा लाइन और इसी रूट पर चलने वाली कारों, ऑटो और बस पर की गई स्टडी
- मेट्रो में PM 2.5 और ब्लैक कार्बन का स्तर सबसे कम

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

दिल्लीवाले दिन का बड़ा हिस्सा सड़कों, बसों, ऑटो, कार या मेट्रो में सफर करते हुए बिताते हैं। ट्रैवलिंग के लिए प्रदूषित माहौल में सबसे बेहतर विकल्प क्या है, यह जानने के लिए सेंट्रल रोड रिसर्च इंस्टिट्यूट (सीएसआईआर) के साइंटिस्टों ने अध्ययन किया, जो 29 दिसंबर को जारी किया गया। इस स्टडी को डीएमआरसी की मजेंटा लाइन, कालकाजी मंदिर से मुनिरका के बीच करीब 10.5 किलोमीटर के रूट पर किया गया। इसमें न सिर्फ प्रदूषण स्तर का आकलन किया गया, बल्कि यात्रियों की प्रदूषण को लेकर सोच को भी समझने की कोशिश की गई। सीएसआईआर की सीनियर साइंटिस्ट डॉ. एस पद्मा, डॉ. अनुराधा शुक्ला और इंस्टिट्यूट ऑफ हेल्थ मैनेजमेंट एंड रिसर्च के डॉ. नीतिश डोगरा ने रिपोर्ट तैयार की है।

स्टडी को दो हिस्सों में किया गया। पहले चरण में यात्रियों से पूछा गया कि अलग-अलग परिवहन साधनों में प्रदूषण का कितना खतरा महसूस होता है। दूसरे चरण में इसी रूट पर मेट्रो, बस, कार, ऑटो और टू व्हीलर में पीएम 2.5, पीएम 10 और पीएम 1 के साथ कार्बन मोनोऑक्साइड और ब्लैक कार्बन का स्तर मापा गया। स्टडी के लिए मजेंटा लाइन पर कालकाजी और मुनिरका के बीच कुछ इलाकों का चयन किया गया।

मेट्रो में पीएम 2.5 का स्तर सबसे कम पाया गया, जबकि ऑटो रिक्शा और टू व्हीलर में यह सबसे ज्यादा रहा। खिड़की खुली बस और कार में प्रदूषण का स्तर बंद खिड़की या एसी बस और कार की तुलना में ज्यादा पाया गया। ब्लैक कार्बन का स्तर ऑटो में सबसे ज्यादा और मेट्रो में सबसे कम दर्ज किया गया। दूसरे चरण में अधिकांश यात्रियों ने बस, ऑटो, कार और टेम्पो को मेट्रो की तुलना में ज्यादा प्रदूषित माना। साथ ही, महिलाएं और कम दूरी तय करने वाले यात्री प्रदूषण को लेकर ज्यादा जागरूक दिखे।

स्टडी में यह भी कहा गया कि मेट्रो और अन्य पब्लिक ट्रांसपोर्ट को बढ़ावा देना सिर्फ ट्रैफिक मैनेजमेंट नहीं, बल्कि स्वास्थ्य नीति का भी हिस्सा है। बसों में बेहतर वेंटिलेशन, एसी और डेडिकेटेड लेन प्रदूषण एक्सपोजर को कम कर सकती हैं।

NBT Lens खबरों के अंदर की बात

क्यों चुनी गई मजेंटा लाइन?

CSIR की साइंटिस्ट एस पद्मा ने बताया कि लाइन का चयन इस आधार पर किया गया कि इसका यह हिस्सा रिंग रोड से सटा हुआ है। इसके आसपास कई इंस्टिट्यूशनल एरिया हैं और यह लाइन अंडरग्राउंड है। भले ही सर्वे मजेंटा लाइन पर किया गया हो, लेकिन अंडरग्राउंड लाइन में दूसरी जगहों पर भी इसी तरह के नतीजे सामने आने की संभावना है। हालांकि एलिवेटेड कॉरिडोर के बारे में स्पष्ट तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता। इसके लिए अलग से स्टडी की जरूरत होगी।

Happy New Year पर ऑनलाइन स्कैम से बचें 2026

हम 2026 की दहलीज पर खड़े हैं। समय है कि फ्रॉड-मुक्त भारत में योगदान देने का। अपने डिवाइस में ये 10 सेटिंग्स जरूर चालू करें।

1. (2FA): ईमेल, सोशल मीडिया और बैंकिंग ऐप्स पर 2FA एक्टिव करें
2. अपने ऑपरेटिंग सिस्टम, ब्राउजर और ऐप्स को ऑटो अपडेट पर रखें
3. प्राइवेसी सेटिंग्स: ऐप्स के लिए माइक्रोफोन/कैमरा एक्सेस बंद करें। लोकेशन शेयरिंग सीमित करें
4. SMS, WhatsApp या Telegram पर Apk. संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचें
5. हर अकाउंट के लिए अलग-अलग पासवर्ड का इस्तेमाल करें
6. सुरक्षित वाई-फाई: डिफॉल्ट राउटर पासवर्ड भी बीच-बीच में बदलें
7. बैकअप और रिकवरी: क्लाउड या बाहरी ड्राइव बैकअप एक्टिव करें
8. सुरक्षित ब्राउजिंग: ब्राउजरों में Safe Search और फिशिंग प्रोटेक्शन एक्टिव रखें। Chrome/Edge/ब्राउजरों में फाइल डाउनलोड बंद करें
9. डिवाइस लॉक और एन्क्रिप्शन: हमेशा PIN या बायोमेट्रिक लॉक का यूज करें
10. डिवाइस सेटिंग्स: Install Unknown Apps को अन इंस्टॉल करें

आज जश्न की रात, हड़ताल न बिगाड़े बात

नोएडा और गुड़गांव में गिग वर्कर्स आज और कल रहेंगे स्ट्राइक पर

AI Image

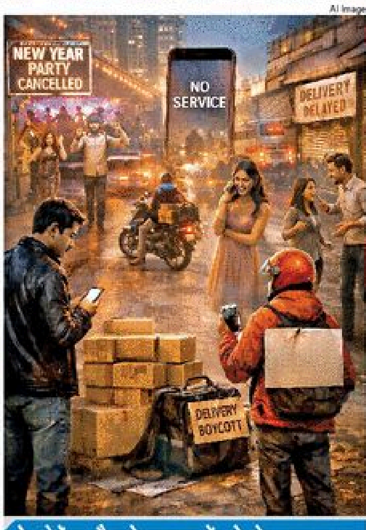

■ NBT न्यूज, गुड़गांव

दिल्ली-एनसीआर में न्यू ईयर के जश्न की तैयारियां चल रही हैं, लोग आउटडोर लोकेशन के साथ घरों पर भी पार्टी ऑर्गनाइज करने की प्लानिंग कर रहे हैं। इस बीच गुड़गांव, नोएडा और एनसीआर के कुछ अन्य शहरों में डिलिवरी बॉयज की हड़ताल ने लोगों की टेंशन बढ़ा दी है।

लोगों को डर है कि कहीं 31 दिसंबर की रात पार्टी का मूड खराब न हो जाए। आखिरी समय पर खाना, केक या जरूरी सामान का ऑनलाइन ऑर्डर अटक जाए। इसी वजह से कई परिवार अब पहले से तैयारी करने में जुट गए हैं ताकि न्यू ईयर पार्टी के दौरान किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

डिलिवरी बॉयज की हड़ताल से न्यू ईयर की पार्टी का मजा न हो किरकिरा

गुड़गांव सेक्टर-81 की लावण्या अपार्टमेंट सोसायटी में रहने वाली सत्या सहाय कहती हैं कि इस बार ऑनलाइन डिलिवरी पर निर्भर रहने का रिस्क नहीं लिया जा सकता। उन्होंने बताया कि परिवार और करीबी दोस्तों के साथ फार्महाउस में न्यू ईयर को सेलिब्रेट करने का प्लान बनाया है, जहां खाने पीने और एंटरटेनमेंट की पूरी व्यवस्था पहले से रहेगी।

उनका कहना है कि जब माहौल अनिश्चित हो तो खुशी के मौके पर बेफिक्र रहना ज्यादा जरूरी है। ऐसे में सभी जरूरी इंतजाम खुद से करने का फैसला किया है। वहीं, सेक्टर-99ए स्थित परिता लक्ष्मी अपार्टमेंट निवासी संतोष सिंह भी यही सोच रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस बार पार्टी के लिए छोटे स्टॉल और लोकल दुकानदारों से ही खाना और सामान खरीदने का प्लान बनाया है, क्योंकि किसी भी समय ऑनलाइन ऑर्डर रुक सकता है और न्यू ईयर पार्टी का मजा किरकिरा हो सकता है।

दिल्ली-एनसीआर में पिछले कुछ साल में ऑनलाइन शॉपिंग, खासतौर से इंस्टा डिलिवरी वाली शॉपिंग पर लोगों की निर्भरता बहुत ज्यादा बढ़ी है। ऐसे में डिलिवरी बॉय की हड़ताल से ऐसे लोगों को दिक्कत हो सकती है।

रेस्टोरेंट और होटल वालों को होगा नुकसान

इधर, गिग वर्कर्स की हड़ताल ने शहर के लगभग 10 हजार छोटे-बड़े रेस्तरां और होटल संचालकों की चिंता भी बढ़ा दी है। सेक्टर-15 के मशहूर सिक्किम रेस्तरां के संचालक कपिल का कहना है कि 25 दिसंबर की हड़ताल में उन्हें खुद ग्राहकों तक ऑर्डर पहुंचाने पड़े थे। अब साल के आखिरी दिन जब सबसे ज्यादा काम मिलने की उम्मीद रहती है, उसी दिन फिर हड़ताल की जा रही है, इससे काम पर 50 से 60 प्रतिशत असर पड़ने की आशंका है। पटौदी चौक के केजीएन बिरयानी पॉइंट के संचालक शानू अहमद का कहना है कि ऑनलाइन ऑर्डर कम होने से नुकसान बढ़ता दिख रहा है और ऐसी स्थिति में अलग स्टाफ रखना भी मुश्किल हो जाता है। सेक्टर-31 की मशहूर अबानी कॉफी शॉप के ओनर विशाल ने भी माना कि हड़ताल से ग्राहकों की संख्या और ऑर्डर पर साफ असर दिखाई दे रहा है।

25 दिसंबर की हड़ताल में भी हुआ था काफी नुकसान

खुद की तैयारी पर ज्यादा निर्भर हैं लोग

कुल मिलाकर गुड़गांव में इस बार न्यू ईयर का जश्न ऑनलाइन सर्विस पर कम और खुद की तैयारी पर ज्यादा निर्भर दिख रहा है। लोग पहले से खरीदारी कर रहे हैं तो रेस्तरां संचालक दुआ कर रहे हैं कि हड़ताल जल्द खत्म हो जाए और नए साल के जश्न का स्वाद फीका न पड़े।

हो सकती है दिक्कत

- यह हड़ताल इंडियन फेडरेशन ऑफ ऐप-बेस्ड ट्रांसपोर्ट वर्कर्स (IFAT) और तेलंगाना गिग एंड प्लैटफॉर्म वर्कर्स यूनियन ने बुलाई है
- 25 दिसंबर को भी इसी तरह की हड़ताल हुई थी, जिसका सबसे ज्यादा असर गुरुग्राम में देखने को मिला था। यहां डिलिवरी में हुई थी घंटों की देरी

नोएडा : डिलिवरी में हो सकती है परेशानी

NBT न्यूज, नोएडा: अगर आप नए साल का जश्न घर पर रहकर मनाना चाह रहे हैं तो इसके लिए जरूरी सामान की खरीदारी खुद पहले से ही करनी होगी। इसकी वजह है कि आज (बुधवार) गौतमबुद्ध नगर के गिग वर्कर्स (ऑनलाइन फूड डिलिवरी बॉय) हड़ताल पर रहेंगे। यह देशव्यापी हड़ताल है। ऐसे में घर बैठे सामान मंगाने में परेशानी हो सकती है। इस हड़ताल के चलते ऑनलाइन फूड डिलिवर करने वाली कंपनियों को भी नुकसान उठाना पड़ सकता है। इन डिलिवरी बॉयज का कहना है कि उन्हें काम के हिसाब से पैसा नहीं मिलता, जबकि कंपनियां मोटी कमाई करती हैं। फूड डिलिवरी बॉय अनवर ने बताया कि कंपनियों की ओर से सामान की डिलिवरी करने के लिए 10 मिनट का समय मिलता है। इसमें रिस्क ज्यादा है, जबकि उस हिसाब से पैसा नहीं मिल रहा है। कम समय में सामान की सप्लाई करने पर उसका मुनाफा कंपनियों की जेब में जाता है। गिग वर्कर अनुज कुमार ने बताया कि कंपनियां कोई सरकारी सुविधाएं नहीं देतीं। उन्हें न तो पीएफ मिलता है और न ही मेडिक्लेम की सुविधा दी जाती है। वे लोग हर समय दौड़ते रहते हैं।

दिल्ली में गिग वर्कर्स की हड़ताल पर असमंजस

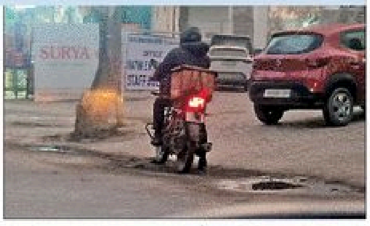

दिल्ली में मंगलवार को ऑनलाइन फूड और ग्रॉसरी की डिलिवरी नॉर्मल रही

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

एनसीआर समेत देश के कुछ अन्य शहरों में ऑनलाइन शॉपिंग, ग्रॉसरी और फूड डिलिवरी प्लैटफॉर्मों से जुड़े गिग वर्कर्स ने अपनी मांगों को लेकर 31 दिसंबर और 1 जनवरी को हड़ताल की घोषणा की है। दिल्ली में इसका कितना असर पड़ेगा, इसे लेकर अभी संशय की स्थिति बनी हुई है। गिग वर्कर्स आमतौर पर उन्हें कहा जाता है जो ऑनलाइन शॉपिंग प्लैटफॉर्म के लिए डिलिवरी का काम करते हैं।

दिल्ली के विभिन्न इलाकों में अलग-अलग प्लैटफॉर्मों से जुड़े गिग वर्कर्स के बीच यह हड़ताल चर्चा का विषय तो जरूर है, लेकिन वे इसमें शामिल होंगे कि नहीं, इसे लेकर अभी तक कोई सामूहिक निर्णय नहीं हो पाया है। कुछ इक्का-दुक्का गिग वर्कर्स ने जरूर हड़ताल से जुड़ने की बात कही है, लेकिन ज्यादातर का कहना था कि हड़ताल करने में उन्हीं का नुकसान ज्यादा है, क्योंकि न्यू ईयर की रात काफी ऑर्डर आते हैं, तो उनकी अच्छी कमाई होती है। कुछ गिग वर्कर्स का कहना था कि हड़ताल केवल हैदराबाद, बेंगलुरु, गुरुग्राम और नोएडा में है। दिल्ली में नहीं है। वहीं, कुछ ने बताया कि उन्होंने 25 तारीख को भी हड़ताल होने की बात सुनी थी, लेकिन हुआ कुछ नहीं।

अधिकतर डिलिवरी बॉय बोले हम नहीं करेंगे हड़ताल, कुछ ने कहा- आज होगा इस पर फैसला

जोमैटो से जुड़े गिग वर्कर सुभाष कुमार ने बताया कि हमें तो हड़ताल के बारे में कोई मैसेज नहीं आया है, न कोई नोटिफिकेशन आया है। मेरी जानकारी के अनुसार गुरुग्राम में हड़ताल है। दिल्ली में इसका कोई असर नहीं है। मैं तो आज भी काम कर रहा हूं और आगे भी करूंगा। वहीं, ब्लिंकिट से जुड़े कैफ ने बताया कि हमारे इंसेंटिव्स जरूर कम हुए हैं और हमारी अब अच्छी कमाई नहीं हो पा रही है, लेकिन फिलहाल हड़ताल पर जाने का हमारा कोई इरादा नहीं है। स्विगी इंस्टामार्ट के लिए काम करने वाले प्रकाश का कहना था कि अलग-अलग जोन में अलग-अलग टीमें काम करती हैं। जरूरी नहीं कि एक जोन में अगर कोई एक टीम हड़ताल पर जा रही हो, तो हर जोन वाले उन्हें फॉलो करें।

जोमैटो के लिए कई साल से काम कर रहे सागर ने बताया कि पिछले कुछ महीनों से हमें मिलने वाली सुविधाओं और इंसेंटिव में लगातार कटौती की जा रही है। ऊपर से हमारी सुरक्षा की भी कोई परवाह नहीं कर रहा। इससे गिग वर्कर्स में काफी नाराजगी है। हम लोग भी इस हड़ताल से जुड़ने के बारे में सोच रहे हैं, लेकिन अंतिम फैसला आज सभी मिलकर ही लेंगे।

कनॉट प्लेस में आज शाम सात बजे से गाड़ियों की एंट्री बैन

■ **NBT रिपोर्ट:** दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने न्यू ईयर ईव के मौके पर कनॉट प्लेस में होने वाले समारोह को देखते हुए अडवाइजरी जारी कर दी है। नए साल 2026 के स्वागत के लिए बड़ी संख्या में लोगों के कनॉट प्लेस में आने की संभावना है। लोगों की भारी भीड़ को देखते हुए आज शाम सात बजे से ही कनॉट प्लेस में सभी तरह के प्राइवेट और कमर्शल गाड़ियों की एंट्री बंद कर दी जाएगी।

आप अपनी गाड़ी गोल डाकखाना के पास काली बाड़ी मार्ग, पंडित पंत मार्ग, भाई वीर सिंह मार्ग, पटेल चौक के पास, आकाशवाणी (AIR) के पीछे, रकाबगंज रोड पर, मींटो हाउस के पास, कोपरनिकस मार्ग पर बड़ौदा हाउस तक, मिंटो रोड के पास, डी.डी. उपाध्याय मार्ग और प्रेस रोड क्षेत्र में, पंचकुइयां रोड के पास, आर.के. आश्रम मार्ग पर पार्क कर सकते हैं।

कोहरे के कारण 118 उड़ानें हुईं रद्द, 18 का रूट बदला, 26 ट्रेनें भी लेट

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

घने कोहरे के रेड अलर्ट के बीच लगातार दूसरे दिन मंगलवार को 118 फ्लाइट कैंसल की गईं जबकि 18 का रास्ता बदला गया। रद्द होने वाली उड़ानों में दिल्ली से जाने वाली 58 और दिल्ली आने वाली 60 फ्लाइट थीं। सोमवार को भी 128 उड़ानें रद्द हुई थीं। इंदिरा गांधी इंटरनैशनल एयरपोर्ट देश का सबसे व्यस्त एविएशन हब है और हर साल उत्तर भारत में छाए कोहरे की वजह से यहां रोजाना बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द होती हैं या फिर लेट होती हैं।

IGI पर रोजाना करीब 1500 फ्लाइट्स का आना-जाना रहता है। मंगलवार को 118 एयरक्राफ्ट उड़ान नहीं भर पाई। करीब 200 लेट हुईं तो 18 को डायवर्ट करना पड़ा। ज्यादातर उड़ानें

Vivek Kumar

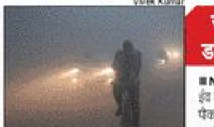

तड़के और सुबह कैंसल हुईं।

वहीं, कोहरे के कारण दिल्ली आने वाली करीब 26 ट्रेनों पर भी असर पड़ा। जिनमें से कई ट्रेनें 7 घंटे से कई 10 घंटे की देरी से चल रही हैं। लेट लतीफी की वजह से 36 ट्रेनें री शेड्यूल की गई हैं। नॉर्दर्न रेलवे के अनुसार, मंगलवार को करीब 26 ट्रेनों के लेट होने की लिस्ट जारी की गई है। ट्रेन लेट होने से यात्रियों को काफी परेशानी हो रही है।

जश्न में भी खलल डाल सकता है कोहरा

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली :** न्यू ईयर ईव के दौरान दिल्ली में सर्दी अपने पीक पर रहती है। इस बार भी मौसम का मिजाज ऐसा ही रहेगा। हालांकि इस न्यू ईयर ईव का सबसे बड़ा विलेन कोहरा बन सकता है। इस बार आशंका है कि घना कोहरा सबसे बड़ा विलेन बनकर सड़कों पर आवाजाही को धीमा करेगा। जश्न के बाद घर को निकल रहे लोगों को कोहरे की वजह से परेशानियां आ सकती हैं। स्काईमेट के अनुसार, ज्यादा नमी और रात की हल्की हवाएं ठंड का अहसास और बढ़ा देंगी। सर्दियों की पहली बारिश के बाद ठंड बढ़ेगी।

आज और कल गंभीर रह सकता है पल्यूशन का स्तर

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली :** दिल्ली में वायु प्रदूषण पिछले कुछ दिनों से लगातार परेशान कर रहा है। अगले दो दिन इसके और बढ़ने का अनुमान है। एक्सपर्ट का कहना है कि न्यू ईयर ईव पर भी एयर पल्यूशन लोगों की परेशानियां बढ़ाएगा। बुधवार और गुरुवार को प्रदूषण का स्तर गंभीर हो सकता है।

मंगलवार सुबह 7 बजे दिल्ली का एयर क्वॉलिटी इंडेक्स (AQI) 383 रहा। इसके बाद दोपहर 2 बजे यह 391 पर पहुंच गया। वहीं, शाम 4 बजे एक्यूआई 388 रहा। मुख्य प्रदूषक पीएम 2.5 रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) के अनुसार, मंगलवार को दिल्ली का ओवरऑल एक्यूआई 388 रहा। पूर्वानुमान के अनुसार 31 दिसंबर और 1 जनवरी को प्रदूषण का स्तर गंभीर रह सकता है। 2 जनवरी को यह बेहद खराब रह सकता है।

दिल्ली सरकार का दावा, सड़कें भी सुधरेंगी और हवा भी साफ होगी, इस पर जल्द शुरू होगा काम

400 KM नई सड़कें और मिस्ट स्प्रे से प्रदूषण पर डबल वार

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:

दिल्लीवासियों को जल्द ही टूटी-फूटी सड़कों और उड़ती धूल से राहत मिलने वाली है। 400 किलोमीटर सड़कों के निर्माण को लेकर सारी औपचारिकताएं पूरी हो चुकी हैं। GRAP हटते ही इनका निर्माण शुरू कर दिया जाएगा। सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि ये सभी सड़कें वॉल-टू-वॉल बनाई जाएंगी, ताकि किनारों से उड़ने वाली धूल पर स्थायी लगाम लग सके। साथ ही सड़कों के बीचों-बीच मिस्ट स्प्रे सिस्टम लगाया जा रहा है, जिससे प्रदूषण नियंत्रण को और बेहतर किया जा सकेगा।

सीएम ने कहा- सभी सड़कें वॉल-टू-वॉल बनेंगी, ताकि किनारों से धूल न उड़े

राजधानी में अब तक करीब 340 मिस्ट स्प्रे सिस्टम लगाए जा चुके हैं

दरअसल, दिल्ली में प्रदूषण की एक बड़ी वजह टूटी सड़कें भी हैं, जिससे धूल उड़ती है। सरकार ने इस दिशा में एक काम के जरिए दो समस्या का समाधान निकालने की कोशिश की है। सरकार के मुताबिक, नई और मजबूत सड़कों से जहां एक ओर ट्रैफिक बेहतर होगा, वहीं दूसरी ओर जर्जर सड़कों से उड़ने वाली धूल में भारी कमी आएगी। यही धूल दिल्ली में PM10 और PM2.5 जैसे खतरनाक प्रदूषकों का बड़ा स्रोत है।

प्रस्तावित 400 किलोमीटर सड़कों में से 300 किलोमीटर के लिए केंद्र सरकार बजट जारी कर चुकी है, जबकि बाकी 100 किलोमीटर सड़कें दिल्ली सरकार अपने संसाधनों से बनाएगी। इन सड़कों से ट्रैफिक जाम कम होने, वाहनों की औसत गति बढ़ने और ईंधन की बर्बादी घटने की भी उम्मीद है। सीएम ने बताया कि सड़क निर्माण से जुड़े टेंडर और सभी औपचारिकताएं पूरी हो चुकी हैं। GRAP हटते ही PWD काम शुरू करेगा। जिन सड़कों का निर्माण पांच साल पहले हुआ था या जो बेहद खराब स्थिति में हैं, उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी। लक्ष्य है कि काम चालू वित्तीय वर्ष में ही पूरा कर लिया जाए।

बढ़ रहा मिस्ट स्प्रे का दायरा

सड़क निर्माण के साथ-साथ धूल प्रदूषण को रोकने के लिए मिस्ट स्प्रे सिस्टम का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। पर्यावरण विभाग के आदेश के अनुसार, सड़कों के सेंट्रल वर्ज में लगे बिजली के खंभों या अन्य उपयुक्त स्थानों पर ये सिस्टम लगाए जा रहे हैं। राजधानी में अब तक करीब 340 मिस्ट स्प्रे सिस्टम लगाए जा चुके हैं, फेज वाइज इसका दायरा और बढ़ाया जा रहा है। सरकार के अनुसार, मिस्ट स्प्रे सिस्टम का इस्तेमाल खासतौर पर उच्च प्रदूषण वाले इलाकों और चिन्हित हॉटस्पॉट्स में किया जा रहा है। यह व्यवस्था मॉनसून को छोड़कर साल भर चलेगी। इसकी खास बात यह है कि इसके लिए सड़कों पर अलग से निर्माण की जरूरत नहीं पड़ती, जिससे यह कम खर्चीला और व्यावहारिक उपाय बन जाता है।

DEPARTMENT OF FINANCIAL SERVICES
MINISTRY OF FINANCE
GOVERNMENT OF INDIA

ICICI Lombard

Campaign for efficient and quick settlement of unclaimed assets namely, Bank Deposits, Mutual Funds, Life and General Insurance Policies, Pension Accounts and Shares and Dividend in the Financial Sector.

October - December 2025

Contact your nearest relevant insurance company, bank, and other financial institutions.

"आपकी पूंजी, आपका अधिकार"
Your Money, Your Right

Awareness Access and Action

SEBI irdai pfrda IEPF

STATE LEVEL INSURANCE COMMITTEE, DELHI

ICICI trade logo displayed above belongs to ICICI Bank and is used by ICICI Lombard GIC Ltd. under license and Lombard logo belongs to ICICI Lombard GIC Ltd. ICICI Lombard General Insurance Company Limited, ICICI Lombard House, 414, P. Balu Marg, Off Veer Savarkar Road, Near Siddhi Vinayak Temple, Prabhadevi, Mumbai 400025. Toll Free: 1800 2666 Fax No: 022 61961323 IRDA Reg. No. 115 CIN: L67200MH2000PLC129408 Customer Support Email Id: customersupport@icicilombard.com Website Address: www.icicilombard.com ADV/26424.

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 31-12-2025 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBT4 User: cci Time: 12-30-2025 23:22 Color:

छोटी चूक पर जेल से छूट

छोटे नियम टूटना अपराध की कैटिगरी से बाहर, अदालतों का बोझ होगा कम

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

दिल्ली में अब छोटे-छोटे नियम उल्लंघनों के लिए अदालतों के चक्कर और अत्यधिक मुकदमों से राहत मिलने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। दिल्ली सरकार ने मंगलवार को कैबिनेट की बैठक में 'दिल्ली जन विश्वास (प्रावधानों का संशोधन) विधेयक, 2026' को मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के मुताबिक, इस विधेयक का मकसद छोटे, तकनीकी और नियम बनाने की प्रक्रिया में छोटी सी चूक को अपराध की श्रेणी से बाहर करना है, ताकि लोगों और कारोबारियों की परेशानियां कम हों, प्रशासनिक व्यवस्था ज्यादा प्रभावी बन सके।

सरकार का कहना है कि विधेयक लागू होने के बाद छोटे उल्लंघनों में एफआईआर, कोर्ट केस और जेल की आशंका खत्म होगी। इसकी जगह नागरिक (सिविल) दंड, प्रशासनिक जुर्माना और अपील की व्यवस्था होगी। इससे आम नागरिक, दुकानदार, छोटे कारोबारी और संस्थान बिना वजह कानूनी झंझटों से बचेंगे। साथ ही अदालतों पर मामलों का बोझ घटेगा, जिससे गंभीर मामलों की सुनवाई तेज हो सकेगी।

केंद्र की जन विश्वास पहल की तर्ज पर सुधार : मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि यह विधेयक केंद्र सरकार के जन विश्वास (प्रावधानों का संशोधन) अधिनियम, 2023/2025 के अनुरूप है। केंद्र ने अपने कानूनों में छोटे अपराधों को अपराधमुक्त किया था और राज्यों को भी अपने कानूनों की समीक्षा की सलाह दी थी। इसी क्रम में दिल्ली सरकार ने अपने विभिन्न कानूनों की गहन समीक्षा की और पाया कि कई मामलों में आपराधिक सजा की बजाय सिविल दंड ज्यादा व्यावहारिक हैं।

कैबिनेट की बैठक में जन विश्वास विधेयक को मंजूरी | **आम लोगों की जिंदगी और कारोबार करना होगा आसान**

इन कानूनों में होंगे बदलाव

विधेयक के तहत जिन अधिनियमों में छोटे अपराध को अपराध मुक्त करने का प्रस्ताव है, उनमें शामिल हैं:

- दिल्ली इंडस्ट्रियल डिवेलपमेंट, ऑपरेशन एंड मैंटिनेंस एक्ट, 2010
- दिल्ली शॉप्स एंड एस्टेब्लिशमेंट एक्ट, 1954
- एनसीटी का 'इंक्रेडिबल इंडिया' बेड एंड ब्रेकफास्ट अधिनियम, 2007
- दिल्ली एग्रीकल्चरल प्रोड्यूस मार्केटिंग एक्ट 1998
- दिल्ली जल बोर्ड एक्ट, 1998
- दिल्ली प्रोफेशनल कॉलेज/इंस्टिट्यूशन एक्ट, 2007
- दिल्ली डिप्लोमा लेवल टेक्निकल एजुकेशन इंस्टिट्यूशन्स एक्ट, 2007

कदम कानून को कमजोर करने के लिए नहीं: CM

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि यह कदम कानून को कमजोर करने के लिए नहीं है। गंभीर अपराध, सार्वजनिक स्वास्थ्य, सुरक्षा और जीवन से जुड़े मामलों में सख्त प्रावधान पहले की तरह लागू रहेंगे। इसका मकसद सिर्फ इतना है कि दंड अपराध की गंभीरता के अनुरूप हो और छोटे मामलों में लोगों को अपराधी न बनाया जाए। विधेयक में यह प्रावधान भी किया गया है कि लागू होने के बाद हर तीन वर्ष में जुर्माने की राशि में 10 प्रतिशत की अपने आप वृद्धि होगी, ताकि मुद्रास्फीति के हिसाब से दंड प्रभावी बना रहे।

सरकार पर नहीं पड़ेगा अतिरिक्त बोझ

मुख्यमंत्री ने बताया कि इस विधेयक से सरकार पर कोई अतिरिक्त वित्तीय भार नहीं पड़ेगा, न ही नए पद सृजित करने की जरूरत होगी। मौजूदा संसाधनों से ही इसका क्रियान्वयन किया जाएगा और वित्त विभाग ने भी इस पर कोई आपत्ति नहीं जताई है। विधेयक को दिल्ली विधानसभा के आगामी शीतकालीन सत्र में रखा जाएगा।

विधानसभा सत्र में होगी प्रदूषण पर चर्चा, दिल्ली सरकार लाएगी प्रस्ताव

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा के शीतकालीन सत्र में प्रदूषण पर चर्चा होगी और सरकार प्रस्ताव भी लाएगी। दिल्ली विधानसभा का चार दिन का सत्र 5 से 8 जनवरी तक आयोजित होगा। मंगलवार को दिल्ली के कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा ने बताया कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में मंत्री परिषद ने फैसला लिया है कि दिल्ली के प्रदूषण पर दिल्ली विधानसभा में विस्तार से खुली चर्चा होगी और सरकार खुद प्रदूषण और पर्यावरण पर प्रस्ताव लेकर आएगी। इसके अलावा 'शीश महल' (पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल का आवास), दिल्ली जल बोर्ड और दिल्ली सरकार की यूनिवर्सिटीज पर भी CAG रिपोर्ट विधानसभा में रखी जाएगी।

मंत्री ने बताया कि दिल्ली में प्रदूषण की स्थिति कैसी है, क्यों है, क्या कारण है, सुप्रीम कोर्ट में जो-जो ऐफिडेविट पुरानी सरकारों ने दिए थे, उन पर क्या कार्रवाई हुई, उनका स्टेटस क्या है, इन सब पर सभी सदस्य चर्चा करेंगे। उन्होंने जानकारी दी कि पिछले 20 वर्षों की स्थिति और वैज्ञानिक रिपोर्ट्स सदन में रखी जाएंगी। प्रदूषण से जुड़ी कमियों और भविष्य की कार्ययोजना पर खुली चर्चा होगी। सभी पक्षों को अपनी बात रखने का अवसर दिया जाएगा। उन्होंने विपक्षी सदस्यों से भी अपील की कि वो उनकी सरकारों ने पिछले 10-12 साल में प्रदूषण कम करने के लिए जो-जो कदम उठाए, उन सबका लेखा-जोखा लेकर विधानसभा आएं। मिश्रा ने कहा कि आगे प्रदूषण कम करने के लिए क्या-क्या किया जा सकता है, उस पर निर्णय भी विधानसभा में सर्वसम्मति से लिया जाएगा।

कपिल मिश्रा ने बताया कि CAG की एक रिपोर्ट, जो पिछली सरकार के कार्यकाल में आ गई थी, मगर पिछली मुख्यमंत्री ने रोककर रखा था, उसे भी हम पटल पर रखेंगे।

कपिल मिश्रा ने दी जानकारी

- 'शीश महल', दिल्ली जल बोर्ड, विश्वविद्यालयों पर CAG रिपोर्ट होगी पेश
- 5 से 8 जनवरी तक चलेगा दिल्ली विधानसभा का सत्र

सरकार से विधानसभा में लेंगे 10 महीने का हिसाब-किताब: AAP

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी का कहना है कि वो दिल्ली विधानसभा के शीतकालीन सत्र में बीजेपी सरकार को 10 महीने के कार्यकाल की नाकामियों पर घेरेंगे। 'आप' विधायक दल के चीफ व्हीप संजीव झा ने कहा कि बीजेपी सरकार ने महिलाओं को 2500 रुपये नहीं देकर अपने ही प्रधानमंत्री को झूठा साबित कर दिया। दस महीने में बीजेपी सरकार बड़ी-बड़ी बातें करने के अलावा ना दिल्ली की हवा साफ कर पाई और ना यमुना का प्रदूषण ही कम कर पाई।

संजीव झा ने कहा कि छठ पर्व पर बीजेपी ने सबको यमुना में डुबकी लगवाई और आचमन कराया था, लेकिन अब पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह कह रहे कि यमुना का पानी नहाने के लायक नहीं है।

संजीव झा ने कहा कि अब बीजेपी सरकार को बताना चाहिए कि उसने इन 10 महीनों में दिल्ली की जनता के हित में क्या काम किया? अपने घोषणा पत्र में झूठे वादे करके सरकार बना ली। बीजेपी ने वादा किया था कि अगर उसकी सरकार बनेगी तो दिल्ली की महिलाओं को 2,500 रुपये प्रति महीने देंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद एक चुनावी सभा में दिल्ली की महिलाओं से यह वादा करके गए थे, लेकिन वादा झूठा साबित कर दिया।

दिल्ली के वायु प्रदूषण के मुद्दे पर संजीव झा ने कहा कि पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा को बताना चाहिए कि आज दिल्ली में प्रदूषण का इतना बुरा हाल क्यों है? मीडिया रिपोर्ट बता रही हैं कि इस बार का दिसंबर पिछले 10-12 सालों में सबसे ज्यादा प्रदूषित दिसंबर रहा है।

ऐसा क्यों हुआ, जबकि अब तो पराली भी नहीं जल रही है। संजीव झा ने कहा कि विधानसभा सत्र में हम सरकार से इन 10 महीनों के कामकाज का हिसाब-किताब लेंगे।

उठाए सवाल

- संजीव झा ने कहा कि बीजेपी सरकार को बताना चाहिए कि उसने इन 10 महीनों में दिल्ली की जनता के हित में क्या काम किया

'10 महीने से व्यापारी कल्याण बोर्ड का इंतजार'

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : चैंबर ऑफ ट्रेड ऐंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को पत्र लिखकर व्यापारी कल्याण बोर्ड जल्द बनाने की मांग की है। दावा है कि 10 महीने पहले यह बोर्ड बनाने की बात कही गई थी, लेकिन अब तक यह नहीं बन सका है। जिसकी वजह से व्यापारियों की समस्याओं का निस्तारण नहीं हो पा रहा है।

सीटीआई के चेयरमैन बृजेश गोयल ने कहा कि सीएम ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में व्यापारी कल्याण बोर्ड के गठन की घोषणा की, अभी तक इसके सदस्यों का औपचारिक ऐलान नहीं हुआ। इसमें 10 करोड़ रुपये का फंड भी आवंटित हुआ था। ये सरकार और व्यापारियों के बीच सेतु की तरह काम करेगा। ऐसे में सवाल है कि आखिर कब दिल्ली व्यापारी कल्याण बोर्ड का गठन होगा। अब अगले वित्तीय वर्ष के बजट निर्माण पर काम शुरू होना है। पिछले आवंटित फंड और योजना पर सरकार को जल्द काम शुरू करना चाहिए।

CTI ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर व्यापारी कल्याण बोर्ड जल्द बनाने की मांग की

ये भी हैं मांगें: वैट एमनेस्टी स्कीम लाई जाए, चांदनी चौक समेत बाजारों का पुनर्विकास, शाहजहांनाबाद रीडेवलपमेंट बोर्ड का पुनर्गठन, औद्योगिक क्षेत्रों को लीज होल्ड से फ्री होल्ड किया जाए, दिल्ली को नई इंडस्ट्रियल पॉलिसी की जरूरत, गोदामों के रखरखाव के लिए नई वेयरहाउस पॉलिसी लाएं, सर्कल रेट की विसंगतियों को दूर करें, 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' के लिए सिंगल विंडो सिस्टम, सीलिंग की समस्या का स्थायी समाधान, बाजारों से हटे अतिक्रमण।

कुत्तों की गिनती पर AAP के पास कोई आदेश है तो साझा करे: सूद

शिक्षा मंत्री ने AAP पर लगाया झूठ फैलाने का आरोप

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

आवारा कुत्तों के मामले में शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा है कि शिक्षक आवारा कुत्तों की गिनती करेंगे, ऐसा कोई भी आदेश दिल्ली सरकार ने नहीं दिया है। मंत्री ने कहा कि आम आदमी पार्टी सोशल मीडिया पर झूठ फैला रही है। मंत्री ने 'आप' को चुनौती भी दी कि अगर उनके पास ऐसा कोई भी आदेश है, तो अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट करें, वरना जनता से माफी मांगें।

शिक्षा मंत्री ने दिल्ली सचिवालय में मंगलवार को एक प्रेस वार्ता कर AAP पर लगातार झूठ और अफवाह फैलाने का आरोप लगाया। मंत्री ने कहा कि तहसीलदारों और सब-रजिस्ट्रार की सस्पेंशन को लेकर झूठ फैलाकर प्रशासनिक अराजकता पैदा करने की कोशिश की गई। पार्टी को भ्रष्टाचारियों से इतना प्रेम क्यों है?

आशीष सूद ने कहा कि 25 दिसंबर के आसपास भी 'आप' ने झूठा दावा किया कि सरकारी स्कूलों को आदेश दिया है कि स्कूलों में सैंटा क्लॉज बनकर आने वाले बच्चों पर कार्रवाई होगी। अगर ऐसा आदेश था, तो पार्टी ने सार्वजनिक क्यों नहीं किया? डीएसएसबी से जुड़े विषयों पर भी 'आप' ने भ्रम फैलाया, जबकि 2022 में ही डीएसएसबी के जरिए 16,000 कैंडिडेट्स चुने गए। यह 'आप' की प्रशासनिक नाकामी और विफलता को दिखाता है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि 'आप' का तथाकथित शिक्षा मॉडल जनता ने चुनाव में नकार दिया है तो अब पार्टी झूठे आरोपों के जरिए सरकार को बदनाम करने का प्रयास कर रही है।

आवारा कुत्तों की गिनती टीचर्स से करवाने को लेकर फैल रही खबरों से इनकार करते हुए सोमवार को शिक्षा निदेशालय ने कहा कि टीचर्स की अतिरिक्त ड्यूटी लगाने का कोई निर्देश जारी नहीं किया गया है। विभाग ने कहा कि 7 नवंबर 2025 के सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुपालन में स्कूलों को बाउंड्री वॉल, गेट, फेंसिंग को मजबूत करने और कुत्ते स्कूल के अंदर ना आएं, इसकी निगरानी के लिए, नोडल अधिकारी तैनात करने के लिए निर्देश दिया गया है।

टीचर पढ़ाएंगे या फिर सड़कों पर कुत्ते गिनेंगे: केजरीवाल

AAP नेता ने सोशल मीडिया पर शेयर किए दस्तावेज

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

शिक्षा मंत्री की चुनौती पर AAP ने शिक्षा निदेशालय का एक दस्तावेज साझा किया है, जिसमें कुत्तों से जुड़े मामले में नोडल अधिकारी बनाए गए टीचर्स/स्टाफ की लिस्ट है। वहीं, 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को ट्वीट कर कहा कि सरकारी स्कूलों के टीचर बच्चों को पढ़ाएंगे या फिर सड़कों पर कुत्ते गिनेंगे? बीजेपी के लिए शिक्षा कोई मुद्दा ही नहीं है, ये लोग शिक्षकों को अपमानित कर रहे हैं, स्कूलों को बर्बाद कर रहे हैं। हमारी सरकार ने शिक्षकों को सम्मान दिया, उन पर गैरजरूरी बोझ हटाया, टीचर्स को ट्रेनिंग के लिए विदेश भेजा, स्कूलों को बेहतर बनाया और आज बीजेपी सरकार सब बर्बाद कर रही है।

मंगलवार को आप के वरिष्ठ नेता और विधायक संजीव झा ने X पर एक दस्तावेज को साझा करते हुए कहा कि शिक्षा मंत्री ने ऐसा कोई आदेश दिखाने की चुनौती दी थी, जबकि शिक्षा निदेशक, नॉर्थ वेस्ट-ए ने आधिकारिक लिस्ट जारी की है। यह लिस्ट है कि किस टीचर को ड्यूटी पर लगाया जाएगा। इसमें लिखा गया है कि यह जानकारी लावारिस कुत्तों से संबंधित मामले के लिए नोडल अफसरों की है।

'आप' मुख्यालय पर प्रेस वार्ता कर संजीव झा ने कहा कि दिल्लीवाले जब आदेश की आलोचना करने लगे तो शिक्षा मंत्री ने आनन-फानन में एक विडियो जारी कर दावा किया कि ऐसा कोई आदेश जारी नहीं हुआ है। उनका यह रवैया दर्शाता है कि या तो वे विभाग के कामकाज से बिल्कुल अनजान हैं और विभाग कोई और चला रहा है। संजीव झा ने कहा कि शिक्षा निदेशालय ने जो आदेश दिखाया है, इसके बावजूद सूद कह रहे हैं कि आदेश दिखाएं।

संजीव झा बोले, आदेश की आलोचना होने पर शिक्षा मंत्री ने आनन-फानन में विडियो जारी कर दावा किया कि ऐसा कोई आदेश जारी नहीं हुआ है

10 महीने में विकास की नई शुरुआत की: BJP

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : दिल्ली की रेखा गुप्ता की 10 महीने की सरकार के कामों का प्रदेश BJP ने सराहना की है। मंगलवार को प्रदेश BJP प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा कि रेखा गुप्ता सरकार ने केवल 10 महीने में दिल्ली में विकास की नई शुरुआत की है, जो पिछले कई सालों से ठप था। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल सरकार द्वारा विरासत में छोड़ी गई प्रदूषण की समस्या को छोड़ दें तो बाकी सभी काम के मामले में BJP सरकार का प्रयास साफ दिख रहा है। हालांकि उन्होंने यह भी माना कि प्रदूषण के मामले में अभी बहुत काम करने की जरूरत है।

BJP प्रवक्ता ने सरकार के कामों को गिनाते हुए कहा कि 460 इलेक्ट्रिक बसें और 'देवी' योजना की 500 बसें जोड़कर दिल्ली की सड़कों पर परिवहन व्यवस्था को बेहतर किया है। दिल्ली की सड़कों से 50 हजार से अधिक गड्ढे भरे गए। दिल्लीवालों के लिए सभी जांच सुविधाओं के साथ आयुष्मान आरोग्य मंदिर की शुरुआत की गई, साथ में आयुष्मान भारत स्कीम का फायदा भी शुरू किया गया। हाल ही में 45 अटल कैंटीन के जरिए गरीब और असहाय लोगों को नई उम्मीद दी है।

बीजेपी ने लगाया आरोप, AAP सरकार ने विरासत में छोड़ी प्रदूषण की समस्या

TIMES TRIBUTE
PAYING HOMAGE TO THE DEPARTED SOUL
To book your ad
Logon to: ads.timesofindia.com
or Call: 18001205474 (Toll Free)
Scan QR Code

ओ३म्

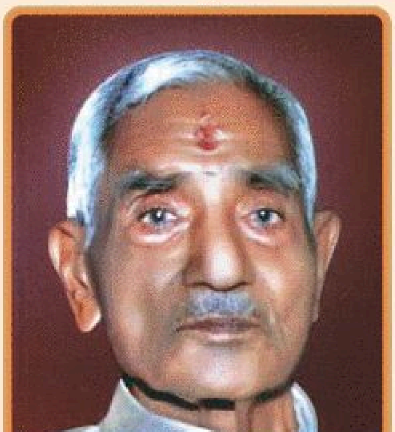

स्व0 श्री श्याम सुन्दर आर्य
(15.08.1915 – 3.12.2009)

महर्षि दयानन्द के विचारों से ओत–प्रोत एक सच्चे आर्य का जीवन जीने वाले, आदर्श व्यक्तित्व के धनी, कर्मठ कर्मयोगी, हम सबके प्रेरणा स्त्रोत एवं संस्थापक बंसल ग्रुप ऑफ इन्डस्ट्रीज
जिनका आज सोलहवाँ पुण्य स्मृति दिवस है,
उन्हें हम शत्–शत् नमन करते हैं तथा उनके बताए आदर्शों व मार्ग पर चलने का संकल्प करते हैं।

अनीता-अरुण बंसल (पुत्रवधु - पुत्र), सोनाक्षी - प्रणव बंसल (पौत्रवधु - पौत्र),
यशवीर बंसल (प्रपौत्र) एवम् समस्त बंसल परिवार

BANSAL
Management & All Staff
Bansal Wire Industries Limited

TIMES TRIBUTES
RATE CARD

Publications	Rates per sq. cms
TOID Capital + NBT (Delhi+NCR)	1295
TOID Full Run ## + NBT (Delhi+NCR)	1360
THE TIMES OF INDIA (Delhi+NCR)	780
THE TIMES OF INDIA (Delhi) Full Run##	900
NAVBHARAT TIMES (Delhi+NCR)	595
THE ECONOMIC TIMES (Delhi+NCR)	715
SANDHYA TIMES (Delhi)	100

Rates effective 5th June 2019

▸ *Placement on specified obit pages only. ▸ This rate benefit is extended up till the size of 320 sq. cm only. ▸ ## Full run includes Delhi City + NCR (Including Gurgaon + Noida) + Chandigarh + Western U.P. + Uttarakhand ▸ TOI Capital (Delhi & NCR) Includes TOI Gurgaon & TOI Noida.

To place an Obituary announcement or Remembrance message please call
Vinod: 9958992088
Pankaj : 8130604727

"HONOUR. COURAGE. BRAVERY. Three words that you taught us. Three words that help us cope with your loss".

The silent joy of remembering a loved one.
The moments you shared together.
Little moments that make life beautiful.
Share them. With Friends. Relatives. Neighbours. Colleagues. With all those whose lives the departed Soul has touched. Because while life goes on, when you share memories, they stay on forever.

Publications	Total Outlay
The Times of India Delhi/NCR	5,600
TOI+NBT (Delhi/NCR)	8,800
TOI+ET (Delhi/NCR)	6,600

Maximum 10 lines

REMEMBRANCE
SHARING MEMORIES
For any information call
Vinod : 9958992088
Pankaj : 8130604727

सरकारी स्कूल में मॉडल एस्ट्रोनॉमी लैब बनाई

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: दिल्ली के बदरपुर के सरकारी बालिका वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय संख्या-3 में मॉडल एस्ट्रोनॉमी लैब खोली गई है। इस हाईटेक लैब की मदद से स्टूडेंट्स एस्ट्रोनॉमी के कई पहलू रोचक ढंग से समझ पाएंगी। आह्वान फाउंडेशन ने इसे स्कूल में खोला है। यह लैब अंतरिक्ष विज्ञान की मुश्किल चीजों को सरल तरीके से समझाने में मदद करती है। इसमें सौरमंडल, खगोलीय पिंडों, रॉकेट, सैटलाइट्स के डिटेल मॉडल के साथ-साथ आकाशगंगाओं, तारों और ब्रह्मांडीय घटनाओं को विजुअल तरीके से पेश किया गया है। आह्वान फाउंडेशन के फाउंडर और सीईओ ब्रज किशोर प्रधान ने कहा कि गर्ल्स स्कूल में हमारी 90वीं मॉडल एस्ट्रोनॉमी लैब स्टूडेंट्स को सवाल करने, खोज करने का नजरिया देने और बड़े सपने देखने के लिए मजबूत बनाएगी।

AAP सरकार के भ्रष्टाचार पर अब तक कार्रवाई क्यों नहीं: कांग्रेस

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : दिल्ली कांग्रेस ने मौजूदा बीजेपी सरकार पर अपनी नाकामियों को छिपाने का आरोप लगाया है। मंगलवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि जिस प्रकार आम आदमी पार्टी (AAP) ने पिछले 11 साल में जनता की भलाई के लिए कुछ नहीं किया, अब उसी ढर्रे पर बीजेपी की सरकार भी चल रही है। जनता की भलाई के लिए जमीन पर कोई काम नहीं हुआ है। लोग प्रदूषण, साफ पानी, खराब सड़कों से जूझ रहे हैं, लेकिन सरकार केवल बयानबाजी पर अड़िग है।

देवेंद्र यादव

'धर्म और धर्मात्मा की सदैव करनी चाहिए प्रशंसा'

■ NBT न्यूज, नई दिल्ली: सिद्ध शक्तिपीठ बालाजी धाम मंदिर, त्रिनगर में मंगलवारीय पाठ अनुष्ठान के मौके पर महंत प्रमोद महाराज ने कहा कि धर्म और धर्मात्मा की सदैव प्रशंसा करनी चाहिए, यदि ऐसा न कर सको तो कोई बात नहीं, कम से कम अनुमोदना तो करो।

शांति विधान: श्री दि. जैन ध्यान तीर्थ वसंत कुंज में आचार्य श्री आनंदसागर जी मैनाश्रिय के सान्निध्य में अभिषेक, शांतिधारा के बाद शांतिविधान व भक्तामर विधान आयोजित किया गया। पवन जैन के अनुसार आचार्य श्री ने कहा कि तीर्थों पर किए गए विधान से सदा पुण्य का बंध और मिथ्यात्व का क्षय होता है। यहां का वार्षिक मेला और पालकी यात्रा 1 फरवरी को निकाली जाएगी।

भागवत कथा: सीताराम संत सेवा मंदिर चंद्रपार्क द्वारा समुदाय भवन एनीबीआर में भागवत कथा सुनाते हुए आचार्य प्रद्युम्न कृष्ण ने कहा कि भागवत कथा ज्ञान, भक्ति और वैराग्य का अद्भुत संगम है, इसे सुनने व मनन करने से जीवन में अद्भुत शांति आती है। यहां 108 पंडितों द्वारा 108 श्रीमद्भागवत का सामूहिक पारायण चल रहा है। अजय वाल्मिक ने सुंदरकांड पाठ प्रस्तुत किया।

सत्संग: श्री दुर्गा मंदिर, डी ब्लॉक, साकेत सत्संग में पंडित राजकांत झा ने कहा कि मनुष्य को सदा विनम्र और सहनशील रहना चाहिए। विनम्रता सज्जन व्यक्ति का आभूषण है इसके लिए जिह्वा पर नियंत्रण रखना जरूरी है।

दिल्ली की खबरों के लिए टेलीग्राम पर फॉलो करें
t.me/nbtdilli

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 31-12-2025 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH05 User: cci Time: 12-30-2025 22:39 Color:

SI से लेकर सिपाही तक का कार्यकाल किया गया फिक्स

सर्विस के शुरुआती 6 साल के दौरान थाने की पोस्टिंग पूरी करनी हुई ज़रूरी

Shanker.Singh@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** दिल्ली पुलिस में सब इंस्पेक्टर (SI) से लेकर सिपाही तक के लिए करियर के शुरुआती छह साल तक थाने की पोस्टिंग काटनी अनिवार्य कर दी गई है। पुलिस कमिश्नर (CP) सतीश गोलचा की तरफ से जारी स्टैंडिंग ऑर्डर में साफ लिखा गया है कि इस दौरान उन्हें जिलों के किसी ऑफिस या ब्रांच या यूनिट में कतई अटैच नहीं किया जाएगा। सभी को सख्ती से पुलिस स्टेशन में तैनात करना होगा। हालांकि एक बार ट्रांसफर होने के बाद अगले पांच साल के अंदर उसी जिले या थाने या यूनिट में दोबारा तैनात नहीं किया जाएगा।

दिल्ली पुलिस की ट्रांसफर-पोस्टिंग की नई गाइडलाइंस के मुताबिक, नई भर्ती सब इंस्पेक्टरों को ट्रेनिंग के बाद अपनी सर्विस के शुरुआती छह साल के लिए अनिवार्य रूप से जिले के तहत आने वाले थानों में तैनात किया जाएगा। उन्हें जिले के भीतर ऑफिस या क्राइम टीम, बम डिटेक्शन स्क्वॉड (BDS) जैसी ब्रांच या किसी अन्य यूनिट से अटैच नहीं किया जाएगा। जिलों में काम करने में माहिर अनुभवी प्रमोट हुए सब इंस्पेक्टरों की फील्ड ड्यूटी में तैनाती जारी रखी जाएगी। बशर्ते उनके खिलाफ कुछ गलत बात सामने नहीं आई हो। ऐसा मामला आने पर ही उन्हें हटाया जा सकता है।

इसी तरह नए भर्ती सिपाहियों को भी सर्विस के शुरुआती छह साल तक थानों में पोस्टिंग काटनी होगी। उन्हें भी ऑफिस या ब्रांच से अटैच नहीं करने की हिदायत दी गई। हालांकि VVIP या VIP मूवमेंट या सिक्योरिटी समेत अन्य अरेंजमेंट ड्यूटी पर तैनात करते समय उन्हें अनुभवी हेड कॉन्स्टेबल या कॉन्स्टेबल और सुपरवाइजरी अफसरों की देखरेख में रखा जा सकता है।

AI Image

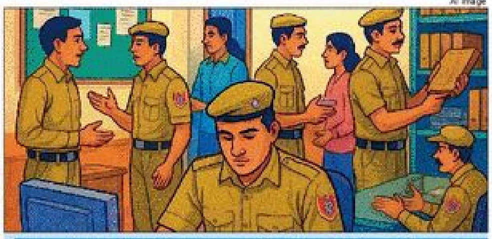

तीन कैटिगरी में बांट किया फिक्स टेन्योर

1. **फ्रंटलाइन यूनिट्स :** सभी जिले, रेलवे, मेट्रो, एयरपोर्ट पुलिस में SI से सिपाही तक छह साल का टेन्योर है, जो आठ साल तक हो सकता है। SI के लिए यहां शुरुआती 6 साल अनिवार्य है।
2. **स्पेशलाइज्ड यूनिट्स:** क्राइम ब्रांच, स्पेशल सेल/IFSO, आर्थिक अपराध शाखा, DPA में SI के लिए 3 साल का कार्यकाल रहेगा, जो बढ़ाकर 5 साल तक हो सकता है। सिपाही से ASI तक का टेन्योर 3 साल का रहेगा, जो 8 साल तक बढ़ाया जा सकता है।
3. **सपोर्ट यूनिट्स :** ट्रैफिक, स्पेशल ब्रांच, सिक्योरिटी, दिल्ली आर्म्ड पुलिस बटालियन समेत अन्य यूनिट्स में SI का 3 साल का कार्यकाल रहेगा, जो 5 साल तक का हो सकता है। सिपाही से लेकर ASI तक 3 साल का रहेगा, जो 8 साल तक किया जा सकता है।

हटा दिए जाएंगे ऐसे SHO-ACP: स्टैंडिंग ऑर्डर में साफ लिखा गया है कि आमतौर पर सब डिविजन में ACP और थाने में SHO का कार्यकाल दो साल फिक्स है। इसके बावजूद उन्हें बीच में भी हटाया जा सकता है, जब उनके खिलाफ कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई हो, किसी क्रिमिनल केस में सजा हो, भ्रष्टाचार में लिप्त पाए गए हो, किसी मामले में नाकाबिल पाया गया हो।

युवक को चाकू से गोदा, लखनऊ से पुलिस ने पकड़ा

■ NBT रिपोर्ट, केशवपुरम: मामूली कहासुनी के दौरान दिनेश नाम के युवक को हत्या के इरादे से चाकू से गोद दिया गया। केशवपुरम पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है जिसकी पहचान 24 वर्षीय फैसल के रूप में हुई है। पुलिस ने इसके पास से चाकू बरामद किया है। DCP भीष्म सिंह के मुताबिक 25 दिसंबर को केशवपुरम थाना पुलिस को भगवान महावीर अस्पताल, रानी बाग से एक घायल के भर्ती कराने के संबंध में सूचना मिली। पुलिस टीम मौके पर पहुंची जहां घायल का इलाज जारी था। घायल की पहचान दिनेश के रूप में हुई। उसने पुलिस को बताया कि मामूली कहासुनी के दौरान आरोपी ने उस पर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने हत्या की कोशिश का मामला दर्ज कर आरोपी को पकड़ने के लिए एक टीम बनाई। टीम ने CDR निकाली और फिर आरोपी को लखनऊ से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी मूल रूप से बाराबंकी का रहने वाला है।

AI Image

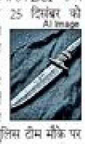

मॉल में मौत मामले में केस दर्ज, सभी एंगल से होगी जांच

■ NBT रिपोर्ट, मॉडल टाउन

मॉडल टाउन स्थित एक मॉल में करीब 50 फीट की ऊंचाई पर लगी फाइबर शीट से गिरकर 11वीं के छात्र 16 वर्षीय कबिन कुमार की संदिग्ध मौत के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस जानना चाहती है कि आखिर छात्र मॉल की छत पर कैसे चले गए। वहां किसी तरह की रोक टोक क्यों नहीं थी। सिक्योरिटी गार्ड कहां था। ऊपर जाने का रास्ता ओपन क्यों छोड़ा गया। पुलिस ने बताया कि छात्र की मौत के लिए जो भी लोग जिम्मेदार होंगे उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस हादसे के वक्त मौके पर मौजूद छात्र के दोस्तों से भी पूछताछ कर रही है। फिलहाल पुलिस लापरवाही से जुड़े सभी एंगल की जांच कर रही है।

अशोक विहार स्थित एक निजी स्कूल में 11 वीं क्लास में पढ़ने वाला कबिन कुमार अपने परिजनों के साथ गुजरांवाला टाउन-2 में रहते थे। पिता राहुल कुमार की बर्तन बनाने की फैक्ट्री है। कबिन के परिवार में पिता के अलावा मां और एक बड़ी बहन है जो कनाडा से पढ़ाई करके सोमवार को ही घर लौटी थी। पुलिस के मुताबिक कबिन कुमार 28 दिसंबर की शाम अपनी मां से सौ रुपये लेकर गेम खेलने के लिए घर से निकले थे। उनके साथ उनके कुछ दोस्त भी थे। वह दोस्तों के साथ नॉर्थ गेट मॉल पहुंचे। जहां सभी दोस्त किसी तरह घूमते हुए मॉल की छत पर चले गए।

कबिन कुमार मॉल की लॉबी के ऊपर हेवी रेन से बचने के लिए लगी रेन शेड (फाइबर शीट) के ऊपर चढ़ गए। मगर वजन के कारण फाइबर शीट टूट जाने से कबिन करीब 50 फीट की ऊंचाई से नीचे लॉबी में गिर गए। परिजनों के आरोप को देखते हुए पुलिस ने मॉल और अन्य जगह के CCTV फुटेज को बारीकी से खंगाला है। जिसमें पुलिस को कुछ संदिग्ध नजर नहीं आया है। सभी दोस्त साथ में घूमते दिखते नजर आए है। मगर जब हादसा हुआ तो वे डर की वजह से मौके से भाग गए थे। फिलहाल पुलिस ने इस मामले में लापरवाही से मौत की धारा में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

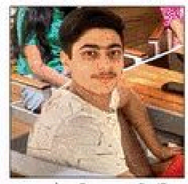

16 साल के कबिन कुमार की संदिग्ध परिस्थिति में हो गई थी मौत

शेयर बाज़ार का एक्सपर्ट बता करते थे ठगी, दो अरेस्ट

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: शाहदरा जिले की साइबर थाना पुलिस ने खुद को शेयर बाजार का एक्सपर्ट और एडवाइजर बता लोगों से ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर हरियाणा से दो बदमाश को गिरफ्तार किया। इनकी गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने 22.7 लाख रुपये की साइबर ठगी का पर्दाफाश किया है। इनके पास से मोबाइल फोन और सिम कार्ड बरामद किए हैं। गिरफ्तार साइबर ठगों की पहचान हिसार हरियाणा निवासी 22 वर्षीय समीर और 22 वर्षीय देव सिंह के तौर पर हुई है। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी सोशल मीडिया, वट्सऐप या टेलीग्राम के जरिए खुद को एक्सपर्ट ट्रेडर या फाइनेंशियल एडवाइजर बताकर लोगों को फंसाते थे। पहले छोटी रकम निवेश कराकर फर्जी मुनाफा दिखाया जाता था ताकि भरोसा बन सके। इसके बाद बड़ी रकम निवेश के लिए उकसाते थे। शाहदरा जिले के डीसीपी प्रशांत गौतम ने बताया कि 13 नवंबर को शिकायतकर्ता डॉ. अमिता गर्ग ने ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई। इंस्पेक्टर श्वेता शर्मा के नेतृत्व में टीम ने दोनों को हिसार से दबोचा।

महिला डॉक्टर से की थी 22.7 लाख की ठगी

रात को करता था चोरी, पकड़ा गया

■ NBT न्यूज, मोती नगर: सर्द भरी रात का फायदा उठाकर घरों में लगातार चोरी की कई वारदात को अंजाम दे चुके शातिर चोरों को मोती नगर थाना की पुलिस टीम ने गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपी की पहचान सैफ अली उर्फ चिपा के रूप में हुई है। यह नबीरा इलाके का रहने वाला है और पहले से चोरी के 8 मामलों में शामिल रहा है। इसके पास से चोरी की स्कूटी और लोहे का रॉड इत्यादि बरामद किया गया है। DCP दराडे शरद भास्कर ने बताया कि इसके पकड़े जाने से मोती नगर थाना के 6 मामलों का खुलासा हुआ है। ACP पंजाबी बाग शिवम की देखरेख में इंस्पेक्टर मनीष कुमार यादव, ASI राजेंद्र की टीम ने इसके बारे में पता लगाकर पकड़ा।

14 साल की लड़की का GTB अस्पताल में चल रहा था इलाज

एक साल पहले गुस्से में घर छोड़ा था, बीमार हालत में मिली, हुई मौत

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

दयालपुर में रहने वाली एक 14 साल की लड़की घरवालों से नाराज होकर एक साल पहले घर छोड़कर चली गई। परिवारवालों ने काफी तलाश की, लेकिन पता नहीं चल सका। जब पता चला तो वह काफी बीमार हो चुकी थी। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। लेकिन 12 दिसंबर को उसकी मौत हो गई। शुरुआती जांच के बाद शुक्रवार को दिल्ली के दयालपुर थाने में पुलिस ने दुष्कर्म, पॉक्सो ऐक्ट, मारपीट, धमकाने समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस को दिए बयान में किशोरी की मां ने बताया कि किशोरी उनकी चौथी संतान थी। उसकी तीन बहनें और तीन भाई हैं। करीब एक साल पहले 14 वर्ष की उम्र में वह पारिवारिक बहस के बाद गुस्से में घर छोड़कर चली गई थी। काफी ढूंढने के बाद भी उसका कोई पता नहीं चला। उसकी बेटी जब मिली तो उसने बताया कि घर से जाने के बाद वह एक किन्नर के साथ रही। जून 2025 में किन्नर ने जबरन उसकी शादी राजस्थान में कर दी। वहां पति उससे जबरन संबंध बनाता और मारपीट करता। वहां से भी वह परेशान होकर घर से निकल गई। भटकते हुए वह हरियाणा के पानीपत पहुंच गई। किसी राहगीर की नजर उस पर पड़ी। उसने वहां के पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस ने पूछताछ की तो पता चला कि वह दिल्ली की रहने वाली है। एक नवंबर को परिजन उसे पानीपत से लेकर दिल्ली आ गए। इस दौरान वह काफी बीमार हो चुकी थी। उसे जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया। लेकिन 12 दिसंबर को उसकी मौत हो गई।

AI Image

हेलमेट के लिए रोका, कॉन्स्टेबल को पीटा

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: सोनिया विहार इलाके में एक कॉन्स्टेबल ने बिना हेलमेट पहने स्कूटी सवार को रोका तो आरोपी ने कॉन्स्टेबल के साथ मारपीट की और उनकी वर्दी तक फाड़ दी। हालांकि लोगों की मदद से आरोपी को मौके पर ही पकड़ लिया गया। उसकी पहचान पंकज कुमार के तौर पर हुई है। इसके खिलाफ बीएनएस की धारा 221/132/121 के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस ने बताया कि 28 वर्षीय कॉन्स्टेबल पंकज कुमार सोनिया विहार थाने में तैनात है। 26 दिसंबर को सोनिया विहार मेन पुस्ता पर उनकी ड्यूटी थी। सुबह करीब 11 बजे वह सोनिया विहार मेन पुस्ता रोड पर नीचे पुस्ता मोड़ के सामने ट्रैफिक जाम खुलवा रहे थे। तभी एक स्कूटी सवार बिना हेलमेट पहने आता दिखाई पड़ा। वह लेन में भी नहीं चल रहा था। तब उसे रोका तो इस बात पर वह भड़क गया और उन्हें गाली देने लगा। कॉन्स्टेबल ने गाली देने का विरोध किया तो वह उनके साथ मारपीट करने लगा। मारपीट के दौरान उनकी वर्दी फाड़ दी। लोगों की मदद से आरोपी को पकड़ लिया गया।

स्कूटी सवार ने वर्दी तक फाड़ दी

बांग्लादेश भेजते थे छीने गए मोबाइल, चार को दबोचा

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: सेंट्रल जिले की स्पेशल स्टाफ ने एक इंटरनेशनल मोबाइल तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ कर चार तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरोह के सदस्य चोरी और छीने गए मोबाइल को कोलकाता के रास्ते बांग्लादेश भेजते थे, जो कि ब्रैंडेड कंपनी के होते थे। उनके पास से 116 महंगे और ब्रैंडेड मोबाइल बरामद हुए हैं। इसके अलावा एक स्कूटी, आधार कार्ड, 3U टूल्स, अनलॉक टूल्स और विदेशी मोबाइल अनलॉकिंग सॉफ्टवेयर भी बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मौजपुर निवासी समीर उर्फ राहुल (28) जो कि मास्टर माइंड भी है, चौहान बांगर निवासी सलमान (28), भलस्वा डेयरी निवासी दिलशाद यासीन कुरैशी (33) और चौहान बांगर निवासी अयान (28) के तौर पर हुई है। सेंट्रल जिला के डीसीपी निधिन वाल्सन ने बताया कि गिरोह के सदस्य मोबाइल को तकनीकी सॉफ्टवेयर से अनलॉक कर बांग्लादेश भेजते थे।

116 महंगे और ब्रैंडेड मोबाइल बरामद

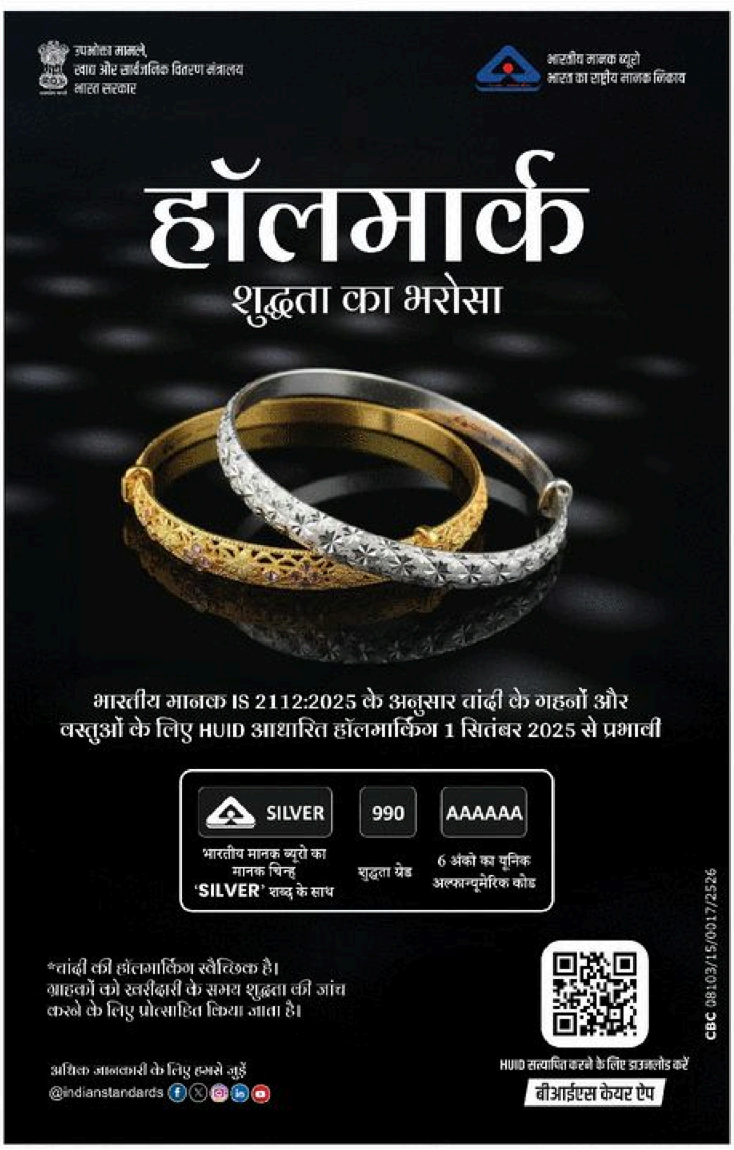

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 31-12-2025 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMM6 User: kalpataru.mandal Time: 12-30-2025 20:22 Color:

TIMES interact
Connecting People, Connecting Needs.
To book your ad
Logon to: ads.timesofindia.com
or Call: 18001205474 (Toll Free)
Scan QR Code

jobs

SALWAN PUBLIC SCHOOL

Sector 15 (Part II), Gurugram, Haryana
Phone : 0124-4886050, 9818376422
SERVICE BEFORE SELF (A Co-educational CBSE School under the aegis of Salwan Education Trust, Delhi)

Applications are invited from ICT proficient, highly motivated, passionate and committed individuals with a progressive outlook to join our 650+ strong community of Educators for the following vacancies in session **2026-2027:**

Regular Vacancies:
- **PGT-** Economics, Computer Science, History, Political Science
- **TGT-** Mathematics, Students Counsellor
- **PRT-** English, Social Science, Students Counsellor, Librarian

Contractual / Professional Vacancies:
- **Middle School-** Science, Computer Science, Social Science, Sanskrit, Art & Craft
- **Special Educator**
- **Trainee Teachers (Limited Vacancies)**
- **Coaches-** Chess, Table-Tennis, Tae-Kwon-Do, Music (Hindustani Vocal, Western Vocal), Theatre, STEAM Lab

Interested candidates for Salwan Public School, Sector-15 (II), Gurugram are requested to visit 'Vacancy' page of school website www.salwangurgaon.com and apply through online form within 10 days from the publication of this advertisement.

Vacancies at Salwan Montessori School, Sector-5, Gurugram
- Montessori Teacher • Front Office Executive • Dance Teacher (Western)

To apply, email your resume with photograph to smsgurugram@salwanschools.com

Eligibility criteria and remuneration - as per Haryana School Education Rules
(No TA/DA will be provided for the selection process.)
DIRECTOR
Scan QR Code to apply

SITASRM INSTITUTE OF MANAGEMENT AND TECHNOLOGY

Plot No. 25/1, Knowledge Park- III, Greater Noida, Gautam Buddha Nagar-201 310 (UP) INDIA

RECRUITMENT ADVERTISEMENT

Online applications are invited from the candidates for the following positions for academic year 2026-2027

DIRECTOR, FACULTY AND STAFF

DESIGNATION	QUALIFICATION	EXPERIENCE
Director (MBA)	MBA & Ph.D.	Min. 10 yrs as Professor
Director (MCA)	MCA & Ph.D.	Min. 10 yrs as Professor
Professor (MBA & MCA)	MBA & Ph.D., MCA & Ph.D.	Min. 10 yrs as Associate Professor
Associate Professor (MBA & MCA)	MBA & Ph.D., MCA & Ph.D.	Min. 7 yrs as Assistant Professor
Assistant Professor (MBA & MCA)	MBA & Ph.D., MCA & Ph.D.	Min. 5 yrs as Assistant Professor

Note: Qualification and experience as per AICTE / AKTU norms, for teaching positions, a Ph.D. Candidate in the relevant field will be preferred.
Note: IIM / FMS /XLRI candidate for the post of Professors/ Assistant Professors/Associate Professors will be preferred.
Salary: Negotiable and commensurate with the qualification and experience.
How to apply: Interested candidates are required to send their application with updated CV in word or pdf format at info@simt.net.in

Date of closing - Seven days from the date of publication of this recruitment advertisement.

Contact:- +91-9311-881-944 | +91-9311-909-844

ST. PAUL'S SCHOOL, AYA NAGAR

(A co-educational senior secondary school affiliated to CBSE)
Phase VI, H Block, Aya Nagar -110047
Tel: 8929892105, 8929892106, Website: www.stpaulsayanagar.com

Inviting applications for the following positions:
- Vice Principal
- PGT - English, Economics (Leave Vacancy).
- PRT - Math, Science, English, General, Dance, Art.
- Lab Attendant

Interested candidates are asked to refer to the school website for downloading the application form and other details. Application in the prescribed format only will be acceptable. The soft copy of the duly filled in Application Form along with self-attested copies of certificates is to be sent to **The Chairman in the email id** stpauls@stpaulsayanagar.com and the hard copy of it is to be sent in the address mentioned above, so as to reach the school office within ten days from the date of this advertisement.
Note: No enquiry in regard to appointment will be entertained.
Negotiable as per school norms.
Chairman

RAO MOHAR SINGH MEMORIAL SR. SEC. PUBLIC SCHOOL

Requires for New Session starting April, 2026

✓ Subject Knowledge ✓ Content Delivery ✓ Communication Skills ✓ Fluency in English
✓ Technology Savvy ✓ Experienced ✓ Innovative ✓ Result Oriented

- **P.G.T** English, Economics, Commerce, Political Science, History (Post Graduation with B.Ed minimum 3 years exp.)
- **T.G.T** English, Hindi, Science, Social Science, Sanskrit (Graduation in respective subject with B.Ed) Minimum 3 years experience
- **P.R.T** English, Hindi, Maths, Science, Social Science
- **Mother Teacher** (Graduates with B.Ed) Min. 2 years exp.
- **Head Mistress** 2-3 years of experience in similar capacity.
- **Academic Coordinator** (Senior School) Min. exp. of 2 yrs.
- **Manager** (Retired Principal/ Vice Principal from DTE. of Education)
- **Others** ▸ Art Teacher ▸ Dance Teacher (F) ▸ Music Teacher ▸ PET ▸ Receptionist ▸ Activity Incharge ▸ Front Office Executive

Higher start for deserving candidates

WALK IN FOR INTERVIEW ON 04th January 2026 from 09:00 am onwards
Roshan Pura, Paprawat Road, Najafgarh, New Delhi-43
E-mail: jobs@raomoharsinghschool.com Mob. 9990980101

B. M. Gange Girls' Sr. Sec. School

21, Raj Niwas Marg, Delhi - 110 054
(Christian Minority Aided Institution Managed by Baptist Union of North (Regd.))
Required Female Christian Candidate for the post of Principal

Essential Qualifications:-
1. Master Degree with at least II Division from a recognised University or equivalent.
2. Degree in Teaching / Education from a Recognised University or Equivalent.
3. Ten years' experience of teaching as Vice Principal, PGT in a Higher Secondary, Senior Secondary School or Inter college.

Desirables:-
1. Experience in Administrative charge of a recognised Higher Secondary School or Inter College.
2. Doctorate Degree.
3. M.Ed. Degree from a recognised University.

Age Limit:-
- Not exceeding 45 years.

Pay Scales as per 7th Pay Commission applicable to Govt. Aided schools under Directorate of Education Govt. of NCT Delhi.
- Interested candidates may send in their applications on plain paper + 1 passport-sized photograph (accompanied by photocopies of supporting documentation) through Speed-post by 29th of February, 2026 to the Chairman, B. M. Gange Girls' Sr. Sec. School, 21, Raj Niwas Marg, Delhi – 110054.
- No application will be accepted (i) after closing date (ii) at the time of interview.
- Incomplete applications/ Invalid documentation will be rejected.
- If candidate is currently employed in any School, a No Objection Certificate (NOC) is mandatory and must be submitted along with the application.
- The Experience Certificate (as mentioned above) must mention the:
(i) Designation of the post held, Pay-scale, Period of service and must be counter signed by the concerned Deputy Director of Education / Competent Authority.
(ii) An Experience Certificate without the counter-signature of an officer of the Department of Education will not be considered, as this is mandated by D.O.E. Delhi

Note: The crucial date for determining the age limit shall be the closing date of receipt of application from the candidate.

Scholars Global School / Scholars Juniors

INVITATION TO JOIN AN INSPIRING ACADEMIC COMMUNITY
Bahadurgarh (Delhi NCR)
- NTTs & Mother Teachers (I, II)
- PRT - English, Computers, Science, Hindi
- TGT - English, Maths, Hindi, Science, Social Science, Computer Science
- PGT - English, Psychology
- Others - Lab Assistant, Music, Librarian, Skating, Tennis Coach

Email : hr@scholarsglobalschool.com
8307624828, 8607000713
Transport Facility from Delhi

OPG WORLD SCHOOL

Invites applications for the following positions for Dwarka branch –

1. PGTs	2. TGTs	3. PRTs
a. Fine Arts	a. Computer Science	a. English
b. Psychology	b. Social Science	b. Hindi
c. English	c. Hindi	c. Maths
d. History	d. Maths	d. Science
e. Economics	e. English	e. Pre Primary
f. PET	f. Science	f. Co-Teacher
4. IT Head	5. Pottery Teacher	6. PA to Director
7. Billing Executive		

Invites applications for the following positions for **Gurgaon branch** –
1. Receptionist 2. Computer Teacher 3. Pre Primary Teacher

NOTE –
A. **Relevant school experience** is required for all the above mentioned positions.
B. Send your resume latest by **09.01.2026** along with a latest passport size photograph – **to recruitmentinopg@gmail.com** for **Dwarka Branch** and **recruitmentinggn@gmail.com** for **Gurgaon branch.**
C. The **subject of the mail should clearly specify the post applied for.**
D. Only shortlisted candidates shall be informed.

LOCATIONS
Sector - 19B, Dwarka, New Delhi - 110075 | M-14/47, DLF Phase-2, Gurugram, 122022
www.opgworldschool.com

BOOK YOUR RECRUITMENT ADS
FOR BOOKING PLEASE CONTACT
Amit Ghosh
9811790649
To Book Online Log on To
Ads.timesofindia.com
SCAN TO BOOK
EXCLUSIVE OFFERS AND ASSISTANCE

THE TIMES OF INDIA
Readers are recommended to make appropriate enquires and seek appropriate advice before sending money, incurring any expenses, acting on medical recommendations or entering into any commitment in relation to any advertisement published in this publication. All creatives marked as Advertorial, Spotlight and Promotional Features are to be treated as Advertisements. The Times of India Group doesn't vouch for any claims made by the Advertisers of the products and services. The Printer, Publisher, Editor, and the owners of The Times of India Group publications shall not be held liable for any consequences, in the event such claims are not honoured by the Advertisers.

भर्ती

भर्ती-रिक्त पदों की स्थिति

अकादमिक

सामान्य

GREENFIELDS Public School (Sr. Sec.) D-Block, Vivek Vihar, Delhi-95 Req. Exp. Teachers for TGT/PGT- All Subjects, PRT, Pre-Primary, Admission Counsellor, Lab Assistant, Accountant & Receptionist. Ph. 011-43071170/49 EM: greenfield vivekvihar@gmail.com

REQ PRT, TGT- Eng, SST, Sci, Reptnst Walk-in interview Btw 8:30 am-12:30pm CBSE School in Sangam Vihar #9012037700, Hari Vidya Bhawan School

SCHOOL in Pitampura requires NTT,PRT,PGT&TGT Eng Math,Comp,Libr,Acc,SST,Eco, Robotcs,Chem,Bio,Geo,Psych, Graph Des,SST,Admin.with min 5yrs exp info@ppiachool.in

MODERN SCHOOL

SENIOR SECONDARY AFFILIATED TO C.B.S.E.
HS-08, SECTOR DELTA-1, GREATER NOIDA (U.P.).
Mob.: 9599777167

Urgent Requirement of Trained & Qualified Staff:

ACADEMIC CO-ORDINATOR
P.G., Innovative, Dynamic & min. 3 years exp. in similar capacity for Middle & Senior Secondary.

P.G.T.
Maths, Chemistry, Eng., Physics, Accounts.

T.G.T.
English, Science, Art & Craft.

P.R.T.
English, Maths, Science, Hindi, Mother Teacher, Art & Craft, Activity Teacher.

NTT
3 years of experience, young, dynamic and fluent in English.

OTHERS
ADMISSION COUNSELLOR, NURSE, FRONT OFFICE, LAB ASSISTANT (PHYSICS, CHEMISTRY, BIOLOGY, ATL/ROBOTICS)

GOOD PAY PACKAGE AS PER GRADES. HIGHER START ALSO CONSIDERABLE FOR OUTSTANDING & DESERVING CANDIDATES.

Interested candidates may apply to the DIRECTOR with Application, Resume & Recent Photo latest by 10.01.2026.
E-mail: hr@modernschoolgnoida.com

ST. MARY'S SR. SEC. SCHOOL

(Affiliated to CBSE)
A-2, Mayur Vihar Phase-III, Delhi-110096, Ph: 22613539.

REQUIRE
- PRT- All Subjects (3 Post)
- Special Educator (PRT)
- PET (PRT)
- TGT - Hindi
- TGT - Maths

Apply on the prescribed application form available at school office on all working days during office hours from 30th December, 2025 to 09th January, 2026.
Principal

SAHODAY SR. SEC. SCHOOL

C-1, SDA, Hauz Khas N.DELHI-16
Ph: (011) 41024501

Requires:
1. PRT All Subject (1)
2. PRT Art & Craft - Female (1)
3. TGT Sports & Games (1)
4. TGT Artificial Intelligence (1)
5. TGT Hindi cum Sanskrit (2)
6. TGT S.St cum English (2)
7. TGT Science (1)
8. TGT Mathematics (1)
9. TGT Spanish (1)
10. TGT Counsellor (1)
11. TGT Western Dance (1)
12. PGT Physics (1)
13. PGT Biology (1)
14. PGT History (1)
15. LDC (1), 16. UDC (1)

Candidates should have proficiency in English, Computer Knowledge and 2 years' experience preferred. Application Form must be collected from the school office from 30th Dec. 2025 to 09th January 2026, (Monday to Friday) between 9:00 a.m. to 12:00 noon on working days.

RUKMINI DEVI PUBLIC SCHOOL

The School with a difference...
Requires Trained & Experienced Teachers with excellent communication skills for the following posts:
- Headmistress with an experience of 10 years in teaching.
- TGT - ALL SUBJECTS
- NTT - ALL SUBJECTS
- PRT - ALL SUBJECTS

Qualification as per CBSE/ State Government norms. Salary as per Society norms.
Send us your resume by 05-01-2026 at contact@rdpsrohini.edu.in
For More Information: 011-48018033, 9311468102

लेखा

लेखा और वित्त

DATA entry operator needed for accounting dept. Tally 3-5yrs exp.Aduex Display Service, Sahibabad Indust. area, suchi@aduexdisplay.com

अकाउंटेंट (लेखाकार)

REQD. Female Accounts Assistant with good knowledge of Taxation, 3 to 4 yrs Exp. Office in Rajouri Garden. CV to Email: macleindia@gmail.com

प्रशासन

आयात/निर्यात

REQ. candidate who has exp. in export of gold & diamond jewellery through B2B exhibitions in UAE,Saudi Arabia,GCC Nations.Good salary 9810092224

कार्यालय सहायक

OFFICE admin Asst., draft letter, excel sheets, organise docs. 2-4yrs exp. Aduex Display Service, Sahibabad Indust. area, suchi@aduexdisplay.com

चपरासी

आवश्यकता है एक ड्राइवर (Driver) एवं एक चपरासी (Peon) की। संपर्क करें Send Biodata with Photo Whatsapp # 9711009093

रिसेप्शनिस्ट और टेलिफोन ऑपरेटर्स

REQD Smart (F) Receptionist fluent in English & proficient in MS Office & can handle front desk, EPABX, & basic admin tasks for Co. in South Delhi. em: domovhousing@gmail.com

प्रबंधक

REQD- Commercial Building Maintenance In-charge, Golf Course Ext.Rd,Ggn,Expiration 5-10yr Qualification Engg. & Equivalent Contact 8222888601

आईटी संबंधित

डिजाइनर्स

GRAPHIC designer needed, illustrator, photoshop, coral draw. 3-5yrs.Aduex Display Service, Sahibabad Indust. area, suchi@aduexdisplay.com

3D artist and visualiser , 3D Max, modelling, lighting. Aduex Display Service, Sahibabad Indust. area, suchi@aduexdisplay.com

कंप्यूटर ऑपरेटर्स

WANTED 15 Computer Operators for permanent position with 32 year old ISO Certified Indian Company. Must be proficient in MS Office. Sincere hardworking candidates freshers welcome. Remuneration depending on calibre.Walk in interviews on 29th Dec-25 to 3rd Jan-26 between 11:00 AM and 4:30 PM at G.I.Group, TA-264/265, First Floor, mall road Tughlakabad Extn., (Next to Pocket No-8, DDA Flat Kalkaji Extn) ND-19

चाहिए Govt.Sector में Contract Basis- DEO, Steno, MTS, Cleaners Security Guards, Cook,Mali. Sal 20K - 40K + सभी सुविधाएं 8506880272,9017127476

डीटीपी आपरेटर

REQUIRED DTP Operators should have proficiency in CorelDraw & Photoshop for Advertising Agency. Preferred to nearby Dwarka/ West Delhi. Send resume at: fmadvtg@gmail.com

विपणन, विज्ञापन और बिक्री

DIGITAL MARKETING

REQ. M/F Staff Exp. in Digital Marketing , SEO & Website Designing, Computer Optrs. for a Book Trade Firm at Ansari Road, Daryaganj, New Delhi. Send resume with Photo mkvar9@gmail.com 9871009093

बिक्री

सैल्समैन/महिला चाहिए पार्ट/ फुल टाइम, जो द्वारका मोड़ के आस पास ब्यूटी पार्लरों से आयुर्वेदिक हर्बल ब्यूटी / हैल्थ प्रोडक्ट के ऑर्डर ला सकें, कमीशन + वेतन 9810478004

विपणन (मार्केटिंग)

MKTG Manager (for all India) reqd. for chemical. products. Jai Earth, B-304, Vikas Tower, Nr PVR Vikaspuri. # 959992-6970. E: jalearthclay@jai.org.in

अन्य प्रोफेशनल्स

वास्तुकार (आर्किटेक्ट)

REQD. Architect/Draftsman. 5-7yr exp. for an Architectural Firm in Vaishali,GZB for large scale real-estate project. 98187-99463 Em: contact@desarc.co.in

अन्य रिक्तियां

चालक

ड्राइवर आवश्यकता है अच्छे व 10 साल से अधिक अनुभवी घरेलू कार ड्राइवर की, मालवीय नगर में, उम्र 30+, ईमानदार होना चाहिए, WhatsApp 9910866627 करें कार्यालय, लाइसेंस।

ड्राइवर की आवश्यकता है पटेल नगर कोठी के लिए,अनुभव 8-10 साल जो पारिवारिक एवं शाकाहारी हो जिसे DELHI-NCR व बाहर के सभी रूट की जानकारी हो।
Mob # 9958522002, 8010148673

इंजीनियर्स

MECHANICAL and civil engineer 2-5yrs.Aduex Display Service, Sahibabad Indust. area, suchi@aduexdisplay.com

सामान्य

WANTED Part time field Exe. with conveyance 4 pm to 9 pm Starting Salary 8000+ Meet within 10 days LG-7, Lusa Tower Azadpur # 9811008297

REQD. Male Video Editor for handling social media channel. Salary 15-20k, Call bet. Mon. to Fri. Gupta Properties, A-3/45, Sec-29, Rohini, Delhi 9971077230

एकाधिक रिक्तियां

REQD. F/M Mktg. Exe. for Govt. & Intl Sales & comp. Optr.MS,Gen. work,Excel, Internet must. सिलाई कारीगर, मास्टर for फैक्ट्री : 9625471685

NGO Req.: Educated M/F retired senior citizens for part-time work (12pm-5pm).Salary: Rs 5k/month. Location: Laxmi Nagar, East Delhi. 8736040983.

Shudh Garhwal Paneer Ltd.

27, Rani Jhansi Road, New Delhi-110055
1. Computer / Tally / Accounts
2. ...
3. ...
4. ...
5. ...
6. Security Guards/Supervisors
7. Marketing Executive
Contact: 7838595981 & 9891866161

सेवाएं

होटल उद्योग

कुक चाहिए नजदीक दिलशाद गार्डन मेट्रो स्टेशन जगह उपलब्ध है कुछ स्नैक्स हेतु, गोल गप्पे, चाट पापड़ी, भटूरे, छोले, चौमिन, नान, फोन: 9810523797, 8212782612

नौकरानी सेवा

आवश्यकता है अनुभवी माली की नजफगढ़ दिल्ली में फार्म हॉउस के लिए, जो फार्म हॉउस पर ही रह सके। संपर्क करें अशोक जी :- 9911665530

तकनीकी

यांत्रिकी

सामान्य फैक्ट्री काम के लिए कुशल इलेक्ट्रीशियन चाहिए। 3-5 साल का अनुभव। एडुएक्स डिस्प्ले सर्विस, साहिबाबाद इंडस्ट्रियल एरिया, +91 1204138009

BOOK YOUR CLASSIFIED ADS
• FOR RECRUITMENT ADS PLEASE CONTACT AMIT : 9811790649
• FOR PROPERTY ADS PLEASE CONTACT SUNIL : 9999499496
TO BOOK ONLINE LOG ON TO Ads.timesofindia.com
SCAN QR CODE

टेंडर और नोटिस

निविदाएं (टेंडर्स)

पंजाब नैशनल बैंक punjab national bank
निविदा सूचना
...
दिनांक: 31.12.2025 मण्डल प्रमुख

NOTICE INVITING
Bids for repair at Ranjit Vihar-I, Dwarka Sector-22
Comprehensive repairs to society infra is required which include the following: Removal of damaged & loose plaster from external walls, re-plastering & painting, structural repairs & guniting, prep & painting of walls of common areas, roof treatment, replacement of sewage / rainwater/ drinking water pipes in shaft, proven of pipes for drainage of water from AC.
Note: The complete work should have min 10 years warranty. Measurements to be done by the vendor for prep of quotation.
For site visit and clarification on detailed nature of work, please contact: Mob no 8130113563 / 9836758806.
Last Bid Submission Date 17 Jan 2026

प्रॉपर्टी

प्रॉपर्टी ऐक्सेसरीज

वाणिज्यिक परिसर (अचल संपत्ति)

व्यक्तिगत

नाम परिवर्तन

I Hemant S/o Parveen Dua R/o 13/21, Sarai Mohalla, Main Bazaar, Bahadurgarh, Haryana have changed my name from Hemant to Hemant Dua

I, Vichitra Sikka, D/o Padmini Sikka; W/o Shashwat Angira, R/o S-312 First Floor GK-II, New Delhi 110048 have changed my name to Vichitra Angira for all future purposes.

I, Saiyyad Ameer ul Hasan S/o Zameer Hasan,3867 gali hospital wali,Kalan Mehal Darya Ganj Delhi-02 have changed my name to Ameer Hasan

I, Aarti Gupta W/o Late Rajesh Kumar R/o H.No. 175, Ist Floor, Pkt-14, Sector-24, Rohini, New Delhi-110085 have changed my name to Aarti Singla

I Sowjanya Devireddy D/o Ravi Babu R/o Noida, NCR have changed my name from Sowjanya Devireddy to Sowjanya Arora for all future purposes

I have changed my name from Nand kishor Goyal to Nand Kishor. Thank you

IT is for general information that I, Rahul Agrawal S/o Hari Ram Agrawal, R/o C-121/41, Gali No. 32, near NDC Public School, Samosa Chowk, Madanpur Khadar Extn, South-East Delhi- 110076, declare that name of mine and my father has been wrongly written as Rahul Agarwal and Hari Ram Agarwal in my Driving License No. DL0320100197675 respectively, which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

I hitherto known as VIPIN KUMAR JAIN Son of SHRI JAIPAL JAIN residing at H-101,SIDH APPARTMENT ,I P EXT, PATPARGANJ, DELHI - 110092 have changed my name and shall hereafter be known as VIPIN JAIN.

खोया एवं पाया

I, Vijay Kumar Khurana, s/o Shri Ram Dhan R/O Flat No. 316, Vasto-1, Mahagun Mansion Phase-2, Indirapuram, Ghaziabad, U.P., have lost 25 original shares of M/s Raymond Ltd held in the name of Mrs. Kaushalya Devi bearing Folio No. 20023905. If anyone found, call # 9899632282 or send at above address.

I, Vijay Kumar Khurana s/o Shri Ram Dhan R/o Flat No 316, Vasto-1, Mahagun Mansion Phase-2, Indirapuram, Ghaziabad U.P., have lost 40 original shares of M/s Raymond Ltd. held in the name of Mrs. Ishwar Khurana bearing Folio No. Z0023906. If anyone found, call # 9899632282 or send at above address.

जश्न

जन्मदिन की बधाइयां

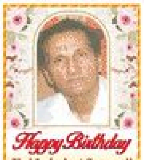

Happy Birthday
Shri Inderjeet Saxena ji

No amount of gratitude can ever repay the deep love showered by you upon us. The wisdom given by you that made us stand tall & strong in this world. The integrity taught by you which earned us this reputation. We heartily thank you and promise that you will remain in our hearts till our last breath.

Fondly Remembered by Ruchi, Bhupesh, Suhaan And Entire Saxena, Yadav & Bhatnagar Family.

TIMES interact
BUSINESS CONNECT

BUSINESS OFFER
Earn 1,00,000 to 5,00,000 per month
Install Ladies Sanitary Pad, Baby Diaper Machine, Underarm Pad, Breast Pad, Panty Liner, Adult Diaper Machine with Buyback Agreement
9643010487, 9205428852, 8376001873, 8929557840, 011-25920179

TO BOOK YOUR RECRUITMENT ADS PLEASE CALL
AMIT : 9811790649
TO BOOK ONLINE LOG ON TO Ads.timesofindia.com
EXCLUSIVE OFFERS AND ASSISTANCE
SCAN QR CODE

HEALTH & WELLNESS

SEX PROBLEM
सन्यासी आयुर्वेदा
घर बैठे दवा मंगवायें
फ्री सलाह: 8527001155

IVF क्यों? जब है Ayurved
SEX रोगी मिलें
आकार दवाखाना
9953396533
8860003863

TO BOOK YOUR TRAVEL ADS PLEASE CALL
AMAN : 9312633518
TO BOOK ONLINE LOG ON TO Ads.timesofindia.com

बचपन की गलतियाँ
चेतन आयुर्वेदा
▸बदरपुर ▸दरियागंज ▸भजनपुरा ▸छतरपुर
9817469817

BOOK YOUR BUSINESS ADS
FOR BOOKING PLEASE CONTACT
Aman Pasricha
9312633518
TO BOOK ONLINE LOG ON TO
Ads.timesofindia.com
SCAN TO BOOK
EXCLUSIVE OFFERS AND ASSISTANCE

TIMES interact
Connecting People, Connecting Needs.

TO ADVERTISE IN THE CLASSIFIEDS SECTION, FOR ANY OF THE BELOW MENTIONED CATEGORIES

MATRIMONIAL | BUSINESS | PROPERTY
RECRUITMENT, EDUCATION | SHOPPING | SERVICES, VEHICLES, TRAVEL
TENDER, PUBLIC NOTICE | CHANGE OF NAME, LOST & FOUND | BIRTHDAY/ ANNIVERSARY ADS

Please call us at the below mentioned nos.

Area / Zone	Contact Person	Mobile No.	Area / Zone	Contact Person	Mobile No.
Central Delhi1 + North Delhi	Amit Ghosh	98117 90649	South Delhi + Faridabad + Noida	Raghav Arora	99999 95460
Central Delhi2 + Ghaziabad + East Delhi	Sunil Srivastava	99994 99496	West Delhi + Dwarka + Gurgaon	Aman Pasricha	93126 33518

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 31-12-2025 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH07 User: sachin.saini Time: 12-30-2025 20:18 Color:

शीतकालीन तीर्थाटन एवं पर्यटन को नई दिशा दे रही देवभूमि उत्तराखंड

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मुखबा यात्रा के बाद शीतकालीन चारधाम सर्किट को मिली नई राष्ट्रीय पहचान। उत्तराखंड सरकार इस विजन को प्रमुखता देते हुए सालभर तीर्थयात्रा कर सकने की सुविधा को सुनिश्चित कर रही है। बर्फ से ढकी चोटियां और प्राचीन पूजा स्थल तीर्थयात्रा के अनुभव को दिव्यता देंगे।

"माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदृष्टिपूर्ण नेतृत्व से प्रेरित होकर, हम उत्तराखंड के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। प्राकृतिक सौंदर्य, सांस्कृतिक समृद्धि और अपार संभावनाओं के साथ हम दूरदर्शी नीतियों और केंद्रित पहलों के माध्यम से आर्थिक विकास को गति देने, अवसंरचना को उन्नत करने और प्रत्येक नागरिक के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने का निरंतर प्रयास कर रहे हैं। हमारा उद्देश्य उत्तराखंड को विकास का एक आदर्श मॉडल बनाना है, जहां विरासत और नवाचार साथ-साथ आगे बढ़ें, और हर व्यक्ति को एक समृद्ध, प्रगतिशील और समावेशी वातावरण में आगे बढ़ने और सफल होने के अवसर मिलें।"

— **पुष्कर सिंह धामी**
मुख्यमंत्री, उत्तराखंड

आस्था, आध्यात्म व रोमांच का केंद्र है देवभूमि उत्तराखण्ड

गंगा मंदिर, उत्तरकाशी

ओंकारेश्वर मंदिर, उखीमठ

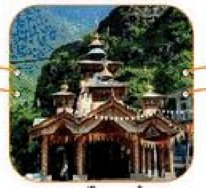
यमुना मंदिर, खरसाली

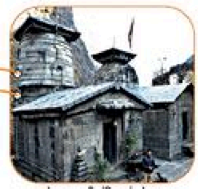
योगध्यान बद्री मंदिर, पांडुकेश्वर

उत्तराखंड का शीतकालीन चारधाम सर्किट पारंपरिक ग्रीष्मकालीन तीर्थयात्रा को एक सालभर उपलब्ध आध्यात्मिक और पर्यटन अवसर में परिवर्तित करता है। गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ और बदरीनाथ के मुख्य मंदिर जब शीतऋतु के दौरान बंद हो जाते हैं, तो उनके देवताओं की मूर्तियां शीतकालीन गद्दीस्थलों या वैकल्पिक स्थानों पर स्थापित की जाती हैं, जिससे भक्त पूजा-अर्चना जारी रख सकें। हाल के महीनों में, इस सर्किट को नई पहचान तब मिली जब गंगा की शीतकालीन निवासस्थली मुखबा में एक उच्च-स्तरीय यात्रा हुई।

6 मार्च 2025 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हर्षिल-मुखबा क्षेत्र में स्थित गंगोत्री के शीतकालीन प्रवास पर दर्शन किए और पूजा-अर्चना की। इस यात्रा ने शीतकालीन तीर्थयात्रा के महत्व को रेखांकित किया और यह दर्शाया कि उत्तराखंड में पर्यटन को गर्मियों के मौसम से आगे बढ़ाकर सालभर की आर्थिक और सांस्कृतिक गतिविधि बनाया जा सकता है। प्रधानमंत्री का संदेश स्पष्ट था—शीत ऋतु को 'ऑफ-सीजन' के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह यात्रा आस्था और विकास दोनों का प्रतीक बनी, क्योंकि इसने चारधाम की धार्मिक निरंतरता को पुन: स्थापित किया और साथ ही शीतकालीन पर्यटन को मजबूत करने के लिए आवश्यक अवसंरचना और प्रचार-प्रसार पर ध्यान आकर्षित किया।

मुखबा अपने आप में शांत और मनोहारी हिमालयी सौंदर्य वाला स्थान है। गंगोत्री धाम के कपाट बंद होने पर देवी की मूर्ति विधि-विधान के साथ मुखबा लाई जाती है, जिससे भक्त कम ऊंचाई वाले इस स्थान पर भी पूजा कर सकें। बर्फ से ढकी चोटियां और प्राचीन पूजा-पद्धतियों का संगम मुखबा को शीतकालीन तीर्थयात्रा का एक अनोखा और भावपूर्ण प्रारंभिक बिंदु बनाता है।

शीतकालीन चारधाम सर्किट देवप्रतिमाओं को शीतकालीन मंदिरों में स्थापित कर सालभर तीर्थयात्रा को संभव बनाता है, जहां आस्था हिमालयी यात्रा अनुभवों के साथ सुगमता से जुड़ती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मुखबा यात्रा ने शीतकालीन पर्यटन की विशाल संभावनाओं को उजागर किया, जिससे अवसंरचना विकास और पर्यटन प्रोत्साहन को नई दिशा मिली। औली, चकराता और दयारा बुग्याल जैसे नजदीकी गंतव्य आध्यात्मिकता, रोमांच और प्रकृति-आधारित अनुभवों को और समृद्ध बनाते हैं।

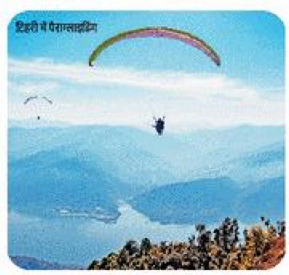
टिहरी में पैराग्लाइडिंग

"उत्तराखंड के पास एक प्राकृतिक आध्यात्मिक शक्ति है, जो उसे विशिष्ट बनाती है। देवभूमि की यह शक्ति, विरासत और पवित्रता इसे ऐसी पहचान देती है, जो कहीं और नहीं मिलती। राज्य अब अपार संभावनाओं के दौर में प्रवेश कर रहा है और यदि यह दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़े, तो दुनिया के प्रमुख आध्यात्मिक केंद्रों में अपना स्थान बना सकता है। आध्यात्मिक सामर्थ्य के साथ-साथ उत्तराखंड एक सुंदर विवाह-गंतव्य के रूप में भी उभर रहा है। 'वेड इन इंडिया' दृष्टिकोण का लाभ लेने के लिए राज्य कुछ चुनिंदा स्थानों को विश्व-स्तरीय सुविधाओं से सुसज्जित कर विकसित कर सकता है, ताकि देश भर के लोग उत्तराखंड की शांत और दिव्य वादियों में अपने विशेष अवसरों का उत्सव मना सकें।"

– **नरेन्द्र मोदी**, प्रधानमंत्री

शीतकालीन चारधाम के अनुभव को आस-पास के गंतव्यों से बनाएं बेहतर

दयारा बुग्याल

दयारा बुग्याल: एक विस्तृत अल्पाइन घासभूमि, जो शीतकालीन बर्फीले नजारों और ग्रीष्मकालीन चरागाहों के लिए प्रसिद्ध है। सर्दियों में इसकी दूर-दूर तक फैली सफेद घाटियां ध्यानपूर्ण सैर के लिए आदर्श हैं और हिमालय के व्यापक दृश्य प्रस्तुत करती हैं।

चकराता: देवदार के जंगलों, झरनों और आसान ट्रेकिंग मार्गों के लिए जाना जाने वाला शांत पहाड़ी कस्बा। चकराता के सुरम्य वनप्रदेश भीड़भाड़ वाले तीर्थ मार्गों से अलग एक शांत अनुभव प्रदान करते हैं।

लाखामंडल: यह प्राचीन मंदिर परिसर पुरातात्विक अवशेषों और ऐतिहासिक शिव मंदिरों से सम्पन्न है। क्षेत्र की प्रारंभिक मंदिर स्थापत्य परंपरा और स्थानीय पौराणिक धरोहर में रुचि रखने वाले यात्रियों के लिए यह एक सांस्कृतिक आकर्षण जोड़ता है।

औली: भारत का प्रमुख स्कीइंग गंतव्य, जहां शीतकालीन खेल, रोपवे और नंदा देवी सहित कई हिमालयी चोटियों के दिव्य दृश्य उपलब्ध हैं। तीर्थयात्रा के साथ रोमांचक पर्यटन अनुभव चाहने वाले यात्रियों के लिए औली एक आकर्षक विकल्प है।

काशी विश्वनाथ (उत्तरकाशी): उत्तरकाशी का विश्वनाथ मंदिर एक महत्वपूर्ण क्षेत्रीय धाम है और ऊंचाई वाले तीर्थस्थलों की ओर जाते समय एक आध्यात्मिक विराम प्रदान करता है। इसकी उपस्थिति चारधाम यात्रा की धार्मिक निरंतरता को और मजबूत बनाती है।

नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान: यूनेस्को बायोस्फियर रिजर्व के रूप में मान्यता प्राप्त यह उद्यान उच्च हिमालयी वाइल्डरनेस, दुर्लभ वनस्पतियों—जीवों और समृद्ध संरक्षण विरासत के लिए प्रसिद्ध है। यहां की यात्रा तीर्थयात्रा अनुभव में पर्यावरणीय जागरूकता और प्रकृति संरक्षण की गहराई जोड़ती है।

औली

विश्व की आध्यात्मिक राजधानी बनने की दिशा में अग्रसर हो रहा उत्तराखंड

उत्तराखंड अपने मंदिर सर्किट, प्राचीन विरासत और सांस्कृतिक पहचान को सशक्त बनाकर खुद को आध्यात्मिकता और कल्याण का वैश्विक केंद्र स्थापित करने की दिशा में अग्रसर है। अपने इस प्रयास से यह विश्व पटल पर नई पहचान भी स्थापित कर रहा है

उत्तराखंड धीरे-धीरे एक प्रमुख आध्यात्मिक केंद्र के रूप में उभर रहा है, जो प्राचीन मंदिर सर्किटों को पुनर्जीवित, सशक्त और आधुनिक बनाने के केंद्रित प्रयासों से प्रेरित है। इस दिशा में एक प्रमुख पहल है मानसखंड मंदिर माला मिशन, जिसका उद्देश्य कुमाऊं क्षेत्र के महत्वपूर्ण मंदिरों का विकास और आपसी कनेक्टिविटी सुनिश्चित करना है। मिशन के तहत पहुंच मार्गों, आगंतुक सुविधाओं और धरोहर अवसंरचना में सुधार कर, राज्य की समृद्ध सभ्यतात्मक विरासत पर आधारित एक सहज तीर्थयात्रा अनुभव तैयार करना लक्ष्य है।

इस आध्यात्मिक परिदृश्य में योगदान देने वाले प्रमुख मंदिरों में रुद्रप्रयाग जिले का कार्तिक स्वामी मंदिर शामिल है। एक ऊंची पहाड़ी कगार पर स्थित यह मंदिर भगवान कार्तिकेय को समर्पित है और हिमालयी चोटियों के मनोरम दृश्य के साथ शांतिपूर्ण भक्तिपूर्ण वातावरण प्रदान करता है। इसकी अनूठी भौगोलिक स्थिति इसे तीर्थयात्रियों और आगंतुकों के लिए एक पवित्र स्थल और मनोहारी दृष्टि बिंदु दोनों बनाती है।

इसी तरह, त्रियुगीनारायण मंदिर, जो रुद्रप्रयाग में स्थित है, भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। पौराणिक कथाओं में लिप्त यह मंदिर भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह स्थल के रूप में जाना जाता है। मंदिर परिसर में लगातार जलती रहने वाली अनंत ज्योति उस दिव्य मिलन का जीवित प्रतीक मानी जाती है, जो पूरे वर्ष भक्तों को आकर्षित करती है।

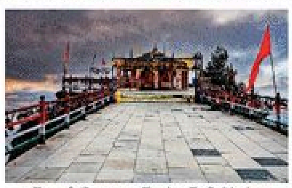
कार्तिक स्वामी मंदिर, भगवान कार्तिक को समर्पित, जिन्हें देश के कुछ हिस्सों में भगवान मुरुगा / मुरुगन के नाम से जाना जाता है।

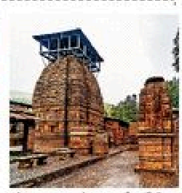
जागेश्वर धाम, 125 से ज्यादा प्राचीन मंदिरों का समूह, जो भगवान शिव को समर्पित है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 9 नवंबर 2025 को देहरादून में दिया गया संबोधन राज्य की आध्यात्मिक संभावनाओं को और मजबूत करता है। उन्होंने उत्तराखंड की प्राकृतिक और सांस्कृतिक शक्ति पर बल देते हुए कहा, "यदि उत्तराखंड इसे ठान ले, तो कुछ ही वर्षों में यह विश्व की आध्यात्मिक राजधानी के रूप में स्थापित हो सकता है" उनकी यह टिप्पणी राज्य की बदलती पहचान की संपूर्णता को दर्शाती है, जो आध्यात्मिकता, तीर्थयात्रा और सांस्कृतिक निरंतरता में निहित है।

रणनीतिक विकास, बेहतर कनेक्टिविटी और धरोहर आधारित विकास पर नए प्रयास के साथ, उत्तराखंड इस दृष्टि को साकार करने की दिशा में अग्रसर है, खुद को विश्वास, पवित्रता और आध्यात्मिक खोज का वैश्विक केंद्र बनाने के लिए तैयार कर रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कहना है कि ग्रामीण इलाके पर्यटन के केंद्र बन रहे हैं। साथ ही हर पर्यटन स्थल अपना खुद का राजस्व मॉडल भी विकसित कर सकता है। हमें ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए होमस्टे और छोटे होटलों जैसे व्यवसायों को बढ़ावा देने की आवश्यकता है

'वेड इन उत्तराखंड' से राज्य में बढ़ रहा वेडिंग पर्यटन का आकर्षण

राज्य की पर्यटन क्षमता की ओर इशारा करते हुए, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय 'वेड इन इंडिया' पहल के तहत उत्तराखंड की क्षमता को एक प्रमुख डेस्टिनेशन वेडिंग स्थल के रूप में उभरने की ओर इंगित किया। यह पहल प्रदेश में पर्यटन को नई दिशा दे रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल के बाद उत्तराखंड धीरे-धीरे शादी पर्यटन के लिए एक प्रत्याशित गंतव्य के रूप में उभर रहा है। पीएम मोदी ने राज्य स्थापना दिवस समारोह, 9 नवंबर 2025 को अपने संबोधन में राज्य के प्राकृतिक दृश्य, आध्यात्मिक वातावरण और बढ़ती पर्यटन अवसंरचना की क्षमता पर जोर देते हुए कहा कि ये सभी कारक देश और विदेश से वेडिंग पर्यटन को आकर्षित करने में सहायक हैं। प्रधानमंत्री ने उल्लेख किया कि उत्तराखंड पहले ही एक वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकसित हो रहा है, जो अपनी पर्वतीय भव्यता, नदियों और शांत घाटियों के प्राकृतिक सौंदर्य पर आधारित है। उन्होंने 'वेड इन इंडिया' पहल के अंतर्गत राज्य की एक विशिष्ट पहचान बनाने का महत्व रेखांकित किया और सुझाव दिया कि उत्तराखंड 5–7 प्रमुख वेडिंग स्थल विकसित कर सकता है, जो उच्च गुणवत्ता वाली सुविधाओं के साथ राज्य की सांस्कृतिक और प्राकृतिक समृद्धि को प्रदर्शित करें।

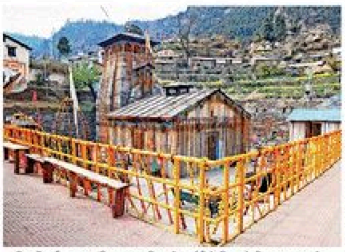
प्रसिद्ध त्रियुगीनारायण मंदिर, भगवान शिव और पार्वती के विवाह के लिए जाना जाता है और अटूट आस्था और आध्यात्मिक बंधन का प्रतीक है।

उन्होंने यह भी कहा कि पहुंच मार्गों में सुधार, आतिथ्य सेवाओं को बढ़ाना और स्थानीय परंपराओं को समेकित करना न केवल पर्यटन अर्थव्यवस्था को सशक्त करेगा बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए नए रोजगार अवसर भी सृजित करेगा। रोमांच, ईको-टूरिज्म और धार्मिक पर्यटन को पहले ही बढ़ावा देने वाली सरकार के लिए, समर्पित वेडिंग डेस्टिनेशन रणनीति राज्य की पेशकशों में और विविधता जोड़ती है।

मजबूत जनसहानुभूति और प्रधानमंत्री की दूरदृष्टि के साथ, उत्तराखंड भारत के सबसे आकर्षक वेडिंग गंतव्यों में से एक के रूप में अपनी स्थिति बनाने जा रहा है, जहां प्राकृतिक सौंदर्य, सांस्कृतिक गहराई और विश्व-स्तरीय आतिथ्य का अनूठा संयोजन मिलेगा।

होमस्टे नीति से ग्रामीण पर्यटन को मिल रहा विस्तार

5,000 से अधिक पंजीकृत होमस्टे और प्रोत्साहनों के साथ, होमस्टे नीति सामुदायिक पर्यटन और स्थानीय आजीविका को मजबूत बना रही है

उत्तराखंड की होमस्टे नीति तेजी से ग्रामीण पर्यटन और समावेशी विकास का महत्वपूर्ण स्तंभ बनती जा रही है। वर्तमान में राज्य में 5,000 से अधिक पंजीकृत होमस्टे हैं, जो पहाड़ी जिलों में समुदाय-आधारित आवास के तेज विस्तार को दर्शाते हैं।

योजना के तहत, सामान्य क्षेत्रों में संचालित होमस्टे को अधिकतम ₹7.5 लाख तक की पूंजी अनुदान मिल सकती है, जबकि पर्वतीय क्षेत्रों में यह राशि ₹10 लाख तक हो सकती है। इसके अतिरिक्त, कई वर्षों के लिए ब्याज अनुदान का भी प्रावधान है। होमस्टे संचालकों का स्थानीय निवासी होना आवश्यक है और उन्हें स्थानीय संस्कृति, व्यंजन और आतिथ्य को पर्यटक अनुभव में शामिल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

इस नीति का उद्देश्य ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत करना, रोजगार सृजित करना और पर्यटन के माध्यम से पलायन को रोकना है। प्रारंभिक आंकलन बताते हैं कि होमस्टे मॉडल आय बढ़ाने, स्थानीय आजीविकाओं में विविधता लाने और उत्तराखंड के दूरस्थ क्षेत्रों में सामुदायिक विकास में योगदान दे रहा है।

आस्था, आध्यात्म व रोमांच का केंद्र है आदि कैलाश

प्रधानमंत्री की यात्रा के बाद आस्था व साहस का प्रतीक बनकर उभरा है आदि कैलाश

आदि कैलाश, उत्तराखंड के सबसे पूजनीय आध्यात्मिक स्थलों में से एक,

आज तेजी से ऐसे गंतव्य के रूप में उभर रहा है जहां पौराणिक विरासत और ऊंचाई वाले साहसिक अनुभव एक साथ मिलते हैं। अपनी गहरी पौराणिक महत्ता और भव्य हिमालयी आभा के लिए प्रसिद्ध आदि कैलाश राज्य की सांस्कृतिक पहचान में एक विशेष स्थान रखता है। यह क्षेत्र अब तीर्थयात्रियों, प्रकृति प्रेमियों और रोमांच-प्रेमी यात्रियों को आकर्षित कर रहा है, जो आध्यात्मिक शांति के साथ-साथ निर्मल प्राकृतिक सौंदर्य की तलाश में आते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आदि कैलाश यात्रा ने इसकी राष्ट्रीय पहचान को और अधिक सशक्त किया है। 9 नवंबर 2025 को देहरादून में अपने संबोधन के दौरान

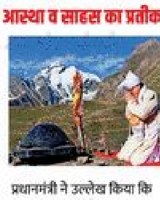

प्रधानमंत्री ने उल्लेख किया कि किस प्रकार यह क्षेत्र उत्तराखंड की बढ़ती पर्यटन अपील का एक महत्वपूर्ण प्रतीक बन रहा है। उन्होंने बढ़ती पर्यटक संख्या की सराहना करते हुए बताया कि तीन वर्ष पहले जहां वर्षभर में 2,000 से भी कम पर्यटक आते थे, वहीं अब यह संख्या बढ़कर लगभग 30,000 पहुंच गई है। यह बदलाव बेहतर कनेक्टिविटी और उन्नत अवसंरचना के परिवर्तनकारी प्रभाव को दर्शाता है। यह क्षेत्र एक ऐतिहासिक खेल आयोजन का भी साक्षी बना, जहां उच्च हिमालयी ऊंचाइयों पर आयोजित अल्ट्रामैराथन और आदि कैलाश परिक्रमा रन सफलतापूर्वक संपन्न हुए। प्रधानमंत्री ने इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन न केवल साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देते हैं, बल्कि देश-विदेश के एथलीटों को हिमालय की आध्यात्मिक और पर्यावरणीय समृद्धि से भी परिचित कराते हैं। उन्होंने कहा कि ये प्रयास राज्य में इको-टूरिज्म और एडवेंचर टूरिज्म की अपार संभावनाओं को सामने लाते हैं।

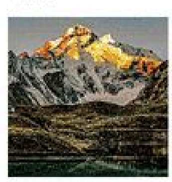

अनदेखे रोमांच का अद्वितीय संगम

उत्तराखंड दुनियाभर के रोमांच खेल प्रेमियों को अनूठा अनुभव प्रदान करता है

देश में जब रोमांच पर्यटन की बात आती है, तो उत्तराखंड अपने विविध परिदृश्यों और रोमांच प्रेमियों का पसंदीदा स्थान बन जाता है। यहां रोमांचक गतिविधियों की कोई कमी नहीं है। आपको यहां जोश से भर देने वाले कई खेल खेलने को मिल जाते हैं और यही कारण है कि दुनियाभर के रोमांच प्रेमियों के लिए यह राज्य असाधारण अनुभव प्रदान करता है।

ट्रैकिंग और हाईकिंग

ट्रैकिंग और हाइकिंग के माध्यम से आप उत्तराखंड की सुदूर जगहों की यात्रा कर सकते हैं। यहां पारंपरिक रूपकुंड ट्रैक पर ट्रैकिंग का आनंद लिया जा सकता है, जहां हरे-भरे जंगल और घास के मैदानों के बीच या फूलों की घाटी के बीच से होकर गुजरना सुखद अहसास दे सकता है। लंबी सैर करने वालों के लिए केदारकांठा और गौमुख तपोवन ट्रैक जीवन भर के लिए यादगार अनुभव दे जाते हैं।

बंजी जंपिंग

विश्व की योग राजधानी के रूप में भी पहचाना जाने वाला ऋषिकेश अपने जोशीले रोमांच के लिए भी जाना जाता है, क्योंकि यहां पूरे देश में सबसे ऊंची बंजी जंपिंग साइट है। गुरुत्वाकर्षण को चुनौती देने की इच्छा रखने वाले रोमांच प्रेमी शानदार हिमालय पहाड़ियों के बीच बंजी जंपिंग करने के लिए यहां आते हैं।

स्कीइंग

चमोली जिले में स्थित औली को स्कीइंग प्रेमियों के केंद्र के रूप में जाना जाता है। दूर तक बर्फ से ढकी पहाड़ी ढलानों के साथ रोमांच प्रेमी इसके शीतकालीन वंडरलैंड से रास्ता तय करते हुए औली की यात्रा करते हैं। यह शानदार स्थल राष्ट्रीय शीतकालीन खेलों की मेजबानी के लिए भी प्रसिद्ध है, जहां एथलीटों को अपनी ताकत दिखाने का पूरा मौका मिलता है।

रिवर राफ्टिंग

उत्तराखंड की नदियां केवल राज्य की सुंदरता को ही नहीं बढ़ाती हैं, बल्कि व्हाइट वॉटर राफ्टिंग के प्रेमियों में जोश भर देती हैं, जो यहां रोमांच के लिए आते हैं। जब पर्यटक सफेद पानी में राफ्टिंग के माध्यम से रैपिड्स पर विजय प्राप्त करते हैं या गंगा, टोंस और अलकनंदा नदियों में एक शांत कैनोइंग या कयाकिंग के दौरान पानी पर नौका चलाते हैं, तो निश्चित रूप से उन्हें अलग रोमांच का अनुभव मिलता है।

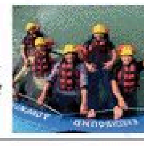

पैराग्लाइडिंग

रोमांच प्रेमी यहां आसमान की सैर भी कर सकते हैं और पैराग्लाइडिंग से उत्तराखंड की भव्यता का आनंद ले सकते हैं। नैनीताल, मुक्तेश्वर, या पिथौरागढ़ के मनोरम स्थानों से यह आसमानी उड़ान भरकर शानदार हिमालयी इलाकों का नजारा भी ले सकते हैं। रोमांच के अलावा, उत्तराखंड के पर्यटन क्षेत्र ने स्थानीय निवासियों के लिए समृद्धि भी लाई है।

READER ENGAGEMENT INITIATIVE

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 31-12-2025 Zone: Mahanagar Edition: 3 Page: NBTMM10 User: cci Time: 12-30-2025 23:52 Color:

2025 के साइलेंट हीरो, जिन्होंने बदली हमारी दिल्ली

शहर की ऊंची इमारतों पर जब 'हैपी न्यू ईयर' की लेजर लाइटें नाच रही होंगी और डीजे का शोर कानों के पर्दों से टकरा रहा होगा, तब दिल्ली के किसी अंधेरे कोने में कोई खामोशी से उम्मीद का एक दीया जला रहा होगा। ये वो लोग हैं जिन्हें 2026 के स्वागत के लिए किसी पार्टी के न्योते का इंतजार नहीं, क्योंकि इनका जश्न तो किसी की आंखों के आंसू पोंछने में है। प्रचार के विज्ञापनों और सोशल मीडिया की 'रील्स' से दूर, ये शहर के वो खामोश सिपाही हैं जो समाज की टूटी हुई कड़ियों को अपने निस्वार्थ भाव से जोड़ रहे हैं।

'बुजुर्गों की सेवा करके सुकून मिलता है, अच्छा लगता है'

Rahul.Anand@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली :** 'इसकी शुरुआत 2015-16 में हुई थी। मैं एम्स में जिरियाट्रिक डिपार्टमेंट में था। एक दिन मेरी ओपीडी में ओल्ड ऐज होम से एक मरीज आया। उसके साथ वहां का केयर टेकर भी था। उसने कहा कि इन्हें खाने को तो मिल जाता है, लेकिन इलाज नहीं मिलता है। ऐसे बहुत बुजुर्ग हैं, जो बीमार हैं। हम उन्हें यहां तक ला नहीं सकते। आप एक बार हमारे होम में विजिट कर सकते हैं क्या? चूंकि मैं बुजुर्गों का स्पेशलिस्ट डॉक्टर हूं और उनका दर्द समझ सकता हूं, इसलिए मैंने वहां जाना शुरू किया। वहां जाकर पता चला कि ये बुजुर्ग तो छोटी-छोटी ऐसी बीमारियों से जूझ रहे हैं, जो दवाओं से पूरी तरह मैनेज हो सकती हैं। मैंने इलाज के साथ-साथ दवा उपलब्ध कराना भी शुरू किया। उनका इलाज करने के बाद मुझे यह सब अच्छा लगने लगा। शुरुआत तो फरीदाबाद के एक ओल्ड ऐज होम से की थी, लेकिन अब दिल्ली-NCR के कई ओल्ड ऐज होम में जाता हूं। हर वीकेंड मेरा पहला काम यही होता है। इनकी सेवा करने के बाद एक पॉजिटिवनेस आती है, सुकून मिलता है, अच्छा लगता है।' ये शब्द हैं डॉ. विजय गुर्जर के, जो एम्स से पढ़ाई करने के बाद इन दिनों एक प्राइवेट हॉस्पिटल में प्रैक्टिस कर रहे हैं।

डॉ. विजय गुर्जर (प्राइवेट प्रैक्टिस)

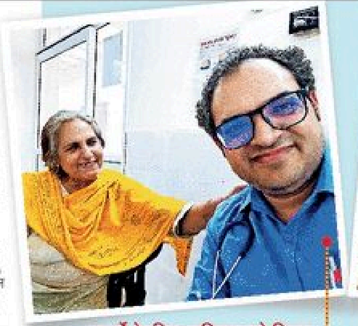

बुजुर्गों के लिए फरिश्ता बने विजय
डॉ. विजय गुर्जर हर वीकेंड दिल्ली-NCR के कई ओल्ड ऐज होम में जाते हैं और वहां बीमार बुजुर्गों का फ्री में इलाज करते हैं। उन्हें दवाई भी फ्री देते हैं।

इनकी जांबाजी को सलाम
ट्रैफिक मैनेजमेंट संभालते हुए राजकुमार ने वाहन चोरी के 10-12 मामलों को सॉल्व करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

ट्रैफिक के साथ-साथ गाड़ी चोरों को भी कर रहे कंट्रोल

Rajesh.Saroha@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली :** दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के पार्लियामेंट स्ट्रीट सर्कल में तैनात ASI राजकुमार कनॉट प्लेस और संसद मार्ग जैसे संवेदनशील इलाकों को जाम व हादसों से मुक्त करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। ट्रैफिक मैनेजमेंट के साथ उन्होंने वाहन चोरी के 10-12 मामले सुलझाने में भी मदद की है।

राजकुमार के अनुसार, 25 साल के अनुभव में उन्होंने देखा कि सर्दियों में रोड किनारे बेतरतीब खड़ी गाड़ियां हादसों का मुख्य कारण बनती हैं। कनॉट प्लेस में अवैध पार्किंग एक बड़ी समस्या है, जहां लोग कहीं भी वाहन पार्क कर रेस्टोरेंट में चले जाते हैं। इससे न केवल जाम लगता है, बल्कि फुटपाथ पर टू-वीलर खड़े होने से पैदल यात्री भी परेशान होते हैं।

वह कहते हैं कि यहां की दिक्कत देखते हुए पिछले 15 दिनों से अवैध पार्किंग के खिलाफ विशेष अभियान जारी है। इसके तहत 25 दिसंबर को दोपहर तक गलत पार्किंग के 30, रॉन्ग साइड के 20 और फुटपाथ पार्किंग के 7 चालान काटे गए। वहीं 24 दिसंबर को गलत पार्किंग के 40 और रॉन्ग साइड के 13 चालान हुए। नाइट क्लबों के कारण ड्रंकन ड्राइविंग रोकने के लिए शाम 4 से रात 1 बजे तक विशेष पिकेट लगाई जा रही है, जिसका फोकस शुक्रवार से रविवार तक रहता है।

राजकुमार (एएसआई ट्रैफिक पुलिस)

अपनी क्लास ही नहीं, 12वीं को भी दिया 100% रिजल्ट

Katyayani.Upreti@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली :** दिल्ली में सरकारी स्कूलों में 9वीं क्लास का हाई फेलियर रेट चर्चा पर रहता है, ऐसे में उन टीचर्स के पास कमान है, जो बच्चों के दोस्त और मेंटॉर बनकर उन्हें आगे बढ़ा रहे हैं। सर्वोदय बाल विद्यालय, शहजाद मोहम्मदपुर के इंग्लिश टीचर रजनीश राव भी इन्हीं में से एक हैं, जिन्होंने 100% रिजल्ट के साथ अपने एक-एक स्टूडेंट को अच्छे करियर की ओर बढ़ाया। टीजीटी (ट्रेंड ग्रैजुएट टीचर) रजनीश राव सिर्फ अपनी 10वीं क्लास ही नहीं, बल्कि अपने स्कूल की 12वीं क्लास के स्टूडेंट्स के लिए भी मेंटॉर साबित हुए और उन्हें भी परफेक्ट 100% रिजल्ट दिया।

इमोशनल कनेक्ट आता है काम: ज्यादातर सरकारी स्कूलों में इंग्लिश सब्जेक्ट स्टूडेंट्स के लिए एक चुनौती रहता है। रजनीश राव बताते हैं कि जब एमसीडी स्कूलों से बच्चे हमारे स्कूलों में क्लास 6 में आते हैं, तो उनकी इंग्लिश का स्तर लगभग शून्य होता है। ये स्टूडेंट्स ज्यादातर फर्स्ट जेनरेशन लर्नर होते हैं, जिनके घर में ना तो पढ़ाई का माहौल होता है और ना ही मार्गदर्शन। ऐसे बच्चों को सिर्फ पढ़ाना नहीं, संभालना पड़ता है। इंग्लिश वैसे भी बच्चों के लिए दूसरी भाषा है, वो हिंदी में सोचते हैं और इंग्लिश लिखने-बोलने के लिए उन्हें ट्रांसलेशन में परफेक्ट बनना होता था।

रजनीश राव (इंग्लिश टीचर)

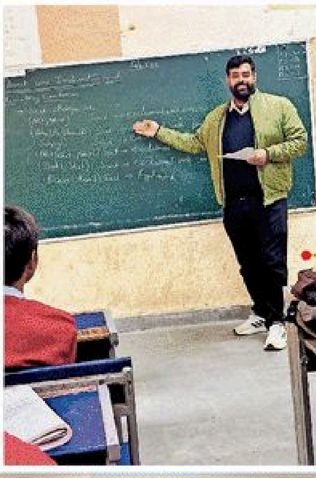

स्पेशल बच्चों के लिए बनाया स्पेशल ऐप
टीचर चांदनी ने इन्क्लूसिव एजुकेशन को बढ़ावा देते हुए 2025 में विशेष रचनात्मक कार्य किए ताकि दिव्यांग छात्रों की राह आसान हो।

मेहनत करने वालों के बन जाते हैं दोस्त
रजनीश का पढ़ाने का रूल हर बच्चे के लिए अलग है। वह कहते हैं, जो मेहनत कर रहे हैं उनके लिए मैं दोस्त बन जाता हूं।

क्रिएटिव ऐप्स बनाकर पढ़ाई को बनाया मजेदार

Katyayani.Upreti@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली :** इंटरनेट की दुनिया में बच्चों को साइबर अपराधों से बचाना शिक्षकों के लिए बड़ी चुनौती है। डिजिटल शिक्षा और मनोरंजन के बीच संतुलन बनाते हुए कंप्यूटर साइंस टीचर चांदनी अग्रवाल अपने स्टूडेंट्स को 'साइबर वॉरियर्स' बना रही हैं। साथ ही, इन्क्लूसिव एजुकेशन को बढ़ावा देते हुए उन्होंने 2025 में विशेष रचनात्मक कार्य किए ताकि दिव्यांग छात्र अधिक स्वतंत्र और समान का हिस्सा बनें।

2016 से इस पर काम कर रहीं महाराजा अग्रसेन मॉडल स्कूल की चांदनी का मानना है कि इस विषय को दिलचस्प बनाने के लिए सिलेबस में विस्तार की जरूरत है। NCERT और SCERT की रिसोर्सपर्सन चांदनी ने 'साइबर सिक्योरिटी गाइड' ऐप बनाया है, जिसमें क्विज के साथ 'कोड' की सुविधा भी है। उनके अनुसार, बच्चे ऑनलाइन गेमिंग और सोशल मीडिया के जरिए साइबर बुलिंग का शिकार होते हैं, इसलिए उन्हें ऐप्स और गेम्स के जरिये शिक्षित करना सबसे प्रभावी है। चांदनी ने कई ऑनलाइन गेम्स और क्विज भी तैयार किए हैं। इनके लिए उन्हें 'नैशनल आईसीटी अवॉर्ड' और 'NCERT-साइबर पैम फाउंडेशन अवॉर्ड' मिल चुका है।

चांदनी अग्रवाल (टीचर कंप्यूटर साइंस)

दो भाइयों ने उठाया दिल्ली के कचरे को रिसाइकल करने का बीड़ा

Poonam.Gaur@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली :** दिल्ली की कचरा समस्या और लैंडफिल साइट्स की बदतर स्थिति देख दो भाइयों, अपूर्व और करण ने बदलाव की ठानी। गाजीपुर जैसे लैंडफिल की बदबू और प्रदूषण से परेशान होकर उन्होंने कचरा रिसाइकल करने की मुहिम शुरू की, जो अब गुरुग्राम और नोएडा तक फैल चुकी है।

स्कूल प्रोजेक्ट और दिल्ली सरकार के एक NGO कार्यक्रम से शुरू हुआ यह विचार अब स्टार्टअप बन चुका है। इस पहल से 70 से अधिक कबाड़ीवाले जुड़ चुके हैं। इसका उद्देश्य घरों से ही कचरा अलग-अलग कर उठाना है, ताकि कूड़ा लैंडफिल तक पहुंचे ही न। शुरुआत में अनुभव की कमी के कारण भाइयों को आर्थिक नुकसान हुआ, लेकिन हार नहीं मानी। उन्होंने कबाड़ीवालों के मौजूदा नेटवर्क को समझा और उन्हें संगठित कर सम्मानजनक आजीविका से जोड़ा। आज यह नेटवर्क जिम्मेदारी से कचरा रिसाइकल कर रहा है। दोनों भाइयों ने साबित किया कि केवल शिकायत करने के बजाय जमीन पर समाधान निकाल पर्यावरण को बचाया जा सकता है।

अपूर्व और करण (स्टार्टअप)

हर 100 किलो रिसाइकल पर एक पेड़: इनकी टीम हर 100 किलो कचरा रिसाइकल होने पर एक पेड़ लगाती है। अब तक करीब 3500 पेड़ लगाए जा चुके हैं।

बिना शोर, काम पर जोर
अनिल शर्मा की इन्वेस्टिगेशन की बदौलत दिल्ली दंगों की साजिश में 30 हजार पेज की चार्जशीट दायर हो चुकी है।

केस इन्वेस्टिगेशन के चलते छह साल से नहीं ली छुट्टी

Vishal.Sharma3@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली :** स्पेशल सेल के इंस्पेक्टर अनिल शर्मा को इंटेलिजेंस और इन्वेस्टिगेशन का मास्टर माना जाता है। 2020 के दिल्ली दंगों की 'लार्जर कॉन्सपिरेसी' की जांच के लिए बनी SIT के वह हेड हैं। उनकी सटीक जांच के चलते ही 30 हजार पेज की चार्जशीट दाखिल हुई और 2025 में हाई कोर्ट से 10 मुख्य आरोपियों की जमानत याचिकाएं खारिज हुईं।

1996 में पुलिस जॉइन करने वाले अनिल ने दंगों की साजिश सुलझाने के लिए डिजिटल फुटप्रिंट, सीसीटीवी और व्हाट्सऐप ग्रुप का सहारा लिया। उन्होंने दंगों की करीब 764 एफआईआर का पूरा डेटाबेस तैयार किया है और जांच के लिए पिछले 6 साल से कोई छुट्टी नहीं ली। उनकी इसी निष्ठा के कारण एडिशनल सीपी प्रमोद सिंह कुशवाह भी उनकी सराहना करते हैं। पोस्ट ग्रेजुएट और एमबीए अनिल शर्मा ने 2014 में इंस्पेक्टर बनते ही बवाना में लगातार हुए तीन मर्डर केस सुलझाए थे। असाधारण कार्य पुरस्कार से सम्मानित अनिल लाइमलाइट से दूर रहना पसंद करते हैं। उनके परिवार में पत्नी अनुपमा और 2 बच्चे हैं, जो पायलट हैं। कोर्ट की हर सुनवाई पर मौजूद रहने वाले अनिल ने साक्ष्यों के आधार पर दंगों की साजिश में 18 लोगों को अरेस्ट किया है।

अनिल शर्मा (इंस्पेक्टर स्पेशल सेल)

लूप के ज़रिए जोड़ा जाएगा लाजवंती गार्डन फ्लाईओवर

Loop

Sudama.Yadav@timesofindia.com

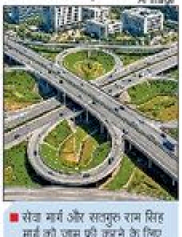

AI image

■ सेवा मार्ग और सतगुरु राम सिंह मार्ग को जाम फ्री करने के लिए पहले से प्रस्तावित है फ्लाईओवर

■ **नई दिल्ली :** सागरपुर रेड लाइट से मायापुरी मेट्रो स्टेशन तक सेवा मार्ग और सतगुरु राम सिंह मार्ग को पूरी तरह से जाम फ्री करने के लिए प्रस्तावित फ्लाईओवर को अब लाजवंती गार्डन फ्लाईओवर के साथ कनेक्ट करने के लिए क्लोवर लीफ बनाया जाएगा। इसके अलावा मायापुरी जंक मार्केट के चलते सतगुरु राम सिंह मार्ग पर हर समय जो जाम की स्थिति है, वह खत्म हो जाएगी। सागरपुर रेड लाइट से मायापुरी मेट्रो स्टेशन तक करीब 4.3 किमी लंबे स्ट्रेच को जाम फ्री करने का प्लान है।

पीडब्ल्यूडी अफसरों के अनुसार सागरपुर रेड लाइट से लाजवंती गार्डन तक सेवा मार्ग की लंबाई करीब 900 मीटर है। इस स्ट्रेच में रोड की चौड़ाई सिर्फ 25 मीटर ही है। रोड की चौड़ाई कम होने के बाद भी कई जगहों पर इस स्ट्रेच में अतिक्रमण है। लाजवंती गार्डन फ्लाईओवर से मायापुरी मेट्रो स्टेशन तक सतगुरु राम सिंह मार्ग की लंबाई करीब 3400 मीटर है। इस स्ट्रेच की चौड़ाई 30.48 मीटर है। इसी स्ट्रेच में मायापुरी जंक मार्केट और कई बैंक्विट हॉल हैं। जिसके चलते इस स्ट्रेच में हर समय जाम की स्थिति होती है। इसलिए सेवा मार्ग और सतगुरु राम सिंह मार्ग के कुल 4.3 किमी लंबे इस स्ट्रेच को जाम फ्री करने के लिए फ्लाईओवर निर्माण का प्लान तैयार किया गया है। अगले महीने जनवरी में फ्लाईओवर निर्माण के लिए फिजिबिलिटी स्टडी का काम किसी प्राइवेट एजेंसी को सौंपा जाएगा। एजेंसी की स्टडी रिपोर्ट और डीपीआर तीन-चार महीनों में तैयार होगा।

सागरपुर रेड लाइट से मायापुरी मेट्रो स्टेशन के बीच तीन बड़ी रेड लाइट हैं, जो नए फ्लाईओवर निर्माण के बाद सिग्नल फ्री हो जाएंगी। सेवा मार्ग के आखिरी पॉइंट पर लाजवंती गार्डन फ्लाईओवर है। इस फ्लाईओवर की ऊंचाई काफी है। इसलिए प्लान यह है कि जो नया फ्लाईओवर होगा, वह इसके नीचे से होकर आगे मायापुरी मेट्रो स्टेशन की ओर जाएगा। नए और पुराने फ्लाईओवर को कनेक्ट करने के लिए लाजवंती गार्डन फ्लाईओवर को क्लोवर लीफ लूप से कनेक्ट किया जाएगा।

MCD के अध्यक्षों ने बजट प्रस्ताव पर दिए सुझाव

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** MCD ने संशोधित बजट अनुमान और 2026-27 के बजट अनुमानों को अंतिम रूप देने की दिशा में प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। इसी क्रम में मंगलवार को स्थायी समिति की एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया जिसमें निगम की छह विशेष और तदर्थ समितियों के अध्यक्षों द्वारा अपने-अपने विभागों से संबंधित बजट प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए। समितियों ने MCD का रेवेन्यू बढ़ाने के लिए भी कई अहम सुझाव दिए।

मंगलवार को स्थायी समिति की बुलाई गई थी विशेष बैठक

स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने कहा कि बैठक में पर्यावरण प्रबंधन सेवाएं समिति, निर्माण समिति, स्वास्थ्य समिति, शिक्षा समिति, उद्यान समिति और समिति के अध्यक्षों द्वारा विस्तृत रूप से बजट प्रस्ताव रखे गए। इन प्रस्तावों और सुझावों में स्वच्छता व्यवस्था सुदृढ़ करने, निर्माण और रखरखाव कार्यों में सुधार, नागरिक स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने, हरित क्षेत्रों एवं उद्यानों के संरक्षण तथा ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास से जुड़े विषयों पर विशेष ध्यान दिया गया। स्थायी समिति की अध्यक्ष ने कहा कि सभी समितियों से प्राप्त सुझावों को सम्मिलित करते हुए एक संतुलित और जनहितकारी बजट तैयार किया जाएगा।

खरे नहीं उतरे थे 14 STP, परखी जाएगी UV तकनीक

Sudama.Yadav@timesofindia.com

AI image

■ IIT दिल्ली की एक्सपर्ट टीम करेगी इसकी जांच

■ गंदे पानी को ट्रीट करने के लिए हो रहा UV तकनीक का इस्तेमाल

■ **नई दिल्ली :** जल बोर्ड के जिन 37 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों में ट्रीट किए गए पानी के भरोसे यमुना का फ्लो मेंटेन करने की प्लानिंग है, उन प्लांटों में गंदे पानी को साफ करने के लिए इस्तेमाल होने वाले यूवी (अल्ट्रा वायलेट) तकनीक की जांच कराई जाएगी। ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अल्ट्रावायलेट (यूवी) वेवलेंथ से गंदे पानी में पाए जाने वाले फेकल कोलीफॉर्म (मल-मूत्र) कितना प्रतिशत कम हो रहा है। साथ ही यूवी वेवलेंथ, उसकी इंटेंसिटी, एक्सपोजर, टाइमिंग और दूरी की भी जांच कराई जाएगी। इसके लिए आईआईटी (दिल्ली) के एक्सपर्ट की एक टीम बनाई गई है।

जल बोर्ड अफसरों के अनुसार, इसी साल जुलाई में दिल्ली पल्यूशन कंट्रोल कमिटी (डीपीसीसी) ने जल बोर्ड के 37 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों में में ट्रीट किए गंदे पानी की एक रिपोर्ट जारी की थी। जिसमें 23 एसटीपी तो तय पैरामीटर पूरा करते पाए गए। लेकिन, 14 एसटीपी डीपीसीसी के निर्धारित पैरामीटर पर फेल पाए गए। डीपीसीसी ने टेस्ट में फेकल कोलीफॉर्म का प्रतिशत भी जारी किया था। इसके बाद ही एसटीपी में गंदे पानी को ट्रीट करने के लिए जो नई यूवी तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है, उस पर सवाल खड़े हो गए। मामला एनजीटी में भी गया। ट्रिब्यूनल ने यूवी तकनीक से गंदे पानी को साफ करने की व्यावहारिकता की जांच के लिए आईआईटी, दिल्ली के एक्सपर्ट की एक टीम बनाई है।

यूवी तकनीक गंदे पानी को अल्ट्रावायलेट वेव लेंथ के माध्यम से ट्रीट करने का एक प्रभावी तकनीक माना जाता है। इस तकनीक से वेवलेंथ वाली यूवी-सी किरणों का इस्तेमाल कर पानी में बैक्टीरिया, वायरस और परजीवियों के डीएनए को खत्म कर उन्हें निष्क्रिय कर दिया जाता है। यूवी तकनीक पानी को साफ करने के लिए पुरानी क्लोरीन तकनीक की तुलना में अधिक सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल मानी जाती है। 37 में से 13 प्लांटों में इसी तकनीक से गंदे पानी को ट्रीट किया जा रहा है।

दिल्ली के 46 रेस्टोरेंट में फायर डिपार्टमेंट को मिलीं खामियां

■ **नवीन निश्चल, नई दिल्ली**

अब तक 156 रेस्टोरेंट की हो चुकी है जांच, 10 मिले हैं बंद

गोवा क्लब हादसे में 25 लोगों की मौत के बाद दिल्ली में शुरू हुए होटल, क्लब, रेस्टोरेंट की जांच अभियान में अब तक 156 रेस्टोरेंट का इंस्पेक्शन फायर डिपार्टमेंट की टीम कर चुकी है। जिसमें से 100 रेस्टोरेंट में टीम को फायर सेफ्टी इंतजाम सही मिले हैं। जबकि 46 में अलग-अलग तरह की कमियां पाई गई हैं।

इंस्पेक्शन करने वाली टीम ने उन रेस्टोरेंट को शॉर्ट कमिंग का नोटिस देकर जल्द से जल्द कमी को पूरा करने का ऑर्डर दिया है। कमी के आधार पर कम से कम 3 दिन और ज्यादा से ज्यादा 30 दिनों का समय रेस्टोरेंट चलाने वाले प्रबंधकों को दिया गया है। जानकारी के अनुसार, फायर डिपार्टमेंट से 800 से ज्यादा रेस्टोरेंट एनओसी लेकर अलग-अलग इलाकों में चल रहे हैं। फिलहाल उन्हीं में से सरप्राइज विजिट करके फायर अधिकारी की टीम इंस्पेक्शन कर रही है। फायर डिपार्टमेंट से जुड़े एक्सपर्ट और दिल्ली फायर डिपार्टमेंट के पूर्व चीफ फायर ऑफिसर राजेश पंवार का कहना है, यह अभियान लगातार चलाया जाना चाहिए। हम किसी हादसे के बाद ही क्यों सतर्क होते हैं?

गोवा हादसे के बाद दिल्ली फायर सर्विस के प्रिंसिपल डायरेक्टर के आदेश पर 21 दिसंबर से दिल्ली में इंस्पेक्शन की शुरुआत हुई है। इसमें असिस्टेंट डिविजनल ऑफिसर और डिविजनल ऑफिसर रैंक के फायर अधिकारी को काम सौंपा गया है। फायर हेडक्वॉर्टर के द्वारा जांच रिपोर्ट को मॉनिटर भी किया जा रहा है। जिसमें कमी मिल रही है, उसकी रिपोर्ट भी तैयार की जा रही है।

छुट्टियों में भी स्टूडेंट्स के लिए रेमेडियल क्लास

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली**

■ क्लास 9 से 12 के लिए रेमेडियल क्लासेज 1 से 15 जनवरी तक

■ रोजाना एक-एक घंटे के तीन पीरियड

सभी सरकारी स्कूलों में 1 से 15 जनवरी तक सर्दियों की छुट्टियां होंगी। हालांकि, सीनियर स्टूडेंट्स यानी क्लास 9 से 12 के लिए 1 जनवरी से लेकर 9 जनवरी तक रेमेडियल क्लासेज चलेंगी।

इन क्लासों की मदद स्टूडेंट्स को कॉन्सेप्ट्स समझाए जाएंगे, साथ ही अकैडमिक परफॉर्मेंस पर फोकस किया जाएगा। शिक्षा निदेशालय ने मंगलवार को विंटर वेकेशन का ऐलान करते हुए सीनियर स्टूडेंट्स के लिए 10 दिन की रेमेडियल क्लासेज का शेड्यूल तय किया है। 1 से लेकर 15 जनवरी तक सर्दियों की छुट्टियां चलेंगी। क्लास 9 से लेकर क्लास 12 के स्टूडेंट्स की परफॉर्मेंस को बढ़ाने के लिए रेमेडियल क्लासेज 1 जनवरी से 10 जनवरी तक चलेंगी। अगर जगह की कमी रहती है तो ईवनिंग शिफ्ट वाले स्कूलों के हेड अपने जिले के डीडीई से सलाह लेकर शाम के वक्त भी क्लासेज ले सकते हैं। सुबह की शिफ्ट के लिए स्टूडेंट्स को सुबह 9:30 बजे से 12:50 बजे तक आना होगा और टीचर्स को 9 बजे से 1 बजे तक। शाम की शिफ्ट के लिए स्टूडेंट्स को 1:30 बजे से 5:50 बजे तक स्कूल रहना होगा, टीचर्स को 1 से 4:50 बजे तक। रोजाना एक-एक घंटे के तीन पीरियड होंगे। स्टूडेंट्स को यूनिफॉर्म में ही आना होगा।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 31-12-2025 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH13 User: sachin.saini Time: 12-30-2025 20:24 Color:

NOTE : -

[: राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi,]

English NEWSPAPERS
[Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi] ETC.

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

whatsapp Group ka link pane ke liye
Newspaper_pdf_bot par jaye.

Click here to contact:-https://t.me/Newspaper_pdf_bot
Or type in Search box of Telegram
@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel
BACKUP GROUP LINK
https://t.me/joinchat/5P9EL1JaqoYzNTI1

Hindi-English News Paper Website:- onlineftp.in